@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 1 अगस्त 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 262 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सौदा होगा और पीएम मोदी बिल्कुल वही करेंगे जो ट्रंप कहेंगे...

अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान पर राहुल गांधी ने सरकार को घेरा

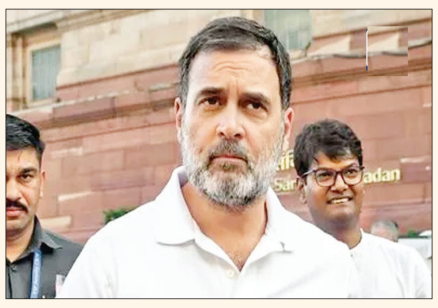

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध विराम और टैरिफ पर दिए गए बयान पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि ट्रंप ने बिल्कुल सही कहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था मृत है। यह बात सभी जानते हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था मृत है केवल पीएम मोदी और वित्त मंत्री को छोड़कर। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी ने देश की अर्थव्यवस्था को खत्म कर दिया है...ट्रंप ने 30-32 बार बोल चुके हैं कि मैंने युद्धविराम कराया है...पीएम मोदी जवाब क्यों नहीं दे पा रहे हैं? ट्रंप की मृत अर्थव्यवस्था वाली टिप्पणी पर राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी केवल एक व्यक्ति-अडानी के लिए काम करते हैं। यह सौदा होगा और पीएम मोदी बिल्कुल वही करेंगे जो ट्रंप कहेंगे...। आज भारत के सामने मुख्य मुद्दा यह है कि सरकार ने हमारी आर्थिक, रक्षा और विदेश नीति को नष्ट कर दिया है। वे इस देश को बर्बाद कर रहे हैं। ट्रंप के अर्थव्यवस्था की बर्बादी वाले बयान पर, राहुल ने कहा कि विदेश मंत्री भाषण देते हैं और कहते हैं कि हमारी विदेश नीति बहुत अच्छी है। एक तरफ अमेरिका आपको गाली दे रहा है, दूसरी तरफ चीन आपके पीछे पड़ा है। जब आप अपना प्रतिनिधिमंडल दुनिया में भेजते हैं, तो कोई भी देश पाकिस्तान की निंदा नहीं करता। वे इस देश को कैसे चला रहे हैं? पूरी तरह से भ्रम की स्थिति है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने अपने भाषण में ट्रंप का नाम तक नहीं लिया, चीन का...जिस पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख ने पहलगाम हमला किया, राष्ट्रपति ट्रंप उसके साथ लंच कर रहे हैं, और वे कह रहे हैं कि हमें बड़ी सफलता मिली है।

देश के ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को दुनिया में नंबर-वन बनाने का लक्ष्य

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी कर रहे नई योजना पर काम

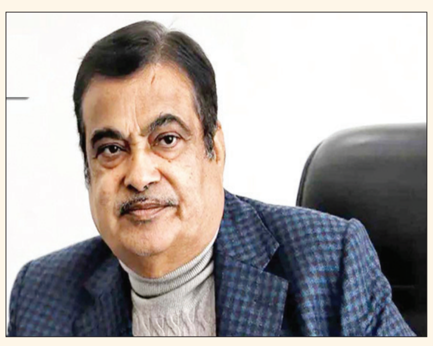

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार देश ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को आगे बढ़ाने के लिए तेजी से काम कर रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी लगातार नई योजना पर काम कर रहे हैं। ऐसे में अब गडकरी ने कहा कि भारत सरकार देश के ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को दुनिया में नंबर-वन बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री ने 4.5 करोड़ रोजगार पैदा किए जाएंगे, जो देश में सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा कि भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का भविष्य बहुत उज्ज्वल है। मीडिया रिपोर्ट में गडकरी के हवाले से कहा गया है भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का वर्तमान आकार 22 लाख करोड़ रुपए है और सरकार का लक्ष्य इस इंडस्ट्री को दुनिया में नंबर-वन बनाना है। वर्तमान में अमेरिकी ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का आकार 78 लाख करोड़ का है, उसके बाद चीन का 47 लाख करोड़ रुपए और भारत का 22 लाख करोड़ रुपए का है। गडकरी ने कहा कि जब उन्होंने 2014 में परिवहन मंत्रालय का कार्यभार संभाला था, तब ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का आकार 7.5 लाख करोड़ था। अब ये बढ़कर 22 लाख करोड़ पर पहुंच गया है। रिपोर्ट के मुताबिक गडकरी ने कहा कि ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री ने अब तक 4.5 करोड़ रोजगार तैयार किए हैं, जो देश में सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा कि यह ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री ही है जो राज्य सरकारों और भारत सरकार को जीएसटी के रूप में सबसे ज्यादा राजस्व दे रहा है। संयोग से भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को देश का शीर्ष मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर है, जो सरकार के लिए राजस्व जुटाने के साथ-साथ रोजगार तैयार करने का भी एक प्रमुख स्रोत है।

जशपुर में सुबह-सुबह भूकंप के झटके, घबराकर घरों से बाहर निकले लोग

जशपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में सुबह भूकंप के हल्के झटकों से लोगों में दहशत फैल गई। सुबह करीब 7 बजकर 31 मिनट पर महसूस किए गए झटकों से घरों में रखे बर्तन खनक उठे और दरवाजे-खिड़कियों में हलचल देखी गई। झटकों की अवधि लगभग 4 से 5 सेकंड की रही। भूकंप का अहसास होते ही बड़ी संख्या में लोग सतर्कता बरतते हुए अपने घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस घटना में अब तक किसी प्रकार की जनहानि या संपत्ति के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। भूकंप के बाद क्षेत्र में हलचल तो रही, लेकिन जल्द ही स्थिति सामान्य हो गई। कई लोग एहतियातन थोड़ी देर तक खुले स्थानों पर ही ठहरे रहे। प्रशासन की ओर से भूकंप की तीव्रता या केंद्र को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। बावजूद इसके, स्थानीय निवासी सतर्क हैं और आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की जा रही है।

-कैबिनेट की बैठक में किसानों और रेलवे से जुड़ी कई बड़ी घोषणाओं को मंजूरी

विकास निगम को दो हजार करोड़ की वित्तीय सहायता मंजूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में किसानों और रेलवे से जुड़ी कई बड़ी घोषणाओं को मंजूरी दी गई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कुल छह अहम फैसलों को मंजूरी दी गई, इसका सीधा असर देश के किसानों, कोऑपरेटिव संस्थाओं और रेलवे नेटवर्क पर पड़ेगा। कैबिनेट ने राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) को 2000 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। मोदी सरकार की योजना से देश के 94 प्रतिशत किसान वर्ग को लाभ मिलेगा। इसके तहत 2025-26 से लेकर 2028-29 तक के लिए यह सहयोग जारी रहेगा। मोदी सरकार का लक्ष्य है कि इससे सहकारी संस्थाएं और अधिक मजबूत होकर किसानों की आय बढ़ाने में भूमिका निभाएं। मोदी सरकार ने पीएमकेएसवॉय के लिए कुल 6520 करोड़ रुपये के परिव्यय को मंजूरी दी है, जिसमें 1920 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि शामिल है।

इस योजना के अंतर्गत~1000 करोड़ रुपये से खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं और विकिरण इकाइयों की स्थापना की जाएगी। 100 एनएबीएल मान्यता प्राप्त फूड टेस्टिंग लैब्स और 50 फूड इरिडेशन यूनिट्स स्थापित की जाएंगी। अन्य घटक योजनाओं के लिए 920 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि फूड प्रोसेसिंग सेक्टर का एक्सपोर्ट 11 वर्षों में दोगुना होकर 5 बिलियन डॉलर से बढ़कर 11 बिलियन डॉलर पहुंच चुका है। मोदी कैबिनेट ने गुरुवार को इटारसी से नागपुर तक चौथी

रेलवे लाइन बिछाने को मंजूरी दी है। प्रोजेक्ट से इस महत्वपूर्ण रेल रूट की क्षमता और स्पीड दोनों बढ़ेगी।

वर्तमान में तीसरी लाइन पर काम चल रहा है, और अब चौथी लाइन का रास्ता भी साफ हो गया है।

इतना ही नहीं मोदी सरकार ने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा और झारखंड के 13 जिलों में फैली चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं के जरिए भारतीय रेलवे का नेटवर्क करीब 574 किलोमीटर तक विस्तारित किया जाएगा, जिससे यात्रियों और माल ढुलाई दोनों को लाभ होगा।

मालेगांव बम विस्फोट मामले में सभी आरोपी निर्दोष बरी

पिछले 17 सालों में मुझे बहुत अपमान सहना पड़ा- साध्वी प्रज्ञा सिंह

मुंबई (एजेंसी)। 17 वर्षों की अदालती कार्यवाही, सुनवाई, हजारों साक्ष्य और सैकड़ों गवाह, 29 सितंबर 2008 को मालेगांव शहर में हुए भीषण बम विस्फोट मामले पर आज कोर्ट का फैसला आ ही गया। कोर्ट ने सभी आरोपियों को निर्दोष बरी कर दिया।

मालेगांव में अंजुमन चौक और भीकू चौक के बीच स्थित शकील गुड्स ट्रांसपोर्ट कंपनी के सामने यह विस्फोट हुआ था। विस्फोट रात 9.35 बजे हुआ। उसके बाद सनसनी फैल गई। इस बम विस्फोट में 6 निर्दोष नागरिकों की जान चली गई थी। 100 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। अब 17 साल बाद इस मामले में फैसला आया है और कोर्ट ने सभी आरोपियों को निर्दोष बरी कर दिया गया है। एनआईए की विशेष अदालत ने भोपाल से पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह और कर्नल पुरोहित समेत सात आरोपियों को बरी कर दिया है।

मुझे बहुत अपमान सहना पड़ाः साध्वी प्रज्ञा सिंह

पिछले 17 सालों में मुझे बहुत अपमान सहना पड़ा है, हमें अपने ही देश में आतंकवादी बना दिया गया। शायद मैं जीवित हूं क्योंकि मैं एक भिक्षु हूं, मैं हर दिन मर रही थी। मैं आज खुश हूं, कोई तो है जो मेरी आवाज सुन रहा है। साध्वी प्रज्ञा सिंह ने कहा है कि आज हिंदुत्व और भगवा की जीत हुई है।

मालेगांव पुलिस अलर्ट मोड पर

मालेगांव एवं महाराष्ट्र पुलिस यह सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरत रही है कि इस परिणाम से कोई तनाव पैदा न हो। इस परिणाम पर न केवल महाराष्ट्र बल्कि पूरे देश की नजर थी। इस फैसले के मद्देनजर मालेगांव में कड़ी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की गई है। खबर है कि मालेगांव के हर चौक चौराहे पर पुलिस तैनात है।

शाह ने राज्यसभा में भरी हुंकार, पीओके कांग्रेस ने दिया... हमारी सरकार वापस लेकर आएगी

- देश में आतंकवाद कांग्रेस की तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति के चलते

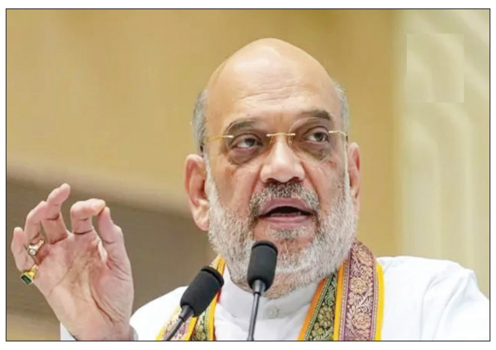

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा के दौरान कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) तथा आतंकवाद के मुद्दे पर जमकर निशाना साधा।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने दो टूक कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) कांग्रेस की देन है और वापस लेने का काम भाजपा ही करेगी। उन्होंने देश में आतंकवाद के फैलने का बड़ा कारण कांग्रेस की तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति को बताया। गृह मंत्री ने सुरक्षाबलों द्वारा पहलगाम में ऑपरेशन महादेव के तहत आतंकियों को मार गिराने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि हर-हर महादेव केवल एक धार्मिक नारा नहीं, बल्कि सुरक्षाबलों का उद्घोष है, जो उनके साहस और संकल्प को दिखाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृढ़ संकल्प कश्मीर को आतंकवाद से पूरी तरह मुक्त करना है। अमित शाह ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में आतंकियों के आकाओं को नष्ट किया गया, जबकि ऑपरेशन महादेव में पहलगाम में निर्दोषों की हत्या करने वाले आतंकियों को खत्म किया गया।

शाह ने तीनों सेनाओं के शौर्य को सम्मान देकर बताया कि कैबिनेट कमिटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक में सेना को पूर्ण कार्रवाई की छूट दी गई थी। उन्होंने बताया कि 7 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को तबाह किया, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिद्दीन के ठिकाने शामिल थे।

गृह मंत्री शाह ने बताया कि 8 मई को पाकिस्तान द्वारा भारतीय रिहायशी इलाकों पर गोलीबारी और सैन्य ठिकानों पर मिसाइल तथा ड्रोन हमलों का भी जिक्र किया। इसके जवाब में, 9 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तान के आठ एयरबेस और एयर डिफेंस सिस्टम को ध्वस्त कर दिया, जिसके बाद पाकिस्तान घुटनों पर आ गया और उसने भारत से हमले रोकने की मांग की। अमित शाह ने स्पष्ट किया कि भारत का उद्देश्य युद्ध नहीं, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई था। जब अमित शाह जवाब देने उठे, विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सदन में आकर जवाब देने की मांग की। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री के संसद परिसर में मौजूद होने के बावजूद सदन में न आना सदन का अपमान है। विपक्ष के विरोध के कारण सदन में हंगामा हुआ और विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। अमित शाह ने सदन को सूचित किया कि प्रधानमंत्री अपने कार्यालय में मौजूद हैं।

निठारी कांड : पंढेर और कोली निर्दोष...

आखिर उन 16 बच्चों की बेरहमी से हत्या किसने की

नई दिल्ली (एजेंसी)। निठारी कांड में मोनिंदर सिंह पंढेर और सुरेंद्र कोली को अदालतों ने अब तक अधिकांश मामलों में बरी कर दिया है। इसका सीधा मतलब यह है कि अदालत के अनुसार, उनके खिलाफ बच्चों की हत्या का कोई ठोस सबूत नहीं मिल सका है। इसके बाद निठारी कांड का असली गुनहगार कौन है, यह सवाल अभी भी बना हुआ है, और यही इस मामले की सबसे बड़ी विडंबना है।

दरअसल गाजियाबाद की सीबीआई कोर्ट ने सुरेंद्र कोली को 12 मामलों में और पंढेर को 2 मामलों में फांसी की सजा सुनाई थी। हालांकि, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सबूतों की कमी और जांच में लापरवाही के चलते दोनों को बरी कर दिया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी इलाहाबाद हाईकोर्ट के इस फैसले को बरकरार रखते हुए दोनों को बरी कर दिया।

इस पूरे हत्याकांड में जांच की कई खामियां उजागर हुई है। इस मामले में फॉरेंसिक सबूतों की कमी साफ दिखाई दी। बच्चों की लाशों के टुकड़े मिलने के बावजूद, उनका डीएनए टेस्ट नहीं करवाया गया, जिससे यह साबित हो सके कि वे किन के बच्चे थे। इतना ही नहीं सुरेंद्र कोली के कबूलनामे का वीडियो कोर्ट में पेश नहीं किया गया, और उसके बयानों पर उसके हस्ताक्षर भी नहीं थे। पुलिस हिरासत में दिए गए बयानों को कानूनी रूप से मान्य करने के लिए ठोस सबूतों की आवश्यकता होती है। वहीं मामले में आरोपी बनाए गए सुरेंद्र कोली ने जिन जगहों पर लाशों के टुकड़े दबाने का दावा किया था, वहां खुदाई में कुछ भी नहीं मिला। देश की प्रमुख जांच एजेंसियां न हत्या के पीछे का कोई मकसद बता सकी और न ही कोई हत्या का हथियार बरामद हुआ।

अदालत ने इस पूरे मामले की जांच के दौरान इस बात पर भी हैरानी जाहिर की कि अंगों की तस्करी के एंगल की कभी जांच नहीं की गई, जबकि पंढेर पहले से ही किडनी स्कैम में आरोपी था।

यदि पंढेर और कोली निर्दोष हैं, तब यह सवाल और भी गहरा हो जाता है कि आखिर उन 16 बच्चों की बेरहमी से हत्या किसने की थी। अदालती फैसलों से यह स्पष्ट है कि पुलिस और सीबीआई की जांच में गंभीर खामियां थीं, इसकारण कारण वास्तविक अपराधी का पता नहीं चल पाया। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान साफ तौर पर कहा है कि यह संभावना है कि हत्याएं किसी और ने की हों और जांच एजेंसियों ने असली कातिल को छोड़ दिया हो। हाईकोर्ट ने कहा कि इस मामले में एक गरीब (सुरेंद्र कोली) पर जबरन आरोप मढ़ा गया है। यह पुलिस की शुरुआती जांच की लापरवाही को दिखाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई और पीड़ितों के परिवारों की 14 याचिकाओं को खारिज किया है, जिससे फिलहाल पंढेर और कोली के खिलाफ सभी दरवाजे बंद हो गए हैं। यह मामला भारतीय न्याय प्रणाली में जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। निठारी कांड अभी भी एक अनसुलझी पहेली बना हुआ है, और जब तक असली गुनहगार का पता नहीं चलता, तब तक पीड़ितों को न्याय नहीं मिलेगा।

भारत राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी कदम उठाएगा, ट्रंप के 25प्र. टैरिफ पर बोले केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि केंद्र सरकार देश के राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी कदम उठाएगी। यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के एक दिन बाद कही गई। उन्होंने नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल और हथियार खरीदने के फैसले का हवाला दिया। लोकसभा में बोलते हुए, गोयल ने आगे कहा कि केंद्र सरकार ट्रंप के 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले के प्रभावों की जांच कर रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि केंद्र ने ट्रम्प के बयान पर ध्यान दिया है और वर्तमान में इसके प्रभावों का अध्ययन कर रहा है। सरकार ने कहा कि भारत और अमेरिका पिछले कुछ महीनों से एक निष्पक्ष, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर पहुँचने के लिए÷ बातचीत कर रहे हैं।

बता दें कि ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत का टैरिफ लगाने का ऐलान किया है, जो कि 1 अगस्त 2025 से लागू होगा। ये फैसला भारत और अमेरिका के बीच कूटनीतिक और व्यापारिक रिश्तों में तनाव पैदा कर सकते हैं। आपको बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के चीन और रूस के साथ व्यापार करने पर नाराजगी जताई है। ट्रंप ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा है कि भारत हमारा दोस्त है, लेकिन उनके ऊंचे टैरिफ और रूस से सैन्य उपकरण और ऊर्जा खरीद ने उनकी नीतियों को लेकर चिंता है। खासकर तब जब दुनिया यूक्रेन में रूस की हिंसा रोकना चाहती है। इस आधार पर उन्होंने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ और एक एक्स्ट्रा पैनल्टी लगाने का ऐलान किया है।

इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से लगातार भारत और रूस को लेकर बयानबाजी भी सामने आ रही है। इसके साथ ही भारत को चिढ़ाने के लिए पाकिस्तान के साथ तेल डील को लेकर भी ऐलान किया जा रहा है। लेकिन अब अमेरिका ने भारत की कंपनियों पर बैन लगा दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ईरानी मूल के पेट्रोकेमिकल उत्पादों की महत्वपूर्ण बिक्री और खरीद के लिए छह भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं।

भारतीय महिला में डॉक्टरों ने खोजा... ऐसा ब्लड ग्रुप जो दुनिया में कहीं भी पहचाना नहीं गया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के कोलार जिले की एक 38 वर्षीय महिला में डॉक्टरों ने एक ऐसा ब्लड ग्रुप खोजा है, जो अभी तक दुनिया में कहीं भी पहचाना नहीं गया था। डॉक्टर ने ब्लड ग्रुप को सीआरआईबी नाम दिया है। अभी तक दुनिया में इस ब्लड ग्रुप के 10 लोग ही सामने आए हैं। यह मामला तब सामने आया जब महिला को दिल की सर्जरी के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला का ब्लड ग्रुप ओ आएच प्लस था, जो कि सबसे आम माना जाता है। लेकिन जब सर्जरी के लिए खून जुटाया गया, तब कोई भी ओ पॉजिटिव यूनिट महिला के शरीर से मेल नहीं खा रही थी। इसके बाद जांच के लिए सैंपल को बेंगलुरु के रोटरी बैंगलोर टीटीके ब्लड सेंटर की एडवांस्ड लैब में भेजा गया। टीम ने महिला के 20 परिजनों के ब्लड सैंपल भी जांचे, लेकिन कोई मेल नहीं मिला। डॉ. अंकित माथुर ने बताया कि हमारे द्वारा एडवांस टेस्टिंग की, जिसमें सामने आया कि मरीज का खून हर सैंपल से पैन-रिएक्टिव था, यानी किसी भी खून से मेल नहीं खा रहा था। हमें शक हुआ कि यह कोई नया या बहुत दुर्लभ ब्लड ग्रुप हो सकता है। इसके बाद महिला और उसके परिवार के ब्लड सैंपल इंटरनेशनल ब्लड ग्रुप रेफरेंस लैब, ब्रिस्टल, यूके भेजे गए। 10 महीने की रिसर्च और जेनेटिक टेस्टिंग के बाद आखिरकार वैज्ञानिकों ने महिला में एक बिल्कुल नया ब्लड ग्रुप एंटीजन खोज निकाला।

एक जवाब ऐसा भी... ट्रंप को क्यों बैचैन कर रही पीएम मोदी की खामोशी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। गांधी जी का सूक्ति वाक्य है बोलो तभी जब वो मौन से बेहतर हो। कई बार बड़बोलेपन में इंसान जो नहीं जरूरी हो वो भी कह जाता है। वहीं खामोशी को सबसे तेज आवाज भी माना जाता है और डिप्लोमैसी में इसका असर भी जोरदार रहता है।

2 अप्रैल को ट्रंप अपने साथ एक बड़ा सा चार्ट लेकर आए थे, जिसमें अमेरिका द्वारा दुनियाभर के देशों पर लगाए गए टैरिफ की दरें लिखी हुई थी। ट्रंप ने कहा था कि 90 दिन की मोहलत दे रहा हूं। जिन्हें अमेरिका के साथ धंधा करना है वो आकर मुझसे बात कर लें नहीं तो चार्ट के मुताबिक रेसिप्रोकल टैरिफ लगा दूंगा। रेसिप्रोकल टैरिफ यानी जैसे को तैसा वाला टैक्स। ट्रंप का तर्क है कि दुनिया के कई देश अमेरिका पर मनचाहे ढंग से टैरिफ लगाते हैं और अमेरिका चुपचाप उनके साथ व्यापार करता रहता है। ऐसे में उन्हें नुकसान सहना पड़ता है। हिंदुस्तान के साथ भी ऐसा ही है। अमेरिका के साथ व्यापार में भारत का ट्रेड सरपल्स रहा है और ट्रंप इसे खत्म करना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने एक दफे भारत को टैरिफ किंग कहकर भी संबोधित किया था। पहले टैरिफ की डेडलाइन 9 जुलाई तय की गई थी, लेकिन बाद में इसे बढ़ाकर 1 अगस्त कर दिया गया। 2 अप्रैल को जो चार्ज दिखाया गया था, उसके मुताबिक कोई समझौता न होने की सूरत में भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगाया जा सकता है। समझौते को लेकर दोनों पक्ष कर रहे थे कि डील लगभग फाइनल हो चुकी है और बस ऐलान बाकी है। लेकिन इससे ठीक पहले ही ट्रंप ने एक ऐसा ऐलान कर दिया जिससे भारत को झटका लगा। ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कह दी। इसके बाद ट्रंप इतने भर में नहीं रुके भारत की तरफ से फौरन कोई प्रतिक्रिया ना आता देख ट्रंप ने कुछ ही घंटों बाद एक और पोस्ट किया और भारत के साथ साथ रूस को निशाने पर लेते हुए दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को डेड इकोनॉमी करार दिया।

ट्रंप के 25 फीसदी टैरिफ लगाने और भारत की अर्थव्यवस्था को रूस के साथ जोड़कर एक 'डेड इकोनॉमी' बताने को लेकर विपक्ष लोकसभा में जमकर बरसा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सिवाय सब जानते हैं कि भारत एक डेड इकोनॉमी (बर्बाद अर्थव्यवस्था) है तथा प्रधानमंत्री ने अर्थव्यवस्था को खत्म किया है। उन्होंने यह दावा भी किया कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शर्तों पर होगा और प्रधानमंत्री मोदी वही करेंगे, जो अमेरिकी राष्ट्रपति कहेंगे। वहीं केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि केंद्र सरकार देश के राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी कदम उठाएगी। कसभा में बोलते हुए,

गोयल ने आगे कहा कि केंद्र सरकार ट्रंप के 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले के प्रभावों की जांच कर रही है। भारत में विपक्षी दलों की ओर से अतिरिक्?त टैरिफ को लेकर सरकार से जवाब भी मांगा गया. इन सबके बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुप रहे।

संक्षिप्त समाचार

अंगोला में ईंधन की कीमतों को लेकर प्रदर्शन, चार की मौत और सैकड़ों गिरफ्तार

लुआंडा, एजेंसी। अंगोला की राजधानी लुआंडा में ईंधन की कीमतें बढ़ने के खिलाफ दो दिन तक चले विरोध प्रदर्शनों में चार लोगों की मौत हो गई और 500 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी मंगलवार को पुलिस ने दी। सरकार ने इस महीने की शुरुआत में डीजल की कीमतों में 30प्रतिशत से ज्यादा बढ़ोतरी की थी। इसके कारण मिनीबस टैक्सी की सवारी महंगी हो गई, जो वहां के बहुत से लोगों के लिए रोज आने-जाने का मुख्य साधन है। इसी वजह से सोमवार से लोग विरोध प्रदर्शन करने लगे। पुलिस के अनुसार, दंगे, तोड़फोड़ और दुकानों में लूटपाट की घटनाएं हुईं। कई कारें और बसें तोड़ी गईं और सड़कों पर जाम लगा दिया गया। पुलिस प्रवक्ता माटेउस डी लेमोस रोड्रिग्स ने बताया कि इस हिंसा में चार लोगों की जान चली गई। हालांकि पुलिस का कहना है कि अब शहर में ज्यादातर जगह शांति लौट आई है।

सर्बिया में छात्रों के निष्कासन पर सरकार विरोधी प्रदर्शन, पुलिस से झड़प

नोवी पजार, एजेंसी। सर्बिया के शहर नोवी पजार में मंगलवार (स्थानीय समयानुसार) को पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई। यह झड़प तब हुई जब कुछ छात्रों को एक कॉलेज की इमारत से जबरन बाहर निकाला गया, जहां वे कई महीनों से सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। नोवी पजार में सैकड़ों लोग सड़कों पर उतरे और राष्ट्रपति अलेक्सांद्र वुसिक के खिलाफ नारे लगाए। लोगों ने मांग की कि छात्रों को फिर से इमारत में रहने दिया जाए। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर बोतलें फेंकीं। इस पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। पुलिस ने कहा कि उन्होंने संयम से काम लिया और शांति बनाए रखी। बाद में जब छात्रों ने विजय के नारे लगाए, तो पुलिस पीछे हट गई।

गाजा में जरूरतमंदों तक पहुंचने से पहले ही भीड़ ने लूट ली 55 ट्रक सहायता सामग्री

गाजा, एजेंसी। गाजा पट्टी में इस्राइल के हवाई हमलों और गोलीबारी में पिछले 48 घंटों में 78 फलस्तीनियों की मौत हुई है। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में कई लोग भोजन की तलाश में थे। इस बीच जरूरतमंदों को पहुंचाई जाने वाली 55 ट्रक सहायता भुखमरी के शिकार लोगों ने रास्ते में ही लूट ली। उधर, गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, 21 माह के भीतर इस युद्ध में गाजा पट्टी में 60,000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। गाजा में भुखमरी के बढ़ते संकट को लेकर बढ़ते दबाव के बीच इस्राइल ने गत सप्ताह गाजा सिटी, दीर अल-बला और मुवासी क्षेत्रों में रोज 10 घंटे सैन्य कार्रवाई रोककर मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए सुरक्षित रास्तों की व्यवस्था की घोषणा की थी। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि गाजा पहुंचने वाले उसके सभी 55 ट्रक को गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही भीड़ ने लूट ली। यूएन की खाद्य एजेंसी के प्रवक्ता मार्टिन पेनर ने हालात गंभीर बताए। खाद्य संकटों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय प्राधिकरण ने कहा है कि इस समय गाजा पट्टी में भुखमरी से बचाव के लिए यदि तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो इससे बड़ी संख्या में लोगों के जान गंवाने की आशंका है।

सुसान मोनारेज की ट्रंप के सीडीसी निदेशक के रूप में पुष्टि

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट ने मंगलवार को सुसान मोनारेज को अमेरिका के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) की निदेशक के रूप में पुष्टि की। उन्हें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस पद के लिए नामित किया था। 50 साल की मोनारेज को जनवरी में अस्थायी निदेशक बनाया गया था। इसके बाद मार्च में, ट्रंप ने अपनी पहली पसंद डेविड वेल्डन को अचानक हटाकर मोनारेज को इस पद के लिए नामित किया। सीडीसी एक संघीय संस्था है, जो बीमारियों की निगरानी करती है और स्वास्थ्य से जुड़ी खतरनाक स्थितियों से निपटती है। हाल ही में, यह संस्था स्टाफ की भारी कटौती, बड़े अधिकारियों के इस्तीफे और टीकाकरण नीतियों को लेकर विवादों में घिरी हुई है। यह विवाद स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर के कारण बढ़ा है, जो टीकाकरण के विरोधी माने जाते हैं।

नेपाल: नाग पोखरी पूजा के साथ त्योहारी मौसम शुरू

काठमांडो, एजेंसी। नाग पंचमी उत्सव के दौरान नाग देवता की पूजा करने के लिए दर्जनों श्रद्धालु राजधानी के नाग पोखरी में उमड़ पड़े। इसी के साथ, हिमालयी राष्ट्र में त्योहारों का मौसम शुरू हो जाता है। नागपोखरी मंदिर में श्रद्धालुओं ने सिंदूर, फूल और दूध चढ़ाया। इस दिन नाग देवता की पूजा के अनुष्ठान के दौरान मुख्य रूप से जौ, तिल, अगरबत्ती, फूल और पत्ते, नाग के चित्र के साथ-साथ कपास से बने चित्रों का इस्तेमाल किया।

ब्रिटिश उड़ान में नारेबाजी करने पर भारतवंशी गिरफ्तार

लंदन , एजेंसी। भारतीय मूल के 41 वर्षीय अभय देवदास नायक पर लंदन के ल्यूटन हवाई अड्डे से ग्लासगो जाने वाली उड़ान में तेज नारे लगाकर बाधा डालने और विमान की सुरक्षा को खतरे में डालने का आरोप लगा है। उसे स्कॉटलैंड की अदालत में पेश किया गया। नायक को रविवार सुबह ग्लासगो में ईजीजेट की उड़ान के उतरने के बाद गिरफ्तार किया गया था।

बेटों को पाकिस्तान नहीं आने देंगे इमरान खान:5 अगस्त के प्रदर्शन में शामिल नहीं होंगे; खान 2 साल से जेल में बंद

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने बेटों को पाकिस्तान आने और किसी भी विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेने से मना कर दिया है। इससे पहले इमरान की बहन, अलीमा खान ने दावा किया था कि उनके भतीजे अपने पिता की रिहाई के लिए 5 अगस्त को होने वाले प्रदर्शन में हिस्सा लेंगे। हालांकि, खान ने साफ किया कि उनके बेटे न तो पाकिस्तान आएंगे और न ही किसी प्रदर्शन में हिस्सा लेंगे। इमरान खान 2023 से रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। खान के बेटे, सुलेमान खान (28) और कासिम खान (26), हाल ही में अमेरिका में थे, जहां उन्होंने अपने पिता की रिहाई के लिए अमेरिकी सांसदों से मुलाकात की थी। पीटीआई 5 अगस्त से प्रदर्शन करेगी इमरान की पार्टी पीटीआई5 अगस्त से देशव्यापी प्रदर्शन शुरू करने की तैयारी कर रही है, ताकि उनकी रिहाई के लिए शहबाज शरीफ सरकार और सैन्य प्रतिष्ठान पर दबाव बनाया जा सके। पार्टी ने इसे इमरान खान को आजाद करो अभियान नाम दिया है। इमरान की बहन अलीमा खान ने भी मीडिया से कहा कि इमरान ने पीटीआई को निर्देश दिया है कि उनकी या उनकी पत्नी की सुरक्षा को खतरा होने पर मुनीर को जवाबदेह ठहराया जाए। पीटीआई के चेयरमैन बैरिस्टर गोहर अली खान ने कहा कि पार्टी का सुलेमान और कासिम से कोई संपर्क नहीं है, लेकिन उन्हें अपने पिता से मिलने का अधिकार है। ट्रम्प के प्रतिनिधि से मिले थे इमरान के बेटे सुलेमान और कासिम ने एक हफ्ते पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के विशेष प्रतिनिधि रिचर्ड ग्रेनेल से मुलाकात की थी। ग्रेनेल ने इमरान खान की गिरफ्तारी को राजनीतिक उत्पीड़न करार देते हुए उनकी रिहाई की मांग दोहराई थी। ग्रेनेल ने एक्स पर लिखा था- कैलिफोर्निया (सुलेमान और कासिम) में आपका स्वागत है। सुलेमान और कासिम, आपको मजबूत रहना होगा। दुनिया भर में लाखों लोग राजनीतिक उत्पीड़न से तंग आ चुके हैं। आप अकेले नहीं हैं। यह पहली बार नहीं था जब ग्रेनेल ने इमरान खान का समर्थन किया हो। पहले भी उन्होंने कहा था कि ट्रम्प सरकार के दौरान, जब इमरान खान पाकिस्तान के पीएम थे, अमेरिका और पाकिस्तान के बीच बेहतर रिश्ते थे। इमरान बोले- मुझे कुछ हुआ तो सेना प्रमुख मुनीर जिम्मेदार इमरान खान कुछ दिन पहले कहा था कि अगर उन्हें कुछ हुआ तो इसके जिम्मेदार सेना प्रमुख आसिम मुनीर होंगे। इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पीटीआई के मुताबिक इमरान ने कहा कि हाल के दिनों में जेल में उनके और उनकी पत्नी बुशरा बीबी के साथ बुरा व्यवहार बढ़ गया है।

उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी के सेल में टेलीविजन भी बंद कर दिया गया है और कैदियों के बुनियादी मानवाधिकार नहीं दिए जा रहे। इमरान खान ने कहा- दोषी ठहराए गए हत्यारों और आतंकवादियों को भी उनसे बेहतर हालात में रखा जाता है। मुझे लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है, लेकिन वे चाहे कुछ भी करें, मैंने कभी भी उत्पीड़न के आगे घुटने नहीं टेके हैं - और न ही कभी झुकूंगा।

बुर्किना फासो में सैन्य अड्डे पर हमला, 50 सैनिकों की मौत : औगाडौगू, एजेंसी। पश्चिमी अफ्रीकी देश बुर्किना फासो में एक सैन्य अड्डे पर एक सशस्त्र समूह ने हमला कर दिया, जिसमें लगभग 50 सैनिक मारे गए। यह जानकारी मंगलवार को एक स्थानीय नेता और एक निवासी ने दी। इस हमले के लिए जमात नस्र अल-इस्लाम वाल-मुस्लिमीन (जेएनआईएम) नाम के एक आतंकवादी समूह पर शक किया जा रहा है। हमला डार्गो नामक जगह पर सोमवार को हुआ, जो बौल्सा प्रांत में है।

दो लोग, जो सेना की प्रतिक्रिया से डर के कारण अपना नाम नहीं बताना चाहते थे, ने बताया कि हमले में लगभग 100 आतंकी शामिल थे। हमला करने के बाद आतंकियों ने अड्डे को जला दिया और वहां से सामान भी लूट लिया। सैन्य सरकार ने अभी तक इस हमले को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया है।

डेमोक्रेट्स को अब जागने की जरूरत, अमेरिकी संसद में अपनी ही पार्टी पर भड़के सीनेटर कोरी बुकर

वॉशिंगटन, एजेंसी। न्यूजर्सी से डेमोक्रेट सीनेटर कोरी बुकर मंगलवार को अमेरिकी संसद में अपनी ही पार्टी के सहयोगियों पर भड़क गए। बुकर ने सार्वजनिक तौर पर अपनी पार्टी के नेताओं को चेतावनी दी और कहा कि अब डेमोक्रेट्स को जागने की जरूरत है। बुकर ने पुलिस कार्यक्रमों को धन मुहैया कराने वाले कई द्विदलीय विधेयकों को पारित होने से रोक दिया। इस दौरान बुकर अपने दो डेमोक्रेटिक सहयोगियों पर गुस्से से चिल्लाए भी। बुकर ने आरोप लगाया कि ट्रंप प्रशासन डेमोक्रेटिक झुकाव वाले राज्यों को कानून प्रवर्तन के लिए मिलने वाली फंडिंग को रोक रही है। किस बात पर नाराज हुए कोरी बुकर बुकर ने कहा कि अमेरिका में डेमोक्रेट्स के साथ अभी यही समस्या है। क्या हम डोनाल्ड ट्रंप के साथ मिलीभगत करने को तैयार हैं। मानसिक स्वास्थ्य संसाधन और पुलिस अधिकारियों के लिए अन्य सहायता नामक विधेयकों को सीनेट में जबरदस्त द्वि-दलीय समर्थन मिला। मंगलवार को जब कॉर्टेज मास्टो ने सात द्विदलीय विधेयकों को सर्वसम्मति से पारित करने का प्रयास किया। इस पर कोरी बुकर ने उन सात में से पांच विधेयकों पर आपत्ति जताई, जो कानून प्रवर्तन एजेंसियों को संसाधन प्रदान करते। उनका तर्क था कि ट्रंप प्रशासन न्यू जर्सी जैसे कई डेमोक्रेटिक-झुकाव वाले राज्यों में जन सुरक्षा अनुदानों को रद्द कर रहा है। सब राष्ट्रपति ट्रंप के सामने घुटने टेक रहे बुकर ने नाराज होते हुए हम राष्ट्रपति ट्रंप की राजनीति में खेल रहे हैं और मेरे जैसे राज्यों के अधिकारियों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। क्या हम इसे रोकने के लिए कुछ करेंगे? बुकर ने कहा कि डेमोक्रेटिक पार्टी को जागने की ज़रूरत है!

22 डेमोक्रेटिक राज्यों ने ट्रंप प्रशासन पर दायर किया मुकदमा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सबसे बड़े गर्भपात सेवा प्रदाता प्लान्ड पेरेंटहुड को मिलने वाली मेडिकेड फंडिंग में कटौती के खिलाफ 22 डेमोक्रेटिक राज्यों ने ट्रंप प्रशासन पर मुकदमा दायर किया है। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हाल ही में किए गए खर्च में कटौती वाले फैसले के बाद उठाया गया है। इस कटौती के चलते कैंसर जांच, जन्म नियंत्रण, और यौन बीमारियों के इलाज जैसी सेवाओं को देने वाले संगठनों को एक साल के लिए मेडिकेड फंड नहीं मिलेगा। इसका मुख्य निशाना प्लान्ड पेरेंटहुड है, लेकिन इसका असर मेन राज्य के एक बड़े मेडिकल संस्थान पर भी पड़ा है। मुकदमा दायर करने वाले राज्यों का कहना है कि कानून की भाषा साफ नहीं है, जिससे यह तय नहीं हो पा रहा है कि ये कटौती किन-किन संस्थाओं पर लागू होती है। उन्होंने कहा कि ये कटौती प्लान्ड पेरेंटहुड को सजा देने जैसा है, क्योंकि वह गर्भपात की सुविधा और उसके अधिकार की वकालत करता है। यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है।

सऊदी अरब में विदेशी नागरिक भी प्रॉपर्टी खरीद सकेंगे, मक्का-मदीना में मनाही रहेगी; ऑयल पर निर्भरता कम करना मकसद

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब की सरकार ने विदेशी नागरिकों और कंपनियों के लिए अपने रियल एस्टेट मार्केट को खोलने का फैसला किया है। नया कानून जनवरी 2026 से लागू होगा। इसके तहत विदेशी इन्वेस्टर्स रियाद, जेद्दा और अन्य इलाकों में प्रॉपर्टी खरीद सकेंगे। यह कदम सऊदी अरब के विजन 2030 का हिस्सा है, जिसका मकसद ऑयल पर निर्भरता कम करना और अर्थव्यवस्था में विविधता लाना है। सऊदी कैबिनेट ने हाल ही में इस नए कानून को मंजूरी दी है, जिसे हाउसिंग मिनिस्टर माजिद बिन अब्दुल्लाह ने रियल एस्टेट सुधारों का अगला कदम बताया। उन्होंने कहा- यह कानून रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट बढ़ाएगा और सऊदी शहरों को ग्लोबल इन्वेस्टर सेंटर बनाएगा।

विदेशी निवेशक 49प्रतिशत तक शेयर खरीद सकते हैं हालांकि, मक्का और मदीना जैसे पवित्र शहरों में प्रॉपर्टी खरीद पर प्रतिबंध रहेगा, क्योंकि इनका धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। इन शहरों में सिर्फ मुस्लिम ही खास शर्तों के साथ संपत्ति खरीद सकते हैं। विदेशी निवेशक सऊदी स्टॉक एक्सचेंज (तदावुल) पर लिस्टेड रियल एस्टेट कंपनियों में 49प्रतिशत तक शेयर खरीद सकते हैं, जो मक्का और मदीना में प्रोजेक्ट्स डेवलप करती है। रियल एस्टेट जनरल अथॉरिटी 180 दिनों के भीतर उन इलाकों और नियमों की लिस्ट जारी करेगी, जहां विदेशी प्रॉपर्टी खरीद सकते हैं। यह सुधार हज और उमराह जैसे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना और 2030 तक 30 बिलियन डॉलर की इनकम के टारगेट को सपोर्ट करेंगे। सऊदी प्रिंस का प्रोजेक्ट है विजन 2030 सऊदी अरब का विजन 2030 सऊदी प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसे 2016 में शुरू किया गया था। इसका मकसद सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था में विविधता लाना और देश को आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक तौर पर मजबूत बनाना है। एमबीएसद लाइन नाम का शहर बसाना चाहते हैं विजन 2030 के तहत ही एमबीएस वीरान रेगिस्तान में एनईओएम नाम का एक नया शहर बसाना चाहते हैं। प्रोजेक्ट के तहत द लाइन नाम का एक शहर बसाया जाएगा। यह एक कार-फ्री शहर होगा, जो सिर्फ 200 मीटर चौड़ा और 170 किमी लंबा होगा। बीबीसी के मुताबिक, साल 2030 तक इस प्रोजेक्ट का सिर्फ 2.4 किमी हिस्सा ही पूरा हो पाएगा। एनईओएम सऊदी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इस पर सऊदी 40 लाख करोड़ रुपए खर्च कर रहा है।

इस कैरेबियाई देश में समलैंगिक संबंध बनाना हुआ अपराधमुक्त, औपनिवेश काल का कानून खत्म हुआ

सेंट लूसिया, एजेंसी। पूर्वी कैरेबियाई सुप्रीम कोर्ट ने सेंट लूसिया में समलैंगिक संबंध बनाने को अपराधमुक्त कर दिया है और औपनिवेश काल के एक कानून को खत्म कर दिया है, जो समलैंगिक संबंधों को अपराध घोषित करता था। मंगलवार को दिए गए इस फैसले पर समलैंगिक और पूरे एलजीबीटीक्यू समुदाय ने खुशी जताई। शीर्ष अदालत ने औपनिवेशिक कानून को असंवैधानिक करार दिया।

गैर लाभकारी संगठन ने आदेश को उम्मीद की किरण बताया एक गैर लाभकारी संगठन रेज योर वॉइस सेंट लूसिया ने शीर्ष अदालत के इस फैसले की जमकर तारीफ की और इसे पूर्वी कैरेबियाई क्षेत्र में मानवाधिकारों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। संगठन ने कहा, सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस तथा त्रिनिदाद और टोबैगो में मिली निराशा के बीच यह फैसला आशा की किरण है। इसने हमारे क्षेत्र की समानता के प्रति प्रतिबद्धता की परीक्षा ली। सेंट लूसिया के औपनिवेशिक काल के कानून में समलैंगिक यौन संबंधों के लिए 10 साल तक की जेल की सजा का प्रावधान था। हालांकि सरकार ने इस कानून को लागू नहीं किया, लेकिन कार्यकर्ताओं और कानूनी विशेषज्ञों का कहना था कि यह द्वीप के एलजीबीटीक्यू+ समुदाय के लिए एक खतरा बना हुआ है।

पांच कैरेबियाई देशों में अभी भी समलैंगिक संबंध बनाना अपराध इस मामले में मदद करने वाले ब्रिटेन स्थित कानूनी संगठन, ह्यूमन डिग्निटी ट्रस्ट के अनुसार, इस प्रावधान का अस्तित्व ही मानवाधिकारों का उल्लंघन है और भेदभाव के और अधिक कृत्यों को बढ़ावा देना है। 2019 में, ईस्टर्न कैरिबियन अलायंस फॉर डायवर्सिटी एंड इक्वैलिटी ने एंटीगुआ और बारबुडा, बारबाडोस, ग्रेनाडा, सेंट किट्स एंड नेविस और सेंट लूसिया में ऐसे कानूनों के खिलाफ पांच कानूनी चुनौतियां दायर कीं। 2022 में, बारबाडोस, एंटीगुआ और बारबुडा और सेंट किट्स एंड नेविस की अदालतों ने इन कानूनों को रद्द कर दिया।

अब सिर्फ पांच कैरिबियाई देश अभी भी समलैंगिक यौन संबंधों को दंडित करते हैं, जिनमें जमैका, ग्रेनाडा, गुयाना, सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस, और त्रिनिदाद और टोबैगो में इस साल की शुरुआत में एक अपील अदालत ने समलैंगिक यौन संबंधों को अपराधमुक्त करने वाले फैसले को पलट दिया था। हिंसक हमलों के बाद एलजीबीटीक्यू+ समुदाय के सदस्य इन द्वीपों से भाग गए हैं।

भारतीय मूल के ब्रिटिश अर्थशास्त्री मेघनाद देसाई का निधन, हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य थे

लंदन, एजेंसी। भारतीय मूल के ब्रिटिश अर्थशास्त्री और हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य लॉर्ड मेघनाद देसाई (85) का मंगलवार को निधन हो गया। परिवार से जुड़े सूत्रों के मुताबिक उन्होंने गुरुग्राम के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली।

उन्होंने 1965 से 2003 तक लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अर्थशास्त्र पढ़ाया। वे 1971 में लेबर पार्टी से जुड़े और जून 1991 में हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य बनाए गए। गुजरात में जन्मे देसाई भारत और ब्रिटेन के रिश्तों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते रहे। इनके प्रयासों के चलते लंदन के पार्लियामेंट स्क्वॉयर में महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थापित की गई। वे ?'मानव विकास सूचकांक' बनाने वाले प्रमुख लोगों में शामिल थे। उन्होंने करीब 30 किताबें भी लिखीं। लॉर्ड देसाई को 2008 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। 10 जुलाई 1940 को गुजरात के वडोदरा शहर में जन्मे देसाई ने मुंबई विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में बीए, एमए और 1960 में पेनसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी से पीएचडी की।

पाकिस्तानी बचाव दल फिर से घायल जर्मन पर्वतारोही को बचाने की कोशिश करेंगे : इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर में एक ऊंचे पहाड़ पर चढ़ने के दौरान जर्मनी की एक महिला पर्वतारोही गंभीर रूप से घायल हो गई हैं और वहीं फंसी हुई हैं। मंगलवार को जब अंधेरा हो गया, तो उन्हें बचाने की कोशिश रोकनी पड़ी। अधिकारियों ने बताया कि अब बुधवार सुबह दोबारा कोशिश की जाएगी। घायल महिला का नाम लॉरा डाहलमेयर है। वे ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं और 2017 में महिलाओं की बायथलॉन विश्व कप की विजेता भी रही हैं। सोमवार को वे पाकिस्तान की काराकोरम पहाड़ियों में लैला चोटी पर चढ़ने की कोशिश कर रही थीं, तभी एक हादसे में घायल हो गईं। पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान इलाके के सरकारी प्रवक्ता फैजुल्लाह फारक ने कहा कि बुधवार सुबह हेलीकॉप्टर की मदद से बचाव अभियान दोबारा शुरू किया जाएगा।

पूर्व कनाडाई पीएम ट्रूडो संग दिखी अमेरिकी सिंगर केटी पेरी : साथ में डिनर किया

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। अमेरिका की मशहूर सिंगर केटी पेरी और कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को हाल ही में एक साथ डिनर करते देखा गया। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों की मुलाकात सोमवार रात मॉन्ट्रियल के ले वायलोन रेस्तरां में हुई। वायरल हुए एक वीडियो में देखा गया कि केटी पेरी और ट्रूडो एक ही टेबल पर आमने-सामने बैठे बातचीत कर रहे हैं। इन दिनों केटी पेरी कनाडा टूर पर हैं और उनकी परफॉर्मेंस ओटावा और मॉन्ट्रियल में हो रही है। यह मुलाकात उस वक्त हुई जब कुछ हफ्ते पहले ही केटी पेरी का अपने पुराने पार्टनर ऑरलैंडो ब्लूम से नौ साल पुराना रिश्ता टूट गया है। सुरक्षा में कई गार्ड भी तैनात थे यह डिनर एक प्राइवेट डेट जैसा लग रहा था, लेकिन दोनों अकेले नहीं थे। उनके साथ कई सुरक्षा गार्ड भी मौजूद थे जो उनकी गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। सुरक्षा कर्मी पास की सीटों पर बैठे थे और शीशे की दीवार के जरिए निगरानी कर रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक पेरी और ट्रूडो ने रेस्तरां में कई डिशेज लीं। इनमें लॉब्स्टर भी शामिल था, लेकिन दोनों ने कोई एल्कोहलिक ड्रिंक नहीं ली। डिनर के बाद दोनों को रेस्तरां के शेफ ने शुभकामनाएं दी। पेरी और ट्रूडो ने उन्होंने किचन में जाकर स्टाफ का व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद भी किया। केटी पेरी और ऑरलैंडो ब्लूम का ब्रेकअप इस महीने की शुरुआत में केटी पेरी और हॉलीवुड एक्टर ऑरलैंडो ब्लूम ने अपने ब्रेकअप की आधिकारिक जानकारी दी थी। एक साझा बयान में कहा गया कि दोनों अब अपनी 4 साल की बेटी डेजी डव की परवरिश पर फोकस करना चाहते हैं। बयान में कहा गया कि ऑरलैंडो और केटी बीते कुछ महीनों से अपने रिश्ते को को-पैरेंटिंग की दिशा में मोड़ रहे हैं, ताकि उनकी बेटी को बेहतर परवरिश मिल सके।

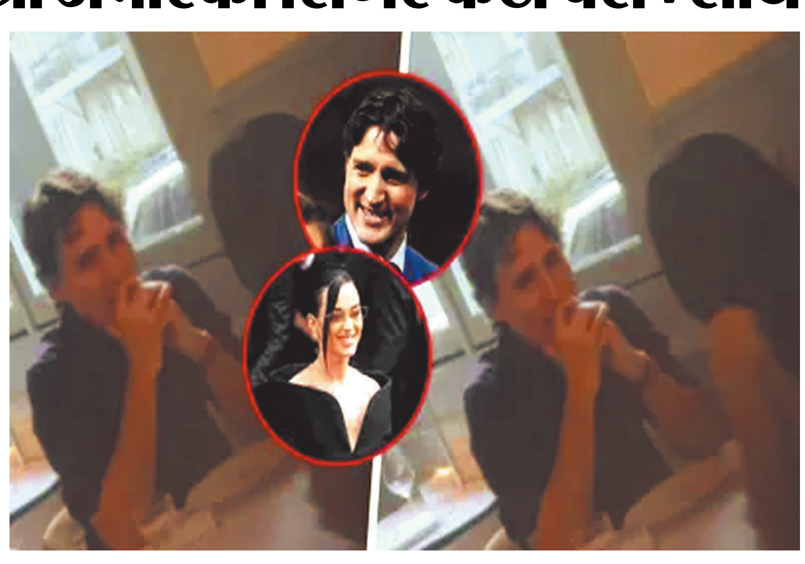

इमरान खान की पार्टी ने शहरों में सेना तैनात करने के फैसले का विरोध किया : इस्लामाबाद, एजेंसी। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ की खैबर पख्तूनख्वा इकाई ने सोमवार को पेशावर और दूसरे शहरों में सेना तैनात करने के संघीय सरकार के फैसले का विरोध किया है। पीटीआई इस समय खैबर पख्तूनख्वा की प्रांतीय विधानसभा में सत्ता में है। पार्टी के नेताओं ने एक बैठक में कहा कि सरकार का यह कदम गलत है और इसका मकसद लोगों की आजादी को छीनना और राजनीतिक विरोध को दबाना है। बैठक में पास किए गए प्रस्ताव में कहा गया।

खुले में कचरा डाल रहे व्यक्ति को पकड़ सीएसआई ने लगवाई उठक बैठक

यमुनानगर। नगर निगम सीएसआई अनिल नैन ने बाईपास रोड पर सरोजनी कॉलोनी के पास खुले में कचरा डाल रहे एक व्यक्ति को पकड़ लिया। व्यक्ति एक कंपनी के ऑफिस से बड़ी पॉलिथीन में कचरा भरकर लाया था और उसे सड़क किनारे फेंक कर जा रहा था। तभी सीएसआई अनिल नैन ने उसे दबोच लिया। उन्होंने उससे उठक बैठक लगवाई और उससे कचरा उठवाया। दोबारा खुले में कचरा डालने पर पांच हजार रुपये का चालान करने की चेतावनी दी। नगर निगम आयुक्त अखिल पिलानी के निर्देशों पर सीएसआई हरजीत सिंह के नेतृत्व में वार्ड एक से सात, सीएसआई विनोद बेनीवाल के नेतृत्व में वार्ड आठ से 15 और सीएसआई अनिल नैन के नेतृत्व में वार्ड 16 से 22 में खुले में कचरा डालने वालों पर निगरानी की जा रही है। लोगों को खुले व खाली प्लाटों में गंदगी न डालने का आह्वान भी किया जा रहा है। लोगों को डोर टू डोर कचरा एकत्रित करने वाले वाहनों में ही सूखा व गीला कचरा अलग अलग डालने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जो लोग खुले में गंदगी डाल रहे है, उन पर भी कार्रवाई की जा रही है। देर शाम सीएसआई अनिल नैन अपनी टीम के साथ वार्ड 16 से 22 में निगरानी कर रहे थे। इस दौरान उन्हें बाईपास रोड पर एक व्यक्ति बड़ी पॉलिथीन में कचरा लेकर आता दिखाई दिया। सीएसआई अनिल नैन ने उसकी मोबाइल में वीडियो बनाई। इसके बाद वह व्यक्ति सड़क किनारे खुले में कचरा डालकर एक रेहड़ी विक्रेता के पास आकर बैठ गया। सीएसआई अनिल नैन ने तुरंत उसे दबोच लिया और उससे पूछताछ की। पूछताछ में उसने बताया कि वह राइट एक्शन नाम के कार्यालय में काम करता है। कार्यालय की सफाई के बाद कचरा यहां लेकर आया था। सीएसआई अनिल नैन ने उससे पांच बार उठक बैठक कराई और खुले में कचरा डालने पर माफी मंगवाई। इसके बाद उससे खुले में डाला गया कचरा उठवाया गया। सीएसआई नैन ने उसे समझाया कि नगर निगम की गाड़ी रोजाना उनके कार्यालय के पास से होती हुई जाती है। वह कार्यालय से निकलने वाला कचरा निगम की गाड़ी में डाले। यदि दोबारा खुले में कचरा डाला तो पांच हजार रुपये का चालान किया जाएगा। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि घर, दुकान, कार्यालय व अन्य भवनों से निकलने वाले कचरे को अलग अलग करके डस्टबिन में एकत्रित करें। इसके बाद निगम की डोर टू डोर आने वाली गाड़ी में कचरा डाले। यदि कोई भी खुले में या नाली नालों में कचरा डालता पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

करतारपुर साहिब को भारत में लाने की मांग पर पीएम ने दिखाई गंभीरता, संसद में उठाया मुद्दा: रामदास मलिक

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के सह संयोजक एवं समाजसेवी रामदास मलिक द्वारा वर्षों से उठाए जा रहे करतारपुर साहिब को भारत में लाने के मुद्दे को अब राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल गई है। पीएम मोदी जी ने इस संवेदनशील और ऐतिहासिक मुद्दे को संसद में उठाकर यह स्पष्ट संकेत दे दिया है कि सरकार सिख समुदाय की भावनाओं को पूरी गंभीरता से ले रही है। रामदास मलिक ने बताया कि लंबे समय से यह मांग कर रहे हैं कि करतारपुर साहिब, जो इस समय पाकिस्तान में स्थित है, उसे भारत की सीमाओं में शामिल करने की कोशिश की जाए ताकि करोड़ों श्रद्धालुओं को बिना वीजा के अपने प्रथम गुरु, श्री गुरु नानक देव जी, की धरती पर मत्था टेकने का अधिकार मिल सके। मलिक ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने संसद में इस विषय पर बोलते हुए कहा कि, करतारपुर साहिब सिखों की आस्था का प्रतीक है और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह स्थान भारत से कुछ ही किलोमीटर दूर होते हुए भी आज सीमा पार है। सरकार इस विषय पर गंभीर विचार कर रही है और भविष्य में इस पर ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। यह बयान सिख समाज, खासकर दिल्ली और पंजाब के श्रद्धालुओं के लिए आशा की एक नई किरण लेकर आया है। रामदास मलिक ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह सिर्फ मेरी नहीं, पूरे सिख समाज की आवाज थी। आज प्रधानमंत्री जी ने इस मुद्दे को संसद में उठाकर हमारे संघर्ष को सम्मान दिया है। अब हम उम्मीद करते हैं कि सरकार इस दिशा में ठोस कदम उठाएगी। सियासी विश्लेषकों का मानना है कि अगर यह प्रयास सफल होता है, तो यह न सिर्फ धार्मिक दृष्टि से ऐतिहासिक उपलब्धि होगी, बल्कि भारत-पाक संबंधों में भी एक नई दिशा दे सकता है। जब पाकिस्तान 1965 के युद्ध में पराजित हो चुका था, उस समय ताशकंद में कांग्रेस सरकार के प्रधानमंत्री स्वा. श्री लाल बहादुर शास्त्री ने पाकिस्तान के साथ समझौता किया। उस समय %गिव एंड टेक' के सिद्धांत पर — यानी लेन-देन के आधार पर — समझौता होना चाहिए था। भारत उस समझौते के तहत पाकिस्तान से करतारपुर साहिब या पीओके (पाक-अधिकृत कश्मीर) की माँग कर सकता था। भारत यह शर्त रख सकता था कि अगर पाकिस्तान समझौते का इच्छुक है, तो उसे हमें ये पवित्र स्थल सौंपने होंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, और यह निर्णय हमारी सेनाओं के मनोबल पर गहरा प्रभाव डालने वाला साबित हुआ था। इसके बाद जब कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में दूसरा युद्ध हुआ, उस दौरान भी इंदिरा गांधी के समय पाकिस्तान के प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो के साथ शिमला समझौता हुआ। उस समझौते में भी भारत करतारपुर साहिब की माँग कर सकता था। पाकिस्तान उस समय पूरी तरह से विवश था। वह घुटनों के बल आ चुका था और करतारपुर को भारत को सौंपने पर सहमत हो सकता था। लेकिन दुर्भाग्यवश, कांग्रेस पार्टी इस विषय को लेकर कभी गंभीर नहीं रही। कांग्रेस की नीति हमेशा मुस्लिम तुष्टीकरण की रही है, जिससे वे भारत के मुसलमानों का वोट बैंक सुरक्षित रखना चाहते थे। और यही कारण था कि उन्होंने हमेशा पाकिस्तान को खुश रखने की कोशिश की। और देश के हितों से ऊपर राजनीतिक फायदे को प्राथमिकता दी।

नगर निगम के चार वार्डों में होंगे 142.34 लाख रुपये के विकास कार्य, बनेगी पक्की गलियां व नालियां: मेयर सुमन बहमनी

कौमी पत्रिका

यमुनानगर। नगर निगम द्वारा हर वार्ड में करोड़ों रुपये के विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। निगम द्वारा जल्द ही चार वार्डों में लगभग 142 लाख 34 हजार रुपये के विकास कार्य कराएं जाएंगे। इन विकास कार्यों में वार्ड 11, 15, 16 व 17 में गलियों व नालियों का निर्माण, सैन धर्मशाला में शौचालय व चारदीवारी और वार्ड 17 के शिव नगर व आदर्श नगर में आरसीसी नाले का निर्माण शामिल है। नगर निगम द्वारा इन विकास कार्यों के लिए टेंडर जारी किए है। टेंडर अलॉट होते ही सभी कार्यों का निर्माण शुरू कराया जाएगा। यह जानकारी नगर निगम मेयर सुमन बहमनी ने दी। उन्होंने अधिकारियों को सभी विकास कार्यों के टेंडर अलॉट होते ही निर्धारित समय अवधि में निर्माण पूरा कराने और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। मेयर सुमन बहमनी ने बताया कि कुछ दिन पहले भी नगर निगम द्वारा लगभग चार करोड़ 61 लाख रुपये के विकास कार्यों के टेंडर जारी किए गए थे। ये विकास कार्य टेंडर प्रक्रिया है। अब निगम द्वारा 142.34 लाख रुपये से होने वाले विकास कार्यों के ई-टेंडर जारी किए है। उन्होंने बताया कि 24.57 लाख की लागत से वार्ड 15 की हरी नगर कॉलोनी में जगदीश बावा के घर से गोयल आटा चक्की तक गली व साथ लगती गलियों का निर्माण व एनपी 2 पाइप बिछाने का कार्य किया जाएगा। वार्ड 16 के लक्ष्मी गार्डन में 26.25 लाख की लागत से डमरू चूर्ण वाले के घर से वालिया बुटीक तक, जसबीर बागा के घर से दीपक शर्मा के घर तक और दलजीत के घर से रोशन ढींगरा के घर तक गलियों व एनपी 2 पाइप डालने का कार्य किया जाएगा। वार्ड नंबर 15 के लाजपत नगर में 21.30 लाख रुपये की लागत से अकाउंटेंट दुर्गा दास के घर से हरिओम हरजाई की दुकान तक पक्की गली व नालियों का निर्माण किया जाएगा। 31.44 लाख की लागत से वार्ड 17 के शिव नगर में मांगे राम के घर से मनु के घर तक, छबीला के घर से देवेंद्र के घर तक गलियों व नालियों का निर्माण किया जाएगा। 38.78 लाख की लागत से वार्ड 11 के गधौली स्थित सैन धर्मशाला में शौचालय और चारदीवारी का निर्माण किया जाएगा। 30.19 लाख की लागत से वार्ड 17 के शिव नगर से आदर्श नगर तक आरसीसी नाले का निर्माण किया जाएगा। मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि हमारा संकल्प सभी वार्डों का सतत विकास और जनता की सुविधाओं का विस्तार करना है। इसको लेकर नगर निगम द्वारा गंभीरता से हर वार्ड में विकास कार्य किए जा रहे है। हर वार्ड में पक्की गलियां, नालियां, सामुदायिक केंद्र व अन्य विकास कार्य किए जा रहे है। जहां पक्की गलियां व पानी निकासी के प्रबंध नहीं है, वहां पक्की गलियों व नालियां बनाने के एस्टीमेट तैयार कर टेंडर लगाए जा रहे हैं। पेयजल, पक्की गलियां, नालियां, सीवर लाइन, बिजली सभी नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताएं है। इन सभी आवश्यकताओं को पूरा कराने के लिए हम प्रयासरत है। हमारा प्रयास हर नियमित कॉलोनी में पक्की गलियों, नालियों, बिजली, पेयजल की व्यवस्था कराना है। जिन भी नियमित कॉलोनी में ये सुविधाएं नहीं है, उन सभी में जल्द से जल्द ये सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट) की सभी तैयारियां पूरी

यमुनानगर। उपायुक्त पार्थ गुप्ता के मार्गदर्शन में जगाधरी के एसडीएम विश्वनाथ ने सचिवालय के सभागार में हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट) को लेकर अधिकारियों की बैठक ली। बैठक के उपरांत उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा एचटेट परीक्षा से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। एसडीएम ने कहा कि यह काफी संवेदनशील कार्य है, जिसे सभी सेंटर संचालकों तथा डयूटी मजिस्ट्रेट को करना है। उन्होंने कहा कि सभी सेंटर संचालक पहले से ही यह सुनिश्चित करें कि परीक्षा केन्द्र किसी भी प्रकार की लापरवाही की गुंजाईश न हों। परीक्षा के लिए हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा निर्धारित किए है उनका दृढ़ता से पालना की जाए। उन्होंने बताया कि आगामी 30 और 31 जुलाई को यमुनानगर में एचटेट लेवल 1, लेवल 2 और लेवल 3 की परीक्षा होगी। उन्होंने बताया कि लेवल-3 की परीक्षा 30 जुलाई, 2025 को सायंकालीन सत्र में दोपहर 3 बजे से सायं 5.30 बजे तक आयोजित होगी। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार 31 जुलाई को प्रात: कालीन सत्र में एचटेट लेवल-2 (टीजीटी) की परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक होगी। इसी दिन सायंकालीन सत्र में एचटेट लेवल-1 की परीक्षा दोपहर 3 बजे से सायं 5.30 बजे तक आयोजित होगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल व अन्य डिजिटल उपकरण पूरी तरह के प्रतिबंधित है। ऐसे में अभ्यर्थी किसी तरह का डिजिटल उपकरण व मोबाइल न लेकर आए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर सीसीटीवी लगे होंगे, जो परीक्षा से एक दिन पहले ही लग जाएंगे। नगराधीश पीयूष गुप्ता ने बैठक में सभी सेंटर सुपरिटेंडेंट को निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों पर बिजली, पीने के पानी और शौचालय की पूरी व्यवस्था हो। उन्होंने कहा कि कोई भी अधिकारी अपने कार्य में कोताही न बरतें। f

हरियाणा सरकार ने पलवल जिले के पैंगलतू गांव में नए उप-स्वास्थ्य केंद्र को दी मंजूरी

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पलवल जिले के पैंगलतू गांव में एक नए उप-स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण की मंजूरी दी है। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण आबादी को गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना और जिला स्तर के अस्पतालों पर बोझ को कम करना है। प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री श्रीमती आरती सिंह राव ने जानकारी दी है कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पैंगलतू गांव में उप-स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण और संचालन की स्वीकृति दी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार का प्रत्येक नागरिक के स्वास्थ्य का ध्यान रखना प्रमुख प्राथमिकता है। पैंगलतू में उप-स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इससे खासतौर पर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को लाभ होगा, जिन्हें अब अपने घर के पास ही आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ होंगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं में तीव्र सुधार देखा जा रहा है, जिसमें ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार केवल ढांचा नहीं बना रही, बल्कि स्वास्थ्य सेवाएं लोगों तक पहुंचा रही है। पैंगलतू का यह केंद्र दूर-दराज क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा का आदर्श मॉडल बनेगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा की गई एक महत्वपूर्ण घोषणा का हिस्सा है, जो पूरे हरियाणा में स्वास्थ्य ढांचे के विस्तार और आधुनिकीकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि इस नए उप-स्वास्थ्य केंद्र में एक पुरुष बहु-उद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एमपीएचडब्ल्यू-एम) एक महिला बहु-उद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एमपीएचडब्ल्यू-एफ) और एक हेल्पर तैनात किए जाएंगे। केंद्र पर मातृ एवं शिशु देखभाल, टीकाकरण, रोग प्रतिरोध और प्राथमिक उपचार जैसी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध होंगी। केंद्र को पूरी तरह क्रियाशील एवं रोगी सेवा के लिए तैयार बनाने हेतु उपकरण, दवाइयां और आधारभूत ढांचा प्रदान किया जाएगा।

रेड क्रॉस की बदौलत नारनौल में दिव्यांगों को मिली परीक्षा केंद्र तक सहज पहुंच

चंडीगढ। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी 2025) में एक सराहनीय पहल ने सभी का ध्यान खींचा। जिला रेड क्रॉस समिति नारनौल के स्वयंसेवकों ने दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए एक %मानवीय सेतु% का काम किया। महेंद्रगढ़ और नारनौल में बने परीक्षा केंद्रों में ट्रायसाइकिल के माध्यम से दोनों दिन इन स्वयंसेवकों ने दिव्यांग परीक्षार्थियों को उनके परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नागरिकों ने इस संवेदनशील और समावेशी सोच के प्रति गहरी प्रशंसा भी व्यक्त की। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती के मार्गदर्शन में यह विशेष व्यवस्था की गई थी। परीक्षा केंद्रों पर जिला रेड क्रॉस समिति के स्वयंसेवक पूरी मुस्तैदी के साथ दूसरे दिन भी मौजूद थे।

NAME CHANGE
I hitherto known as SANDHYA AWASTHI alias SANDHYA MISHRA D/o RAMESH CHANDRA AWASTHI, and W/o RAM GOPAL MISHRA, R/o 64/268, Gadariya Mohal, Kanpur, Kanpur Nagar, Uttar Pradesh-208001, have changed my name and shall hereafter be known as SANDHYA MISHRA.

NAME CHANGE
I hitherto known as JASMEET alias JASMEET KAUR D/o DALEEP SINGH, residing at Gurudwara Shri Guru Singh Sabha, Hakikat Nagar, G.T.B Nagar, PO: Dr. Mukherjee Nagar, Dist: North West Delhi, Delhi – 110009 have changed my name and shall hereafter be known as JASMEET KAUR.

NAME CHANGE
I, JEETENDRA KUMAR S/O BIRENDRA PRASAD SINGH R/O 38/U/G/F, TILAK ENCLAVE, GALI NO-4, MOHAN GARDEN, WEST DELHI, DELHI-110059, have changed the name of my minor son SIDHARTH aged 12 years and he shall hereafter be known as SIDHANT KASHYAP.

NAME CHANGE
I, INDUBAI JADHAV Wife of No. 14667413K Rank-HAV Name-JADHAV RAMESH BHARAT Presently residing at VPO-KHANDALA, TEH-TULJAPUR, DIST-OSMANABAD, MAHARASHTRA-413601, have changed my name from INDUBAI JADHAV to INDUBAI RAMESH JADHAV for all future purposes vide Affidavit dated 31/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
RAJAT S/O BALJEET R/O H NO-263, PITAMPURA VILLAGE, PITAMPURA, NORTH WEST DELHI, DELHI-110034, have changed the name of my minor daughter ARSHIYA alias NAVYA aged 10 years and she shall hereafter be known as NAVYA.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Chand S/O Ram Kirpal Sah, R/O H. No.-21, Gali no.-02, Meethapur Extn., Part-3,Badarpur, South Delhi, Delhi-110044,declare that name of my father has been wrongly written as Ram Kripal Sah in my 10th class educational document. The actual name of my father is Ram Kirpal Sah,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I SANDEEP S/O AZAD SINGH D1/16 PALAM EXTENSION SECTOR 7 DWARKA NEW DELHI 110075 HAVE CHANGED MY NAME TO SANDEEP GAHLAWAT

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I RINKU DEVI W/o Late MANOJ KUMAR, R/o E-16-17, E Block, JJ Colony Wazirpur Ashok Vihar, Distt. North West Delhi, Delhi-110052, declare that name of my husband has been wrongly written as MUNNA PRASAD in my minor daughter namely KHUSHBOO KUMARI aged 14 years in her school record.The actual name of my husband is MANOJ KUMAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Jyoti Goel w/o Parvesh Kumar , R/O H NO 276/277, Old Seema Puri East delhi NAGAR, EAST DELHI, Shahdara DELHI-110095 HAVE CHANGED MY NAME TO jyoti.

NAME CHANGE
I, SUMIT KUMAR S/O KRISHAN KUMAR BANSAL, R/O WZ-235 FF, BLOCK A, GALI NO 12, HASTSAL ROAD, UTTAM NAGAR, WEST DELHI, NEW DELHI- 110059 HAVE CHANGED MY NAME SUMIT KUMAR TO SUMIT BANSAL.

NAME CHANGE
I, AKEELA KHATOON W/O SAYEED AHMED residing at B-10/73 DDA FLATS INDER LOK DELHI - 110035 have changed my name to AKILA BEGUM for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Avenendra S/O Braham Prakash Tyagi R/O House no-236, radhey shyam vihar phase-01, Muradnagar Ghaziabad Uttar Pradesh 201206 Have changed my name to Avenendra Kumar Tyagi for all the future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as SRISHTI CHANDER D/o BINDRA CHANDER , R/o A-560, Shastri Nagar, North West Delhi-110052, have changed my name and shall hereafter be known as SRISTI A CHAANDER.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mrs. Soni** is purchasing the Independent Floor No. 110, Second Floor with Roof Rights, super area measuring 73.67 Sq. Meters, covered area 49.113 sq. mtrs.,, Parsvnath Paradise, J. P. Garden Estate, JP Garden Estate,, Arthala, Mohan Nagar, Ghaziabad, Ghaziabad, Mohan Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh from Mrs. Ashkara Parveen who is the owner of the property vide Gift Deed dated 27.07.2025 which was registered as Doc. No. 8981, in Book No. 1, Vol. No. 22828, on Pages 113-132, on this dated 27.07.2025, SR-II Ghaziabad and Intend to mortgage the said property with **Piramal Finance Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Aakash Aggarwal S/o Mr. Manoj Aggarwal is the owner of Freehold Residential Built-up Property No. 2/17-A, without roof rights area measuring 177.77 Sq. Yds., i.e., 148.64 Sq. Meters, Situated at Residential Colony Sector-2 T.H.A Rajendra Nagar, Ghaziabad, Tehsil & District Ghaziabad, U.P. by virtue of Sale Deed dated 13.07.2022, as Doc. No. 5701, in Book No. 1, Vol. No. 16944, Page No. 151-180, dated 13.07.2022, Sr. III Ghaziabad., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Death Certificate & SMC of Late Mrs. Rajwati W/o Mr. Ramkishan now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and Upper Ground Floor without roof rights sold too be to Mr. Rajiv Kumar and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Ghaziabad Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, Ravish Kumar Dubey R/o Tower-1-2503, Primanti Garden Estate, Sector - 72, Gurgaon (Haryana), have changed my Minor Son name Reansh Dubey to Aadhyan Dubey for all Purposes.

NAME CHANGE
I, SUNITA W/O MANOJ KUMAR R/O B-43,SIGMA-3, GREATER NOIDA, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH-201308 have changed my name to SAVITA CHAUHAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD ISRAIL ANSARI S/o BULAHI ANSARI R/O RZ-69/350, JAGDAMBA VIHAR, WEST SAGARPUR, DELHI-110046, HAVE CHANGED MY NAME TO ISRAIL ANSARI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, SAJJAN KUMAR S/O MOOL CHAND resident of H NO-194, 1ST FLOOR, VIVEKANAND PURI, PADAM NAGAR, DELHI-110007 have changed my minor Son`s name from RUDRA to RUDRA JANGID for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, JAI SINGH YADAV S/O CHIMMAN LAL YADAV R/O H. NO-8, OM VIHAR, PHASE-1A, SHIV SHANKER ROAD, UTTAM NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110059, declare that name of mine and my father has been wrongly written as JAI SINGH and CHIMMAN LAL in my Driving Licence-DL04 20020257768. And name of my father has been wrongly written as C. L. YADAV in my Aadhar Card-560122808350 The actual name of mine and my father are JAI SINGH YADAV and CHIMMAN LAL YADAV, which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, HUMA PARVEEN D/O MOHAMMAD YASMIN residing at B-112/4 STREET NO-10 NEAR MARTHOMA CHURCH JOSHI COLONY I P EXTN EAST DELHI - 110092 have changed my name to HUMA SAIFI for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Kusum W/o Mr. Bihari Lal S/o Mr. Hethram is the owner of Freehold Residential Plot area measuring 245 sq. yards., out of Khewat/Khata No. 77/81, MU No. 22, Killa No. 3 (5-11), 4 (5-3), 7 (8-0), 8 (3-15), 14/2 (6-17) Situated at Waka Mauja Maheshpur Tehsil & District Palwal Haryana. by virtue of Sale Deed dated 23.05.2023 duly regd. on SR-Palwal, as Doc. No. 1996, in Book No. 1, Vol. No. 2, Page No. 99 Add Book No. 1, Vol No. 55, Pages. 78-80, dated 23.05.2023., till date and has lost/Misplace his Original Sale Deed dated 08.08.2019, which is duly regd. on SR-Palwal, as Doc. No. 7053, in Book No. 1, Vol. No. 9, Page No. 164.25 Add Book No. 1, Vol No. 147, Pages. 27-28, dated 08.08.2019. it was executed in favour of Mrs. Rajbala W/o Mr. Satveer Naina, now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Palwal Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I hitherto known as ABHIMANYU alias ABHIMANYU KUMAR S/O MANOJ KUMAR, R/o B-203, River View Apartments. Mayur Vihar Phase 1 Ext, PO: Chilla, DIST: East Delhi, New Delhi - 110091 have changed my name and shall hereafter be known as ABHIMANYU KUMAR.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, VIMLESH W/o ASHOK KUMAR GAUTAM R/o House No.14 Moter Market Naya Bans Sector-15 Noida Gautam Budh Nagar Uttar Pradesh-201301 declare that name of mine has been wrongly written as REKHA GAUTAM ALIAS VIMLESH in my minor son namely LAKSHYA GAUTAM aged 13 years in his School Record The actual name of mine is VIMLESH

NAME CHANGE
I, Sampat Lal S/O Roopa Ram R/O 399/102 1st Floor, Haveli Haider Kili, Fatehpuri, Chandni Chowk, North Delhi 110006 Have changed my name to Sampat Lohar for all the future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as Devender kumar S/O Dharam Beer R/O K-136 2nd Floor, Gali No-2, Mahipalpur Extn Kh no-793/2, Mahipalpur South West Delhi-110037, Have Changed my minor Son (Same Yadav, age-13 Year) name and shall hereafter be known Saim Yadav.

NAME CHANGE
I, SHAILESH KUMAR MISHRA S/o SAHADEV MISHRA R/o H. No.31, 3rd Floor, Gali No.1, Madhu Vihar, I P Extension, Delhi-110092, have changed the name of my minor daughter DEEPSHREE, aged 6 years and she shall hereafter be known as DEEPSHRI MISHRA

NAME CHANGE
I, Abhishek Shastri s/o Ashok Kumar R/o Flat No.1, Property No.77, Near Gurudwara Sultanpur, Delhi-110030 have changed my name to Abhishek Kumar for all fututre purposes

NAME CHANGE
I, Aman Bala w/o Vikas Grover R/o H-158/159, Mohan Garden, Uttam Nagar, New Delhi - 110059 have changed my name to Divya Grover for all future purposes

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री रोशन पाल. संपत्ति संख्या 855, (पुरानी संपत्ति आईडी संख्या 277C60364 और नई संपत्ति आईडी संख्या 1C74BH78 का पूर्ण मालिक है, जिसका क्षेत्रफल 60 वर्ग गज है, जो लाल डोरा गांव चक्करपुर, नगर निगम गुरुग्राम, तहसील-वजीराबाद, जिला-गुरुग्राम की आबादी में स्थित है, यहां *सीमाएँ* - पूर्व: गोपी चंद का घर - पश्चिम: हरि राम का घर - उत्तर: कुलवीर का घर - दक्षिण: आम रास्ता 18 फीट (मूल हस्तांतरण विलेख के माध्यम से स्वामित्व रक्त संबंध में 05.02.2020 को पंजीकृत, श्री चतर सिंह द्वारा अपने असली बेटे श्री रोशन पाल के पक्ष में निष्पादित संपत्ति संख्या 855 के संबंध में, जिसका क्षेत्रफल 60 वर्ग गज है, जो लाल डोरा गांव चक्करपुर, नगर निगम गुरुग्राम, तहसील-वजीराबाद, जिला-गुरुग्राम की आबादी में स्थित है, जो दस्तावेज़ संख्या के रूप में विधिवत पंजीकृत है। 18053, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 59/1693, पृष्ठ 127.25/90-94, 05.02.2020 को पंजीकृत (एसआरओ-वजीराबाद)। वही संपत्ति मेसर्स गोदरेज फाइनेंस लिमिटेड में बंधक है, जिसका शाखा कार्यालय यूनिट 208 और 208 ए, द्वितीय तल, एबीडब्ल्यू टॉवर इफको चौक, सेक्टर 25, गुरुग्राम - 122002, गुरुग्राम, हरियाणा 122022 में है। (मेरा ग्राहक) कोई भी व्यक्ति, जिसके पास विषय संपत्ति में किसी भी प्रकार का अधिकार, दावा, शीर्षक या हित है, या अन्यथा, वह अपना दावा, उसके समर्थन में दस्तावेज़ (दस्तावेजों) के साथ, इस नोटिस के प्रकाशन से 14 दिनों के भीतर नीचे हस्ताक्षरकर्ता को दे सकता है, जिसके बाद किसी भी प्रकार का कोई दावा नहीं किया जाएगा।
दीपक मलिक (एडवोकेट)
प्लॉट 604, दुकान-2 कटारिया कॉम्पलेक्स, दयानंद कॉलोनी, गुड़गाँव

NAME CHANGE
I, SHAFEEQ AHMED ALVI S/O ABDUL MAJEED residing at HOUSE NO 604, 1ST FLOOR, GALI NO 6, ZAKIR NAGAR, JAMIA NAGAR, OKHLA, DELHI-110025, declare that AZKA & AZKA SHAFEEQ are the names of the same person who is my minor daughter and shall hereafter to be known as AZKA SHAFEEQ.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Vijay Kumar S/o Amar Singh R/o 16/433-I, 5, Pyare Lal Road Bapa Nagar, Karol Bagh S.O, Central Delhi, Delhi-110005 declare that name of mine and my wife has been wrongly written as Vijay and Seema in my minor son namely Kavyansh Sagar aged 13 years in his School Records. The actual name of mine and my wife are Vijay Kumar and Seema Rani.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Mayank S/O Ram Singh, R/O E-581 F/F, J.J Colony Camp No 2, PO: Nangloi, DIST: West Delhi, Delhi - 110041, declare that name of my mother has been wrongly written as RENU in my 10th,12th and all educational document. The actual name of my mother is DAYA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, No.-17010737F, Rank-NK, Name-SARGAR SAMADHAN APPASO residing at VILL-KHANDO COLONY, PO-NEW PANVEL, DIST-RAIGARH, MAHARASHTRA-410206, have changed my minor son's name from AAYANSH to SARGAR AAYANSH SAMADHAN for all future purposes vide affidavit dated 31/07/2025 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No.-17010737F, Rank-NK, Name-SARGAR SAMADHAN APPASO residing at VILL-KHANDO COLONY, PO-NEW PANVEL, DIST-RAIGARH, MAHARASHTRA-410206, have changed my minor son's name from AYUSH to SARGAR AYUSH SAMADHAN for all future purposes vide affidavit dated 31/07/2025 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JAYASHRI SAMADHAN SARGAR No.-17010737F, Rank-NK, Name-SARGAR SAMADHAN APPASO residing at VILL-KHANDO COLONY, PO-NEW PANVEL, DIST-RAIGARH, MAHARASHTRA-410206, have change my name from JAYASHRI SAMADHAN SARGAR to SARGAR JAYASHRI SAMADHAN for all future purposes vide affidavit dated 31/07/2025 Before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I , hitherto known as Raksha Garg D/O ANIL GARG R/O H.NO-A-60 OLD DOUBLE STOREY LAJPAT NAGAR-4 , Lajpat Nagar South Delhi Delhi-110024, have changed my name and shall hereafter be known as Ayesha Asad.

NAME CHANGE
I hitherto known as Alok Bharti alias Mukesh Jha S/O Bhairav Jha R/O Q 55A T/F B/SIDE Uttam Vihar, D.K.Mohan Garden Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059, Have changed my name and shall hereafter be known as MUKESH JHA.

NAME CHANGE
I, GAURAV KUMAR S/o SUDHIR KUMAR R/o B-228 B 228, Amarpali Laser Velly, Greater Noida West, Bishrakh, I. A. Surajpur, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201306, have changed the name of my minor son MANVIK CHAHAL aged 08 years and he shall hereafter be known as JASVIK CHAHAL.

NAME CHANGE
I, DEEPIKA BHANDARI W/o ROSHAN SINGH R/o H N. 1201, Tower-N8, Royal Nest, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201308, have changed the name of my minor son ANSH BHANDARI aged 14 years and he shall hereafter be known as MAYANK BHANDARI.

NAME CHANGE
I, Imran S/o Ajmuddin R/o Saini , Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203207 have changed the name of my minor son Jiyan aged 13 years and he shall hereafter be known as Asad.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rajeev Kumar Singh S/o Paras Nath Singh R/o G-88 Top Floor, Sector-20, Noida, Gautam Buddha Nagar, Noida, Uttar Pradesh-201301 declare that name of my minor son has been wrongly written as Ankush Raj in my minor son namely Ankur Singh aged 13 years in his School Records. The actual name of my minor son is Ankur Singh.

PUBLIC NOTICE
I, Salma, wife of Mr. Noor Mohd. resident of 7, 64 Khamba Basti Mirdard Road, Near Masjid, Darya Ganj, New Delhi-110002, Declare That I hereby debar/Bedakhal my son namely MOHD. AKRAM son of Mr. Noor Mohd, from all my moveable and immoveable properties, from now and forever. I further declare that my said son MOHD. AKRAM son of Mr. Noor Mohd, shall have no concern or connection or any rights, title or interest in my moveable and immoveable properties in any manner, and if in case my said son shall raise any claim or demand for any share or moveable and immoveable of mine, then the same shall be treated as null and void.

NAME CHANGE
I, SANJIV KUMAR S/O RAM KUMAR R/O HOUSE NO-662/A, SHAHABAD MOHAMMAD PUR, SOUTH WEST DELHI,DELHI-110061, HAVE CHANGED MY NAME TO SANJEEV KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSE

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री हरवीर पुत्र श्री चतरु, निवासी मकान नंबर 260, टीला शाहबाजपुर, लोनी देहात, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201102, एक आवासीय प्लाट संख्या 103, क्षेत्रफल 80 वर्ग गज, खसरा संख्या 121-मिन, स्थित गंगा एंक्लेव, ग्राम टीला शाहबाजपुर, तहसील लोनी, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1429-1434 के द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुव्किल कथित सम्पत्ति को श्री पुष्कर मिश्रा पुत्र श्री राम मिलन मिश्रा को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेंस लि0, शाखा निठारी, सेक्टर 31, नोएडा, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।
रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम,
गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

NAME CHANGE
I, hitherto known as HEMANT S/O PREM PAL R/O C-465, MANDIR WALI GALI, DHOBI MOHALLA, AZAD PUR, NEW SABJI MANDI, DELHI-110033 have changed my name and shall hereafter be known as HEMANT DIWAKAR. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE
It is for general information that I, MANOJ SHAKYA S/o RAGHUVAR DAYAL, R/o H NO-27/94-B, JAWALA NAGAR, SHAHDARA, DELHI-110032, declare that name of mine, my wife have been wrongly written as MANOJ KUMAR and DEEPMALA in my minor daughter namely SHANVI SHAKYA, aged 14 years in her school records. The actual name of mine, my wife is MANOJ SHAKYA and DEEPMALA SHAKYA respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE
I, PAPPU SHARMA S/O DOMAN SHARMA R/O R-54, TOP FLOOR, MAIN VIKAS MARG, SHAKARPUR, PO-SHAKARPUR, DIST- EAST DELHI, DELHI-110092, have changed the name of my minor son RAHIS THAKUR aged 08 years and he shall hereafter be known as PRINCE SHARMA.

NAME CHANGE
I, NO-15674123L Rank-HAV Name-OHOL DYANAND JALINDAR residing at VILL-NIMGAON, PO-DARFAL, TEHSIL-MADHA, DIST-SOLAPUR, MAHARASHTRA-413209 have changed my wife's name from SUPRIYA OHOL to SUPRIYA DAYANAND OHOL for all future purposes vide Affidavit dated 31/07/2025 before Notary Public Delhi.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **फरमान** पुत्र अनीशो रहमान निवासी न्यू सभापुर चौकी, कासिम विहार, लोनी, गाजियाबाद, (उत्तर प्रदेश) ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 37/2020 धारा 379/411 भा. द.स., थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **फरमान** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **फरमान** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 37/2020 धारा 379/411 भा.द.स., थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **फरमान** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **01.09.2025** को हाजिर हो।

आदेशानुसारः श्री वैभव गर्ग,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–11, (केन्द्रीय)
कमरा नं. 138, प्रथम तल
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/10172/N/2025

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सीएम फ्लाइंग का सीएचसी सिसाय में छापा, कई मिले गैर हाजिर

एजेंसी

हिसार। जिले के कस्बा हांसी क्षेत्र के गांव सिसाय में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सीएम फ्लाइंग टीम ने छापा मारा। सीएम फ्लाइंग पहुंचने की सूचना से स्वास्थ्य केंद्र में हड़कंप मच गया। मौके पर सीएम फ्लाइंग इंचार्ज सुनैना और ड्यूटी मजिस्ट्रेट कामिद मोगा ने स्टाफ उपस्थिति, दवाओं की उपलब्धता और रिकॉर्ड का निरीक्षण किया। सीएचसी सिसाय में मारे गए छापे के दौरान कई कर्मचारी ड्यूटी से गैर हाजिर पाए गए। मौजूद स्टाफ निर्धारित ड्रेस कोड में नहीं मिला। सीसीटीवी कैमरे भी महीनों से बंद पाए गए। इससे अस्पताल की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने स्वास्थ्य केंद्र की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि डॉक्टर समय पर नहीं आते। मरीजों को जरूरी दवाएं भी उपलब्ध नहीं करवाई जातीं। ग्रामीणों ने स्टाफ के व्यवहार को असंवेदनशील बताया। उन्होंने कहा कि अस्पताल में किसी भी तरह की अनुशासन या जवाबदेही नहीं है। सीएम फ्लाइंग टीम ने दवा स्टॉक, मरीज रजिस्टर और स्टाफ उपस्थिति रजिस्टर सहित अन्य दस्तावेजों की जांच की। प्रारंभिक जांच में कई खामियां सामने आई। बाकी जांच अभी जारी है। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यह अस्पताल बीमारों के इलाज के बजाय केवल कागजों में ही चल रहा है।

दो दिन होगा रोहतक में खेल महाकुंभ, दो हजार खिलाडी लेंगे भाग

रोहतक। राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ के आयोजन को लेकर प्रशासन ने पूरी ताकत झोंक दी है। खिलाड़ियों के लिए ठहरने व खाने-पीने सहित प्रबंध किये गए हैं। खेल महाकुंभ में 1840 खिलाड़ी भाग लेंगे। उपायुक्त ने महाकुंभ की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की बैठक ली और दिशा-निर्देश दिये। महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा के लिए महिला सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जाएगी। डीसी धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि सभी संबंधित विभाग खेल महाकुंभ के लिए विभाग से संबंधित प्रबंधों को समय पर पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता स्थल, ठहरने के स्थल पर साफ-सफाई के अलावा सुरक्षा के प्रबंध किए जाएं तथा सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं। उन्होंने कहा कि खेल विभाग द्वारा सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों के लिए खाने के प्रबंध किए जाएं तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि खिलाड़ियों को ताजा व शुद्ध खाना उपलब्ध करवाया जाए। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि दो से 4 अगस्त तक रोहतक में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ में बॉक्सिंग, नेटबॉल व फुटबॉल की प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। प्रदेशभर से 1840 खिलाड़ी इन प्रतियोगिताओं में शामिल होंगे।

सीवेरज अवरोध जांच में जुटे मेयर, मेनहॉल खुलवाए

सोनीपत में सीवरेज ओवरफ्लो की लगातार मिल रही शिकायतों के बीच नगर निगम मेयर राजीव जैन ने खुद मौके पर जाकर समस्या की जड़ तक पहुंचने का प्रयास किया। अधिकारियों संग मैनहोल खुलवाकर सीवरेज की स्थिति की जांच की गई और सुधार के लिए निर्देश दिए गए। ककरोई रोड स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट तक पूरी मात्रा में गंदा पानी न पहुंचने की समस्या को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम मेयर राजीव जैन ने निरीक्षण किया। मेयर ने कनिष्ठ अभियंता विपिन राणा, सफाई सुपरवाइज़र विशाल बड़ोली और पार्षद बिजेंद्र मलिक के साथ मिलकर ककरोई रोड प्लांट से सेक्टर-23 मोड़ तक के सभी मैनहोल खुलवाए और पानी के बहाव का स्तर देखा। निरीक्षण के दौरान दो मैनहोल में पानी का स्तर सामान्य से काफी कम मिला, जिससे पीछे की ओर जमी सिल्ट के कारण रुकावट की पुष्टि हुई। मेयर ने तुरंत मैनहोल की सफाई के निर्देश दिए और बताया कि इन पाइपों की सफाई लाइन डालने के बाद से कभी नहीं की गई थी, जिससे कई स्थानों पर सिल्ट जमा हो गई है। मेयर जैन ने बताया कि तिरंगा चौक व सेक्टर-23 बूस्टिंग पॉइंट से कनेक्शन होने के बावजूद गोहाना रोड की कई कॉलोनियों में सीवरेज ओवरफ्लो की शिकायतें आ रही थीं।

नारनौल में मनोनीत पार्षदों ने ली शपथ

नारनौल। सरकार द्वारा नगर परिषद नारनौल में मनोनीत किए गए तीन पार्षदों ने पद व गोपनीयता की शपथ ली। इनमें संजय अमन, जगदीश पाशी और सुदर्शन बंसल शामिल हैं। आयोजित कार्यक्रम में नगर परिषद नारनौल की चेयरपर्सन कमलेश सैनी ने उनका फूल-मालाओं के साथ स्वागत किया और मिठाई खिलाकर बधाई दी।

स्थानीय निकाय विभाग, हरियाणा की अधिसूचना के अनुसार नगर परिषद नारनौल में मनोनीत पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। यह समारोह नगर परिषद कार्यालय में संपन्न हुआ। नगर परिषद नारनौल की चेयरपर्सन कमलेश सैनी ने संजय अमन, जगदीश पाशी और सुदर्शन बंसल को मनोनीत पार्षद के रूप में शपथ दिलाई। चेयरपर्सन कमलेश सैनी ने कहा कि शहर का विकास करवाना उनका मुख्य लक्ष्य है। सभी पार्षदों को साथ लेकर शहर का विकास करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी वार्डो में विकास कार्य को लेकर एस्टीमेट बनाकर काम शुरू करवाए जाएं। शहर के सुंदरीकरण को लेकर जो भी प्रोजेक्ट पाइप लाइन में उन्हें जल्द सिरे चढ़ाया जाएगा।

एक लाख वंचित परिवारों को पहले फेज में दिए जाएंगे सौ-सौ गज के प्लॉट: नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अंत्योदय श्रेणी में शामिल भूमि से वंचित एक लाख परिवारों को जल्द ही सौ-सौ गज के प्लॉट दिए जाएंगे। साथ ही उस प्लॉट के कागज भी सौंपे जाएंगे। इस लक्ष्य के बाद इस योजना को और आगे बढ़ते हुए आगामी चरण में एक लाख और लोगों को चयनित करने का काम भी शुरू कर दिया जाएगा। इतना ही नहीं, सरकार द्वारा प्राइवेट अस्पताल की तर्ज पर आधुनिक सेवाओं और उपकरणों से युक्त तैयार किये गए 10 जिलों के सरकारी अस्पतालों में 15 अगस्त से हर प्रकार की बीमारी का इलाज शुरू हो जाएगा। इससे प्रदेशवासियों को सस्ती दरों पर बेहतर इलाज की सुविधा उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री लाडवा विधानसभा के गांव ढ़ंगाली, डीग, बीड कालवा और धनानी में आयोजित धन्यवादी कार्यक्रम के

दौरान बोल रहे थे। मुख्यमंत्री का हर गांव में लोगों ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लोगों की समस्याओं को भी सुना और उनका समाधान करने के लिए मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने गांव ढ़ंगाली में स्वच्छ पेयजल की पाइप लाइन के लिए 55 लाख 41 हजार रुपए, बीड कालवा में 52 लाख 64 हजार रुपए व गांव धनानी के लिए 27 लाख 15 हजार रुपये देने की घोषणा की तथा गांव डीग में 6 करोड़ 38 लाख 42 हजार रुपए की लागत से बनने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने सभी गांवों में विकास कार्यों के लिए 21-21 लाख रुपए देने की घोषणा करते हुए कहा कि सरपंचों की तरफ से सौंपे गए मांग पत्रों को संबंधित विभागों को भेज कर पूरा करवाया जाएगा। नायब सिंह सैनी ने कहा कि कुरुक्षेत्र जिला के किसान सूरजमुखी की फसल को अधिक मात्रा में उगाते है जिसको देखते हुए सरकार ने निर्णय लिया है कि शाहबाद में सूरजमुखी ऑयल मिल लगाई जाएगी। साथ ही सरसों ऑयल मिल के लिए रेवाड़ी में भी जगह चिह्नित कर ली गई है। इन दोनों मिल से प्रदेश के किसानों को सूरजमुखी और सरसों की फसल का उचित भाव मिलेगा।

पंचकूला में 14 पुलिसकर्मी सिपाही से बने हवलदार

एजेंसी

पंचकूला। पुलिस विभाग में कार्यरत 14 पुलिसकर्मियों को हवलदार (हेड कांस्टेबल) पद पर पदोन्नति प्रदान की गई। सेक्टर-1 पंचकूला स्थित पुलिस उपायुक्त कार्यालय में डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने सभी पदोन्नत पुलिसकर्मियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने पदोन्नत कर्मियों से अपेक्षा जताई कि वे फील्ड में बेहतर कार्य करके एक कुशल जांच अधिकारी के रूप में शिकायतकर्ताओं की आवाज बनें, ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ अपनी ड्यूटी निभाएं तथा पुलिस विभाग का नाम रोशन करें। पदोन्नति प्राप्त करने वालों में हवलदार लवनीश कुमार, नीरज कुमार, जितेन्द्र कुमार, विकास कुमार, रमेश कुमार एवं महिला हवलदार आशा रानी मौके पर मौजूद रहे। वहीं, विभागीय कार्य व अन्य कारणों से हवलदार अनिल कुमार, सतबीर सिंह, सुभाष चंदर, सोनू कुमार, सोहनलाल, हरप्रीत सिंह, इकबाल सिंह एवं विनोद कुमार कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन उन्हें भी औपचारिक रूप से

पदोन्नति प्रदान की गई है। पुलिस आयुक्त शिवास कविराज ने भी सभी पदोन्नत पुलिसकर्मियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे और अधिक जोश, मेहनत और लग्न से अपनी ड्यूटी को अंजाम देते हुए विभाग की छवि को और अधिक निखारने का कार्य करें। उन्होंने विश्वास जताया कि यह पदोन्नति न केवल इन पुलिसकर्मियों को प्रेरित करेगी, बल्कि अन्य कर्मचारियों को भी बेहतर कार्य के लिए प्रोत्साहित करेगी।

एचटेट लेवल-तीन की 5564 ने दी परीक्षा, 796 रहे गैर हाजिर

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा (एचटेट) की लेवल-तीन की परीक्षा जिला में 21 परीक्षा केंद्रों पर बुधवार शाम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। सिरसा के एसडीएम राजेंद्र कुमार ने कई परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इसी तरह फ्लाइंग दस्ते भी परीक्ष केंद्रों का निरीक्षण करने पहुंचे। जिला प्रशासन ने परीक्षा को लेकर कड़े सुरक्षा प्रबंध किए हुए थे और परीक्षा केंद्रों के आसपास पुलिस बल की तैनाती की गई थी। हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा सायंकालीन सत्र में दोपहर तीन से साढ़े पांच बजे आयोजित हुई।इस परीक्षा को लेकर पहले से ही जिला प्रशासन ने प्रबंध किए हुए थे। प्रश्नपत्रों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट व पुलिस प्रबंध किए गए। इस परीक्षा में 21 केंद्रों पर 6360 परीक्षार्थियों में से 5564 परीक्षार्थी परीक्षा देने पहुंचे तथा 796 गैरहाजिर रहे। बता

दें कि 31 जुलाई को लेवल-दो की परीक्षा 40 परीक्षा केंद्रों पर सुबह 10 से साढे बारह बजे तक आयोजित होगी, जिसमें 11703 परीक्षार्थी भाग लेंगे। लेवल-एक की परीक्षा 31 जुलाई को 15 परीक्षा केंद्रों पर सायंकालीन सत्र में तीन से साढ़े पांच बजे होगी, जिसमें 4505 परीक्षार्थी शामिल होंगे। एसडीएम राजेंद्र कुमार ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई है, 31 जुलाई की परीक्षा के लिए भी सभी तैयारियां पूर्ण है।

जीटी रोड़ पर लगे सीमेंट बैरिकेड को तुरंत हटवाएं एनएचएआई अधिकारी

एजेंसी

सोनीपत। प्रशासन सड़क सुरक्षा को लेकर पूरी तरह सतर्क है और किसी भी तरह की लापरवाही को लेकर अब सख्त रुख अपना चुका है। लघु सचिवालय में मंगलवार को आयोजित सड़क सुरक्षा एवं सुरक्षित स्कूल वाहन नीति समिति की मासिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त सुशील सारवान ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मानव जीवन की रक्षा सर्वोपरि है, इसलिए इससे संबंधित हर निर्णय गंभीरता से लिया जाए।

उपायुक्त ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों को आदेश दिया कि जीटी रोड के प्रवेश व निकास मार्गों पर लगाए गए सीमेंट बैरिकेड्स को तीन दिन के भीतर हटवा दिया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि इनकी जगह प्लास्टिक बैरिकेड लगाए जाएं ताकि दुर्घटना की स्थिति में जान-माल का नुकसान कम हो सके। उन्होंने चेताया कि यदि सड़क सुरक्षा में किसी प्रकार

की कमी पाई गई तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, जिला में अधिक दुर्घटना वाले स्थलों को ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित कर वहां कारणों की पहचान कर सुधार किया जाए। एनएचएआई को निर्देश दिए गए कि नेशनल हाईवे पर मौजूद सभी अवैध कट तत्काल बंद कराए जाएं। सभी एसडीएम को निर्देश दिए गए कि वे सुरक्षित स्कूल वाहन नीति के अंतर्गत स्कूल बसों की नियमित जांच करें ताकि कोई भी वाहन नियमों का उल्लंघन न करे। साथ ही, अवैध कॉलोनियों व निर्माण कार्यों को लेकर एसएमडीए और डीटीपी को सतर्कता बरतने और उल्लंघन पाए जाने पर तुरंत प्राथमिकी दर्ज कराने के आदेश दिए गए।

नई शिक्षा नीति से छात्रों को ज्ञान के साथ कौशल भी मिले, यही हमारा लक्ष्य:महिपाल ढांडा

एजेंसी

गुरुग्राम। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) को प्रभावी तौर पर लागू करने को लेकर गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा की अध्यक्षता में बैठक की गयी। उन्होंने विश्वविद्यालय में लागू की गई नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के क्रियान्वयन की समीक्षा की। इस मौके पर यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. संजय कौशिक, सीएम के ओएसडी डॉ. राज नेहरू, कुलसचिव डॉ. संजय अरोड़ा एवं सभी डीन, चेयरपर्सन उपस्थित रहे। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने शिक्षकों से सीधे संवाद करते हुए विभागीय गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने जानना चाहा कि किस विभाग में कितने विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, उन्हें किस प्रकार मार्गदर्शन और प्रेरणा दी जाती है। किस तरह छात्र शिक्षा के साथ करियर निर्माण के लिए तैयार हो रहे हैं। यूनिवर्सिटी के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि गुरुग्राम विवि एवं इससे सम्बद्ध सभी कॉलेजों में

नई शिक्षा नीति को प्रभावी तौर पर लागू कर दिया गया है। नई शिक्षा नीति के तहत कई महत्वपूर्ण पहलें लागू की जा चुकी हैं। इस मौके पर शिक्षा मंत्री ने सभी शिक्षकों से बड़ी इंडस्ट्री के साथ एमओयू करने की बात कही। डीन अकादमी अफेयर्स प्रो. नीरा वर्मा ने शिक्षा मंत्री को प्रेजेंटेशन के माध्यम से एसईपी 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए यूनिवर्सिटी द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया।मंत्री ढांडा ने विश्वविद्यालय की तैयारियों एवं प्रयासों की सराहना की। विश्वास जताया कि यदि राज्य के सभी उच्च शिक्षण संस्थान इसी गंभीरता से नई शिक्षा नीति को लागू करें, तो हरियाणा देश के अग्रणी शैक्षिक राज्यों में अपनी मजबूत पहचान बना सकता है। इस मौके पर शिक्षा मंत्री ने विवि. परिसर में पौधारोपण भी किया। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का विजन है। इसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भूमिका भी अहम रहेगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू करने में हरियाणा देश का पहला राज्य बनेगा। जहां केंद्र सरकार ने इसे 2030 तक लागू करने का लक्ष्य रखा है। हरियाणा सरकार ने इसे 2025 तक पूरी तरह लागू करने की योजना बनाई है। गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. संजय कौशिक ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति हर संस्थान, यूनिवर्सिटी, शिक्षक, विद्यार्थी को सृजनात्मकता, नवाचार को प्रदर्शित करने का सुअवसर प्रदान करती है।

झज्जर में एचटेट लेवल-3 परीक्षा 13 केंद्रों पर संपन्न

एजेंसी

झज्जर। हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट) लेवल-3 झज्जर जिले के 13 केंद्रों पर शांतिपूर्ण और नकल-मुक्त ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही, जिसमें पुलिस ने धारा 163 लागू की और केंद्रों के आसपास फोटोकॉपी की दुकानें बंद रहीं। बहादुरगढ़ में 566 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा शाम 3:00 बजे से 5:30 बजे तक चली। दोपहर 2:30 बजे के बाद किसी को प्रवेश नहीं दिया गया। केंद्रों पर तीन स्तरों पर सघन चेकिंग की गई। बहादुरगढ़ में बाल विकास वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सराय औरंगाबाद और दिल्ली पब्लिक स्कूल, 7 किमी झज्जर रोड पर परीक्षा आयोजित हुई। डीसीपी मयंक मिश्रा ने बताया कि केंद्रों के आसपास कड़ा पहरा रहा, जिससे कोई बाहरी दखल नहीं हुआ। एसडीएम नसीब कुमार ने भी केंद्रों का निरीक्षण किया।

पहले दिन की हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

जेंसी

जींद। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा आयोजित अध्यापक पात्रता परीक्षा 2025 शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। जिला के 19 परीक्षा केंद्रों पर पहले दिन सायंकालीन सत्र में परीक्षार्थियों ने अध्यापक पात्रता परीक्षा दी। परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले डयूटी पर तैनात कर्मचारियों ने परीक्षार्थियों की बायोमेट्रिक सत्यापन और अन्य सुरक्षा प्रक्रियाएं पूरी की। इसके बाद ही परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश करवाया गया। परीक्षा के सफल संचालन हेतू एसडीएम सत्यवान सिंह मान को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। परीक्षा को सुचारू रूप से संपन्न करवाने के लिए डयूटी मजिस्ट्रेटों, उडऩ दस्तों की टीमें गठित की गई थी और शिक्षा बोर्ड द्वारा भी निरंतर चैकिंग के लिए टीमें गठित की गई थी। इन सभी टीमों ने निरंतर परीक्षा केंद्रों पर जाकर चैकिंग की। परीक्षा केंद्रों पर सीसी टीवी कैमरे, जैमर इत्यादि की व्यवस्था की गई थी। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा के दौरान ट्रैफिक प्रबंधन, चिकित्सा सुविधा एवं अन्य आवश्यक सेवाओं की भी उचित व्यवस्था की गई थी। 31 जुलाई को सुबह 10 से 12:30 बजे तक लेवल 2 (टीजीटी) के लिए 30 केंद्रों तथा दोपहर तीन से 5:30 बजे तक लेवल 1

(पीआरटी) की परीक्षा 10 केंद्रों में आयोजित की जाएगी। इन सैंटरों में प्रातः कालीन सत्र में 9346 परीक्षार्थी परीक्षा देगें। इसी प्रकार सांय कालीन सत्र में 3090 परीक्षार्थी अध्यापक पात्रता परीक्षा देंगे। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर प्रवेश पत्र का रंगीन प्रिंट और वैध फोटो पहचान पत्र लेकर आना अनिवार्य होगा। परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने से कम से कम दो घंटे पहले पहुंचना होगा ताकि मेटल डिटेक्टर जांच, बायोमेट्रिक सत्यापन और अन्य सुरक्षा प्रक्रियाएं समय पर पूरी की जा सकें। बोर्ड ने सुरक्षा और पहचान प्रक्रिया को लेकर कड़े निर्देश जारी किए हैंए जिनका पालन सभी को सुनिश्चित करना है। एसडीएम सत्यवान सिंह मान ने परीक्षा की सफल आयोजन को लेकर जिला में स्थापित राजकीय महाविद्यालय जींद, राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का दौरा करके परीक्षा प्रक्रिया का अवलोकन करके विस्तृत फीडबैक लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम को मिली नई जिम्मेदारी

एजेंसी

पलवल। हरियाणा के खेल एवं युवा मामलों के राज्य मंत्री गौरव गौतम को भारतीय जनता पार्टी द्वारा डबवाली विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त किया गया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में संगठनात्मक मजबूती हेतु विधायकों की नियुक्ति की है, जिसमें गौरव गौतम को डबवाली का दायित्व सौंपा गया। नियुक्ति के बाद मंत्री गौतम ने कहा कि वह डबवाली क्षेत्र में भाजपा द्वारा संचालित योजनाओं और विकास कार्यों की नियमित निगरानी करेंगे।

उन्होंने बताया कि उनका विशेष फोकस खेलों को बढ़ावा देने और युवाओं को अवसर उपलब्ध कराने पर रहेगा। मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि वह डबवाली में खेल अवसंरचना को मजबूत करने, खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने तथा खेल नर्सरियों को सशक्त बनाने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाएंगे। उन्होंने कहा, हरियाणा को खेलों का हब बनाने की दिशा में जो प्रयास अब तक किए गए हैं, वह डबवाली में और तेज़ गति से किए जाएंगे। गौरतलब है कि डबवाली विधानसभा सीट को इनेलो का पारंपरिक गढ़ माना जाता रहा है। ऐसे में पार्टी ने मंत्री गौतम को यह

जिम्मेदारी देकर क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने का संकेत दिया है। मंत्री गौतम ने कहा कि वह जनता को भाजपा सरकार की नीतियों और उपलब्धियों से अवगत कराएंगे एवं पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में हुए कथित धोखों की जानकारी भी देंगे।

परिवेदना समिति की बैठक में 15 परिवादों पर हुई सुनवाई, 8 मामलों का समाधान

एजेंसी

झज्जर। जन सुनवाई को प्रभावी और संवेदनशील बनाने की दिशा में जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक लघु सचिवालय स्थित संवाद भवन में आयोजित की गई। राज्य सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा की अध्यक्षता में हुई बैठक में नागरिकों की 15 सूचीबद्ध शिकायतों पर सुनवाई की गई। आठ मामलों में सुनवाई करते हुए मौके पर समाधान सुनिश्चित किया गया। जबकि सुनवाई के दौरान अन्य मामलों को जांच व विस्तृत रिपोर्ट के साथ अगली बैठक तक लंबित रखा गया है। कैबिनेट मंत्री ने बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत के पीछे छिपे व्यक्ति की पीड़ा को समझते हुए समयबद्ध और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता सिर्फ सुनवाई नहीं, बल्कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि है। लाडपुर निवासी जगदीश गुलिया की शिकायत का समाधान किया गया। पिछली ग्रिवेंस कमेटी के दौरान उन्होंने एचएसवीपी द्वारा प्लाट के अधिग्रहण से संबंधित शिकायत दर्ज करवाई थी। इस मामले में उपमंडल एसडीएम झज्जर की

अध्यक्षता में जांच कमेटी गठित की गई थी, जिसमें मामले में जांच कमेटी ने समस्या का समाधान करते हुए शिकायतकर्ता को राहत प्रदान की। शिकायतकर्ता ने ग्रीवेंस कमेटी का धन्यवाद किया।इसके अलावा बिरोहड़ निवासी पवन कुमार द्वारा दिव्यांग सर्टिफिकेट बनवाने की शिकायत को ग्रीवेंस कमेटी के समक्ष रखा गया। इस मामले में ग्रीवेंस कमेटी के समक्ष जानकारी दी गई कि शिकायतकर्ता का दिव्यांग सर्टिफिकेट बनवा दिया गया है और शिकायतकर्ता संतुष्ट है। इन शिकायतों के अलावा 6 अन्य शिकायतों का भी समाधान बैठक में हुआ। इसके अतिरिक्त कैबिनेट मंत्री ने अन्य नागरिकों की समस्याएं भी सुनी और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं ग्रीवेंस रिड्रेसल सिस्टम की निगरानी कर रहे हैं और सरकार अंत्योदय भाव के साथ अंतिम व्यक्ति तक राहत पहुंचाने को प्राथमिकता दे रही है।

नागरिक निक्षय मित्र बनकर नेक पहल का बनें हिस्सा: डॉ विवेक भारती

एजेंसी

नारनौल। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने लघु सचिवालय में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की स्टेट इंटर्नल इवेल्यूएशन कमेटी की बैठक में कहा कि कोई भी व्यक्ति टीबी (तपेदिक) के मरीजों को गोद लेकर उनके इलाज और पोषण में सहायता कर सकते हैं। कोई भी व्यक्ति, संस्था, गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), कॉर्पोरेट या कोई भी अन्य समूह के रूप में निक्षय मित्र बन सकते हैं। उन्होंने टीबी के लिए ट्रैक, टेस्ट और ट्रीटमेंट रणनीति पर जोर दिया।उपायुक्त ने कहा कि जिला महेंद्रगढ़ में लगभग 1200 टीबी मरीज हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगातार अधिक से अधिक जांच की जाए ताकि कोई नागरिक छूटे नहीं। इसके साथ-साथ जागरूकता अभियान भी चलाया जाए। उन्होंने बताया कि निक्षय पोषण योजना के

तहत टीबी मरीज को सरकार एक हजार रुपये प्रति माह देती है। इस अभियान के तहत मरीज को दवाइयां तथा जांच बिल्कुल फ्री है। सीएमओ डॉ अशोक कुमार ने बताया कि जिला का कोई भी व्यक्ति नागरिक अस्पताल नारनौल, उपमंडल अस्पताल महेंद्रगढ़ व कनीना के अलावा नांगल चौधरी, अटेली, सीहमा, छिलरो, सतनाली, नांगल सिरोही तथा सेहलग में स्थित स्वास्थ्य केंद्रों पर जाकर अपनी जांच करा सकते हैं। अगर इन केंद्रों पर मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आती है तो उसका इलाज शुरू किया जाएगा जो पूरी तरह से मुफ्त में होगा। इसके अलावा मरीज को खुराक भत्ता भी दिया जाएगा। बैठक में राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ राजेश राजू, डॉ सुखवंत, डॉ कृतिका बंसल, दंत चिकित्सक डॉ संदीप व डॉ नवीन के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

ईपीएफओ की उच्च पेंशन योजना को लेकर लाखों कर्मचारियों को झटका, केंद्र ने 11 लाख से अधिक आवेदन खारिज किए

नई दिल्ली।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की उच्च पेंशन योजना को लेकर लाखों कर्मचारियों को तगड़ा झटका लगा है। केंद्र सरकार ने बताया कि कुल 15.24 लाख उच्च पेंशन आवेदनों में से 11 लाख से अधिक को खारिज किया गया है। केवल 4 लाख आवेदनों को ही स्वीकृति मिल पाई है, जबकि करीब 21,995 आवेदन अभी प्रक्रिया में हैं।

राज्यसभा में श्रम राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने बताया कि कुल आवेदनों में से 98.5 प्रतिशत मामलों की जांच पूरी हो चुकी है, लेकिन इसमें से ज़्यादातर को मंज़ूरी नहीं मिल सकी।

सबसे ज़्यादा आवेदन चेन्नई और पुडुचेरी क्षेत्र से खारिज किए गए, जिनकी संख्या 63,026 रही। मोदी सरकार ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि इतनी बड़ी संख्या में आवेदन किस कारण से खारिज किए गए, और न ही यह बताया गया है कि बाक़ी बचे आवेदनों की प्रक्रिया कब तक पूरी की जाएगी।

बात दें कि उच्च पेंशन को लेकर कर्मचारियों की उम्मीदें तब जगी थीं, जब सुप्रीम कोर्ट ने 4 नवंबर 2022 को फैसला सुनाया था। इस फैसले में कहा गया था कि वे कर्मचारी जो 1 सितंबर 2014 से पहले ईपीएफ स्कीम में शामिल हुए और अब भी नौकरी में हैं या रिटायर हो चुके हैं, वे अपनी पूरी सैलरी के आधार पर पेंशन पाने का विकल्प चुन सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ईपीएफओ ने 26 फरवरी 2023 को उच्च पेंशन के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू की। अंतिम तिथि को पहले 3 मई और फिर बढ़ाकर 26 जून 2023 तक किया गया था। नियोक्ताओं को भी अपने कर्मचारियों की सैलरी डिटेल्स अपलोड करने का मौक़ा दिया गया था।

इतनी बड़ी संख्या में आवेदनों के खारिज होने से यह स्पष्ट है कि या तो प्रक्रिया की जानकारी स्पष्ट नहीं थी, या फिर दस्तावेज़ और डेटा अपलोड करने में व्यापक त्रुटियां रहीं। इससे कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के बीच असंतोष गहराने की आशंका है।

कौन है इस योजना का पात्र?

उच्च पेंशन योजना उन्हीं कर्मचारियों के लिए है जो÷ 1 सितंबर 2014 से पहले ईपीएफ स्कीम में शामिल हुए हों, वर्तमान में नौकरी में हों या रिटायर हो चुके हों, जिन्होंने ईपीएस में अपनी पूरी सैलरी के आधार पर योगदान दिया हो या देने की इच्छा जताई हो। इस स्कीम के तहत पेंशन की गणना कर्मचारी की कुल सेवा अवधि और योगदान की राशि के आधार पर की जाती है, जिससे उन्हें सामान्य ईपीएस पेंशन से कहीं अधिक लाभ मिल सकता है।

ईपीएस-95 यानी एम्प्लॉयी पेंशन स्कीम 1995, ईपीएफओ की वह योजना है जिसके तहत संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद पेंशन दी जाती है। अब तक पेंशन 15,000 रुपए की अधिकतम सैलरी सीमा पर आधारित थी, जिस पर वर्षों से विवाद चल रहा था।

वाल्वो जल्द लांच करेगी एक्ससी60 और एसयूवी ईएक्स30

नई दिल्ली । भारत में वाहन निर्माता कंपनी वाल्वो एक साथ दो बड़े लॉन्च की तैयारी कर रही है। अगले महीने कंपनी अपने लोकप्रिय मॉडल एक्ससी60 का फेसलिफ्ट वर्जन पेश करेगी। साथ ही अपनी सबसे छोटी इलेक्ट्रिक एसयूवी ईएक्स30की भी एंट्री करेगी। हाल ही में भारत में ईएक्स30 को टेस्टिंग के दौरान देखा गया था, जिससे साफ है कि कंपनी इसके लॉन्च को लेकर पूरी तरह तैयार है। यह एसयूवी वोल्वो की इलेक्ट्रिक लाइनअप में ईसी40 और एक्ससी40 के नीचे होगी और भारतीय बाजार में ब्रांड की सबसे किफायती इलेक्ट्रिक कार मानी जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईएक्स30की एक्स-शोरूम कीमत लगभग ₹45 लाख हो सकती है। ईएक्स30 वोल्वो के सस्टेनेबल एक्सपीरियंस आर्किटेक्चर प्लेटफॉर्म पर आधारित है और ग्लोबली पहले से ही बिक्री में है।

भारत में इसे 69केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ लॉन्च किया जा सकता है, जिसमें दो वर्जन होंगे - एक सिंगल मोटर रियर-व्हील ड्राइव और दूसरा डुअल मोटर ऑल-व्हील ड्राइव। इसका पावर आउटपुट 427 बीएचपी तक हो सकता है और कंपनी द्वारा दावा की गई रेंज लगभग 474 किलोमीटर है। इसका डिज़ाइन कॉम्पैक्ट लेकिन मस्कुलर है, जिसमें पतली एलईडी हेडलाइट्स, पिक्सल स्टाइल टेललाइट्स और स्पोर्टी एक्सटीरियर मिलता है, जो इसे बीएमडब्ल्यू आईएक्स1, हयूदै आयोनिक 5, किआ ईवी6 और बीवायडी सिलियन 7 जैसी प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवीएस से टक्कर लेने लायक बनाता है।

टेक्नोलॉजी की बात करें तो इसमें 12.3 इंच का वर्टिकल टचस्क्रीन दिया जाएगा जो गूगल इंटीग्रेटेड सिस्टम पर चलेगा।

भारत का चीनी उत्पादन जुलाई में 18.38 से घटकर 2.58 करोड़ टन हुआ

यह गिरावट गन्ने की कमी, कीट एवं रोगों के प्रकोप के कारण आई

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना महासंघ लिमिटेड (एनएफसीएसएफएल) ने कहा है कि चालू सत्र में जुलाई तक भारत का चीनी उत्पादन 18.38 फीसदी से घटकर दो करोड़ 58.2 लाख टन रहा। ऐसा प्रमुख उत्पादक राज्यों में कम उत्पादन के कारण हुआ है। संस्था को उम्मीद है कि पूरे सत्र में कुल उत्पादन दो करोड़ 61.1 लाख टन तक पहुंच जाएगा, जो 2023-24 में उत्पादित 3.19 करोड़ टन से काफी कम है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कर्नाटक और तमिलनाडु में जून से सितंबर तक चलने वाले विशेष पेराई कार्य चल रहे हैं और कुल उत्पादन में कुछ और टन बढ़ने की उम्मीद है। कर्नाटक में पिछले साल के एक मिल की तुलना में सात मिलें चल रही हैं, जबकि तमिलनाडु में पिछले साल के 11 मिलों की तुलना में नौ मिलचालू हैं। एनएफसीएसएफएल के मुताबिक भारत के सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य, यूपी में जुलाई तक उत्पादन एक साल पहले के 103.6 लाख टन से घटकर 92.7 लाख टन रह गया। दूसरे सबसे बड़े उत्पादक महाराष्ट्र में में भारी गिरावट आई उत्पादन पहले के 1.1 करोड़ टन से घटकर 80.9 लाख टन रह गया, जबकि कर्नाटक में उत्पादन 51.6 लाख टन से घटकर 40.6 लाख टन रह गया है। यह गिरावट गन्ने की उपलब्धता में कमी, प्रतिकूल मौसम, एथनॉल उत्पादन में इसके इस्तेमाल का बढ़ता रुझान और कीट एवं रोगों के प्रकोप के कारण आई है। एक अहम उपलब्धि के रूप में भारत ने 2025 में पेट्रोल के साथ 20 फीसदी एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लिया है जो 2030 के लक्ष्य से पांच साल पहले है। यह उपलब्धि ग्रामीण आय को बढ़ावा देते हुए ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के देश के प्रयासों को रेखांकित करती है। भविष्य को देखते हुए एनएफसीएसएफएल ने अनुकूल मानसून महाराष्ट्र और कर्नाटक में गन्ने की खेती में वृद्धि और सरकार द्वारा उचित एवं लाभकारी मूल्य में समय पर वृद्धि का हवाला देते हुए 2025-26 में 3.5 करोड़ टन चीनी उत्पादन का अनुमान लगाया है। एनएफसीएसएफएल के प्रबंध निदेशक ने कहा कि चीनी मिलों की लाभप्रदता की रक्षा करने, ग्रामीण रोजगार को बनाए रखने और यह तय करने के लिए कि भारत एथनॉल और सहकारी विकास दोनों मोर्चों पर अपनी गति जारी रखने ऐसे उपाय जरुरी हैं।

भारत में बिजली की मांग में चार फीसदी बढ़ोतरी होने का अनुमान

नई दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने कहा है कि इस साल भारत में बिजली की मांग में मामूली चार फीसदी बढ़ोतरी होने का अनुमान है।

वर्ष की पहली छमाही में गर्मी अपेक्षाकृत कम पड़ने से खपत में कमी आई है और अधिकतम मांग सितंबर में आने की संभावना है। आईईए ने अपनी छमाही रिपोर्ट में कहा कि वैश्विक बिजली की मांग 2025-26 में पिछले अनुमान और पिछले दशक की तुलना में कहीं ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। चीन और भारत में बिजली की मांग इस साल 2024 में तीव्र वृद्धि के मुकाबले धीमी गति से बढ़ने का अनुमान है।

रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल छह फीसदी की वृद्धि के बाद इस साल भारत में बिजली की मांग में चार फीसदी की वृद्धि का अनुमान है।

आईईए ने अनुमान लगाया है कि 2025 में चीन की खपत पांच फीसदी बढ़ेगी, जो पिछले साल के सात फीसदी से कम है। अकेले चीन की वैश्विक बिजली मांग वृद्धि में 50 फीसदी हिस्सेदारी होगी, जैसा कि 2024 में हुआ था।

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में औद्योगिक गतिविधियों पर वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और 2024 की तुलना में कम गर्मी पड़ने से 2025 की पहली छमाही में बिजली की मांग में सालाना आधार पर 1.4 फीसदी की वृद्धि हुई।

साल की बची हुई अवधि में मांग में और ज्यादा वृद्धि होने का अनुमान है और इसमें चार फीसदी वृद्धि की संभावना जताई जा रही है। आईईए ने 2026 में 6.6 फीसदी की मजबूत वृद्धि का अनुमान है। इसका कारण उद्योग और सेवा क्षेत्रों में मजबूत गतिविधियां और एसी की बढ़ती संख्या है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पेरिस स्थित एजेंसी ने विद्युत मंत्रालय के अनुमानों का हवाला देते हुए कहा कि अधिकतम मांग 270 गीगावाट तक पहुंच सकती है। यह इस साल गर्मियों के बजाय सितंबर में स्थानांतरित हो सकती है। हालांकि उत्पादन क्षमता में वृद्धि से इस मांग को पूरा किए जाने का अनुमान है। आईईए ने उत्पादन के संबंध में कहा कि सौर पीवी और पवन ऊर्जा का संयुक्त उत्पादन 2025 की पहली छमाही में सालाना आधार पर 20 फीसदी ज्यादा रहा। कुल बिजली उत्पादन में इनकी हिस्सेदारी 14 फीसदी रही जो 2024 की पहली छमाही में 11 फीसदी थी। सौर पीवी उत्पादन में 25 फीसदी और पवन ऊर्जा में करीब 30 फीसदी की वृद्धि हुई।

आईसीआईसीआई बैंक आज से लेगा यूपीआई ट्रांजैक्शन शुल्क....पेमेंट एग्रीगेटर्स से

मुंबई। अगर आप यूपीआई पेमेंट करते हैं, तब खबर आपके लिए अहम है। देश के प्रमुख निजी बैंकों में शामिल आईसीआईसीआई बैंक ने 1 अगस्त 2025 से यूपीआई ट्रांजैक्शन पर नया शुल्क लागू करने का फैसला किया है। यह चार्ज सीधे ग्राहकों पर नहीं, बल्कि पेमेंट एग्रीगेटर्स पर लगेगा। लेकिन इसका असर डिजिटल लेनदेन की लागत पर पड़ सकता है। आईसीआईसीआई से पहले येस और एक्सिस बैंक ने भी पेमेंट एग्रीगेटर्स से इसतरह के चार्ज लेना शुरू कर दिया था और अब आईसीआईसीआई बैंक भी इस सूची में शामिल है। आईसीआईसीआई बैंक ने फैसला किया है कि वह पेमेंट एग्रीगेटर्स से हर यूपीआई ट्रांजेक्शन पर 2 बेसिस प्वाइंट यानी 0.02 फीसदी का चार्ज लेगा। इसका मतलब है कि अगर कोई ट्रांजैक्शन 10,000 रुपए का है, तब उस पर 2 रुपए का चार्ज लगेगा लेकिन इस चार्ज की अधिकतम सीमा 6 रुपए प्रति ट्रांजेक्शन रखी गई है। यह चार्ज उन पेमेंट एग्रीगेटर्स पर लागू होगा जिनका आईसीआईसीआई बैंक में एस्क्रो अकाउंट है। अगर किसी पेमेंट एग्रीगेटर का आईसीआईसीआई बैंक में एस्क्रो अकाउंट नहीं है, तब उससे 4 बेसिस प्वाइंट यानी 0.04 फीसदी चार्ज लिया जाएगा, जिसकी अधिकतम सीमा 10 रुपए प्रति ट्रांजैक्शन होगी। इसका मतलब है कि 10,000 रुपए के ट्रांजैक्शन पर 4 रुपए चार्ज बनेगा लेकिन इससे ज्यादा कभी नहीं होगा। दरअसल पेमेंट एग्रीगेटर्स वे कंपनियां हैं जो ऑनलाइन व्यापारियों को ग्राहकों से पेमेंट लेने में मदद करती हैं। जैसे, अगर आप किसी दुकान या ऑनलाइन स्टोर पर यूपीआई से पेमेंट करते हैं, तब पेमेंट एग्रीगेटर उस पेमेंट को प्रोसेस करता है और व्यापारी के अकाउंट में पैसे ट्रांसफर करता है। आईसीआईसीआई बैंक का यह चार्ज सिर्फ उन ट्रांजेक्शन पर लागू होगा जो आईसीआईसीआई बैंक के मर्चेंट अकाउंट में सीधे सेटल नहीं होते।

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 20 पैसे की गिरावट के साथ ही 8765 रुपये पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया अपने सर्वकालिक निम्नतम स्तर से 14 पैसे बढ़कर 87.66 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपया, जो 89 पैसे गिरकर तीन वर्षों में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज कर रहा था, कुछ हद तक वापस आ गया है, लेकिन नकारात्मक रुझान के साथ कारोबार कर रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया सुबह 87.66 पर खुला, फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.74 के निचले स्तर पर पहुंच गया। बुधवार को भारतीय रुपया 55 पैसे की गिरावट के साथ ही 87.45 पर बंद हुआ। । इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 फीसदी की गिरावट के साथ ही 98.77 पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.11 फीसदी की बढ़त के साथ 72.59 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।

आज से एक्सप्रेस-वे पर यात्रा करना होगा महंगा, टोल दरों की सूची जारी

नई दिल्ली। शुक्रवार यानी 1 अगस्त से 91 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे पर यात्रा करना महंगा हो जाएगा क्योंकि अब यात्रियों को टोल टैक्स देना होगा। यूपी एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने इसकी घोषणा कर दी है और टोल दरों की सूची भी जारी कर दी है। 1 अगस्त से एक्सप्रेसवे पर चलने वाली सभी गाड़ियों को टोल देना होगा। यह टैक्स एक तरफ के सफर के लिए तय किया है। यहां दरों की पूरी जानकारी दी गई है। दोपहिया गाड़ियां के लिए 140, कार, जीप और वैन को 285, हल्की कमर्शियल गाड़ियां के लिए 440, बस और ट्रक 840, भारी वाहन जैसे निर्माण में काम आने वाले मशीनों पर 1335, सबसे बड़े वाहन पर 1745 रुपए टोल टैक्स देना होगा। यूपीईआईडीए ने यात्रियों के लिए कुछ छूटों का भी ऐलान किया है जिसमें अगर कोई गाड़ी उसी दिन यानी 24 घंटे में वापसी करता है तो उसे पूरा टोल नहीं देना होगा। ऐसे में 60 फीसदी की छूट मिलेगी जैसे अगर एक तरफ का टोल 100 रुपए है तो दोनों तरफ का कुल 160 देना होगा। जो लोग महीने में 20 बार या उससे ज्यादा बार इस एक्सप्रेसवे पर यात्रा करते हैं उन्हें कुल टोल राशि पर 20 फीसदी की छूट दी जाएगी। यानी उन्हें तय दर का केवल 80 फीसदी ही भुगतान करना होगा। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे ने गोरखपुर और आजमगढ़ के आसपास के इलाकों की कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार किया है। इसके अलावा लखनऊ जाने वाले यात्रियों को भी इस एक्सप्रेसवे से काफी राहत मिली है जिससे यात्रा का समय कम हो गया है।

खाते में बैलेंस नहीं रखने पर बैंकों ने ग्राहकों से वसूले 8,933 करोड़ रुपए

नई दिल्ली।

पिछले पांच सालों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने ग्राहकों से करीब 8,933 करोड़ रुपए का जुर्माना वसूला। यह जुर्माना खातों में न्यूनतम औसत बैलेंस नहीं रखने में के एवज में वसूला गया। यह जानकारी केंद्र सरकार ने संसद में साझा की है। भारतीय स्टेट बैंक तो मार्च 2020 से ही ये जुर्माना नहीं ले रहा है लेकिन बाकी कई बड़े सरकारी बैंक फाइन लगा रहे हैं। इन बैंकों में इंडियन बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक, बैंक ऑफ इंडिया और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया तक शामिल रहे हैं। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने भी हाल ही में यह चार्ज माफ कर दिया है। बैंकों का कहना है कि ये कदम ग्राहकों को राहत देने और हर किसी के लिए बैंकिंग सेवाओं को समान रूप से उपलब्ध कराने के लिए उठाए गए हैं। 2020-21 से लेकर 2024-25 की अवधि में बैंकों ने यह जुर्माना वसूला। शुरुआती 2020-21 में 1,142 करोड़ वसूले गए थे, जो 2023-24 में बढ़कर 2,331 करोड़ हो गए। वहीं 2024-25 में इसमें थोड़ी गिरावट आई और यह 2,175 करोड़ रहा। सबसे अधिक जुर्माना वसूलने वाले बैंकों में इंडियन बैंक 1,828.18, पंजाब नेशनल बैंक 1,662.42, बैंक ऑफ बड़ौदा 1,531.62, केनरा बैंक 1,212.92, बैंक ऑफ इंडिया 809.66, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया 585.36, बैंक ऑफ महाराष्ट्र 535.20, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया 484.75, यूको बैंक 119.91, पंजाब एंड सिंध बैंक 100.92, इंडियन ओवरसीज बैंक 62.04 करोड़ का जुर्माना वसूला। सरकार ने बैंकों को सुझाव दिया है कि वे ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों के ग्राहकों को इस शुल्क से राहत दें या इसे पूरी तरह समाप्त करें। इसका उद्देश्य बैंकिंग सेवाओं को अधिक समावेशी और सुलभ बनाना है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुए। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकतों के साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 25 फीसदी टैरिफ और रूस के साथ व्यापार के लिए अलग से पेनल्टी लगाने के फैसले के कारण पड़े दबाव से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 296.25 अंक नीचे आकर 81,185.58 और 50 शेयरों पर अधारित एनएन निफ्टी 86.70 अंक की गिरावट के साथ ही 24,768.35 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान बाजार में दिन भर उतार-चढ़ाव बना रहा। इंडिया विक्स 2.94 फीसदी बढ़कर 11.54 पर बंद हुआ। लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बिकवाली दर्ज की गयी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 541.70 अंक या 0.93 फीसदी की गिरावट के साथ 57,400.55 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 190 अंक करीब 1.05 फीसदी की कमजोरी के साथ 17,966.85 पर था। मेटल, फार्मा ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज और रियल्टी के शेयर भी नीचे आये हालांकि एफएमसीजी, डिफेंस और मीडिया इंडेक्स में तेजी रही। गुरुवार को सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 7 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए और बाकी की सभी 23 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह, निफ्टी 50 की 50 में से सिर्फ 14 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए और बाकी की सभी 36 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ लाल निशान में बंद हुए।

आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर सबसे ज्यादा 3.48 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी तरफ, आज टाटा स्टील के शेयर सबसे ज्यादा 2.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स की बाकी कंपनियों में आज एटरनल (जोमेटो) के शेयर 1.40 फीसदी, आईटीसी 1.01 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.96 फीसदी, पावरग्रिड 0.64 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.10 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.10 फीसदी और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 0.09 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर, गुरुवार को सनफार्मा में शेयरों में 1.69 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 1.50 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.39 फीसदी, एनटीपीसी 1.37 फीसदी, एशियन पेंट्स 1.04 फीसदी, भारती एयरटेल 0.93 फीसदी, टाइटन 0.89 फीसदी, बीईएल 0.88 फीसदी, एलएंडटी 0.80 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार सुबह सेंसेक्स 683 अंक नीचे आकर 80,798 । वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 209 अंक टूटकर 24,675 पर खुला। वहीं सभी क्षेत्रों में आज गिरावट रही।

सुबह निफ्टी ऑटो में 0.99 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक और प्राइवेट बैंक में 0.66 फीसदी और 0.52 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। वहीं कंज्यूमर ड्यूरेबल और ऑयल एंड गैस सेक्टर्स में भी 1-1 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। ब्रॉडर मार्केट की बात करें तो निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 आज 0.75फीसदी और 0.46फीसदी तक गिरा।

बड़ी कंपनियां 5 दमदार एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में

नई दिल्ली ।

कई बड़ी कंपनियां दिवाली 2025 तक 5 दमदार एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में हैं, जो डिजाइन, फीचर्स और परफॉर्मेंस के मामले में जबरदस्त होंगी। महिंद्रा अपनी लोकप्रिय बोलेरो नियो का फेसलिफ्ट वर्जन 15 अगस्त 2025 को लॉन्च करेगी। यह एसयूवी कंपनी के नए फ्रीडम एनयू प्लेटफॉर्म पर तैयार होगी। इसमें गोल हेडलैम्प, नया बंपर और रिफ्रेश इंटीरियर देखने को मिलेगा। हालांकि इंजन में कोई बदलाव नहीं होगा। मारुति अपनी नई मिडसाइज एसयूवी इस्कूडो को लॉन्च करने वाली है, जो ग्रैंड विटारा पर आधारित होगी लेकिन ज्यादा किफायती होगी। यह एसयूवी सिर्फ अरेना डीलरशिप पर मिलेगी और इसमें पेट्रोल, सीएनजी और हाइब्रिड इंजन विकल्प दिए जा सकते हैं। हुंडई अपनी कॉम्पैक्ट एसयूवी वेन्यू का फेसलिफ्ट वर्जन इस साल लाएगी। इसमें पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड सीट्स, बड़ा टचस्क्रीन और एडीएएस जैसे प्रीमियम फीचर्स मिल सकते हैं। एक्सटीरियर और इंटीरियर में बड़ा बदलाव होगा। टाटा अक्टूबर 2025 में पंच और पंच ईवी का फेसलिफ्ट मॉडल लॉन्च करेगी। नए आईसीई वर्जन में पंच ईवी जैसे डिजाइन एलिमेंट्स देखने को मिलेंगे। इंटीरियर में बड़ा डिजिटल डिस्प्ले और नया डैशबोर्ड लेआउट मिलेगा। टाटा सिएरा दिवाली 2025 के आसपास दमदार वापसी करेगी। शुरुआत में 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन के साथ लॉन्च होगी और बाद में इसका टर्बो वर्जन और इलेक्ट्रिक मॉडल भी आएगा। डिजाइन और फीचर्स के मामले में यह प्रीमियम एसयूवी होगी। बता दें कि भारतीय ऑटो बाजार में एसयूवी की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी है। मौजूदा समय में देश में बिकने वाली हर दूसरी कार एसयूवी है। अगर आप भी इस दिवाली से पहले एक नई एसयूवी खरीदने की सोच रहे हैं, तो आपके लिए कई शानदार विकल्प आने वाले हैं।

टीसीएस से छंटनी बीच इंफोसिस ने दी 20,000 फ्रेशर्स को नियुक्ति करने की राहत भरी खबर

मुंबई।

देश की प्रमुख आईटी कंपनी इंफोसिस ने वर्तमान में समय में राहत भरी खबर दी है जब प्रतिस्पर्धी कंपनियों में छंटनी कर रही है। तब इंफोसिस के सीईओ सलिल पारेख ने कहा है कि कंपनी इस साल करीब 20,000 फ्रेशर्स को नियुक्ति देने की योजना बना रही है। यह बयान तब आया है जब टीसीएस द्वारा 12,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की खबर सामने आई है।

पारेख ने बताया, ÷हमने वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 17,000 से अधिक लोगों को नियुक्त किया है। अब हम पूरे वर्ष में करीब 20,000 कॉलेज से निकले युवाओं को हायर करने की योजना बना रहे हैं।÷ उन्होंने कहा कि इंफोसिस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर भारी निवेश कर रही है और कर्मचारियों को नए स्किल्स सिखा रही है। अब तक कंपनी ने करीब 2.75 लाख कर्मचारियों को एआई और टेक्नोलॉजी में ट्रेनिंग दी है।

वहीं टीसीएस ने हाल ही में 12,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की पुष्टि की है, जो कि भारत के आईटी सेक्टर की अब तक की सबसे बड़ी छंटनी में से एक है। नैसकॉम ने भी संकेत दिया है कि भविष्य में आईटी सेक्टर में कुछ और कटौती देखने को मिल सकती है, क्योंकि कंपनियां अब ऑटोमेशन और प्रोडक्टिविटी बढ़ाने पर ज्यादा जोर दे रही हैं।

एआई के प्रभाव पर पारेख ने बताया कि कोडिंग और सॉफ्टवेयर निर्माण में एआई के उपयोग से 5 से 15 प्रतिशत तक अधिक आउटपुट मिल रहा है। ग्राहक सेवा जैसे क्षेत्रों में इसका असर और भी अधिक है। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि जटिल समस्याओं को हल करने में इंसानी अनुभव और समझ अब भी अहम है। पारेख ने बताया कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही और चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कर्मचारियों की सैलरी बढ़ाई है। उन्होंने कहा कि अगली सैलरी वृद्धि पर जल्द ही विचार किया जाएगा और उचित समय पर इसकी घोषणा की जाएगी।

बजाज ऑटो की कुल बिक्री में 17.16 प्रतिशत की गिरावट दर्ज

नई दिल्ली । जून 2025 का महीना बजाज ऑटो कंपनी के लिए मिला-जुला रहा। कंपनी की जहां कुल बिक्री में 17.16 प्रतिशत की सालाना गिरावट दर्ज की गई, वहीं कुछ खास मॉडल्स ने राहत दी है। जून महीने में कुल 1,39,964 यूनिट्स की बिक्री हुई, जो मई 2025 की तुलना में भी काफी कम रही। यानी महीने-दर-महीने और साल-दर-साल दोनों ही आधारों पर गिरावट देखी गई। ब्रांड के सबसे पॉपुलर मॉडल पल्सर की कुल बिक्री 88,452 यूनिट्स रही, जो कि पिछले साल की तुलना में 20.39 प्रतिशत कम है। फिर भी यह कंपनी की कुल बिक्री का 63.20प्रतिशत हिस्सा लेकर सबसे बड़ा योगदान देने वाला मॉडल रहा। खास बात यह रही कि पल्सर 200सीसी ने 17,521 यूनिट्स की बिक्री के साथ 22.47प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की, जो इस सीरीज में इकलौता ग्रोथ करने वाला मॉडल रहा। दूसरी ओर, पल्सर 200सीसी की बिक्री में 21.93प्रतिशत की गिरावट आई। एन 150 की डिमांड इतनी कम रही कि कंपनी ने इसे अपनी वेबसाइट से हटा दिया है। प्लेटिना, जो कभी बजाज की हिट बाइक थी, अब बिक्री के मामले में पिछड़ती नजर आ रही है। जून में इसकी 25,662 यूनिट्स बिकीं, जिसमें 22.47प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सीटी सीरीज की हालत और खराब रही, जिसकी बिक्री 3,792 यूनिट्स पर सिमट गई और इसमें 36.04प्रतिशत की गिरावट आई।

वायु प्रदूषण से स्मृति-लोप का बढ़ता खतरा

ललित गर्ग

> अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि प्रदूषित हवा के नियमित संपर्क में रहने से मनोभ्रंश एवं स्मृति-लोप का खतरा काफी बढ़ जाता है, यह एक ऐसी प्रगतिशील स्थिति है जो स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमताओं को क्षीण कर देती है। दुनिया भर में, लगभग 5.74 करोड़ लोग पहले से ही मनोभ्रंश से प्रभावित हैं। वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई न किए जाने पर, यह संख्या 2050 तक तिगुनी होकर 15.28 करोड़ हो सकती है।

पर्यावरण की उपेक्षा एवं बढ़ता वायु प्रदूषण मनुष्य स्वास्थ्य के लिये न केवल घातक हो रहा है, बल्कि एक बीमार समाज के निर्माण का कारण भी बन रहा है। हाल ही में हुए एक मेटा-अध्ययन ने वायु प्रदूषण और बिगड़ती स्मृति के बीच एक खतरनाक संबंध का खुलासा किया है। हवा में मौजूद विषैले कण-खासकर महीन धूल और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें, जो मुख्य रूप से वाहनों और औद्योगिक प्रक्रियाओं से निकलती हैं, हमारे मस्तिष्क को सीधे प्रभावित कर रही हैं। यह व्यापक शोध लगभग 3 करोड़ व्यक्तियों से जुड़े 51 अध्ययनों पर आधारित है। ये निष्कर्ष भारत जैसे देशों के लिए विशेष रूप से चिंताजनक हैं, जहाँ वायु प्रदूषण का स्तर दुनिया में सबसे अधिक है। अगर धनी और विकसित देश भी प्रदूषण के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों से जूझ रहे हैं, तो भारत लापरवाही बर्दाश्त नहीं कर सकता। वायु प्रदूषण से निपटना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि प्रदूषित हवा के नियमित संपर्क में रहने से मनोभ्रंश एवं स्मृति-लोप का खतरा काफी बढ़ जाता है, यह एक ऐसी प्रगतिशील स्थिति है जो स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमताओं को क्षीण कर देती है। दुनिया भर में, लगभग 5.74 करोड़ लोग पहले से ही मनोभ्रंश से प्रभावित हैं। वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई न किए जाने पर, यह संख्या 2050 तक तिगुनी होकर 15.28 करोड हो सकती है। मनोभ्रंश अर्थात डिमेंशिया या भूलने की बीमारी का दुनिया में बढ़ता खतरा इतना बड़ा है कि आगामी पच्चीस वर्ष में इस बीमारी से ग्रस्त लोगों की संख्या तीन गुना हो जाएगी। शोधकताओं ने वायु प्रदूषण में खासकर कार से निकलने वाले धुएं या उत्सर्जन को गंभीर माना है। उल्लेखनीय है कि लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण में रहने वाले लोगों के मस्तिष्क की कार्यक्षमता में एक दशक तक की गिरावट देखी जा सकती है, उदाहरण के लिए, लगातार जहरीली हवा में सांस लेने वाला 50 वर्षीय व्यक्ति 60 वर्षीय व्यक्ति के समान संज्ञानात्मक क्षमता प्रदर्शित कर सकता है। वायु प्रदूषण का सबसे पहला असर फेफड़ों और दिल पर पड़ता है, लेकिन यह वहीं तक सीमित नहीं रहता। हवा में मौजूद ये छोटे-छोटे कण हमारी सांस के जरिए खून में चले जाते हैं और फिर सीधे दिमाग तक पहुंच जाते हैं। इससे-याद रखने की क्षमता कमजोर होती है। ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है। सीखने और नई बातें याद रखने में दिक्कत होती है। कुछ मामलों में डिप्रेशन यानी अवसाद की संभावना बढ़ जाती है।

द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में पाया गया कि पीएम 2.5 (सूक्ष्म कण पदार्थ) में प्रति घन मीटर 10 माइक्रोग्राम की वृद्धि से स्मृति संबंधी बीमारियों का खतरा 17 प्रतिशत बढ़ जाता है। वाहनों के धुएँ और जलती हुई लकड़ी से निकलने वाले ब्लैक कार्बन में एक माइक्रोग्राम की भी वृद्धि से यह खतरा 13 प्रतिशत बढ़ जाता है। ये सूक्ष्म कण हमारे श्वसन और परिसंचरण तंत्र को दरकिनार कर मस्तिष्क तक पहुँच सकते हैं और सूजन व ऑक्सीडेटिव तनाव पैदा कर सकते हैं, जिससे अंततः न्यूरॉन्स को नुकसान पहुँचता है। इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। प्रदूषित हवा न केवल फेफड़ों और हृदय के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि याददाश्त, एकाग्रता, सीखने और भावनात्मक स्थिरता को भी कमजोर करती है। अध्ययनों से पता चला है कि उच्च प्रदूषण वाले क्षेत्रों में रहने वाले बच्चे स्वच्छ वातावरण में रहने वालों की तुलना में स्कूल की परीक्षाओं में खराब प्रदर्शन करते हैं। प्रदूषित हवा के संपर्क में आने वाले वयस्क अक्सर चिड़चिड़ापन, थकान और यहाँ तक कि अवसाद का अनुभव करते हैं। उनकी उत्पादकता और निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है। प्रदूषण से प्रेरित स्मृति हानि का प्रभाव केवल व्यक्तियों तक ही सीमित नहीं है, यह शैक्षिक परिणामों, कार्यस्थल की दक्षता और सामाजिक निर्णय लेने को भी प्रभावित करता है। आँकड़े दर्शाते हैं कि उच्च-पीएम क्षेत्रों में लोग मौखिक प्रवाह, तर्क, सीखने और स्मृति परीक्षणों में कम अंक प्राप्त करते हैं, जो शिक्षा का एक पूरा वर्ष गँवाने के समान है। एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि कैसे किराने की खरीदारी जैसे नियमित कार्यों में संज्ञानात्मक विकर्षण प्रदूषण के संपर्क में आने से बढ़ जाता है। वृद्ध और कम शिक्षित व्यक्ति विशेष रूप से असुरक्षित होते हैं, अक्सर रोजमर्रा के कार्य करने की क्षमता खो देते हैं और दूसरों पर अधिक निर्भर हो जाते हैं।

बढ़ते खतरे के बावजूद, चिकित्सा विज्ञान वर्तमान में मनोभ्रंश का कोई निश्चित इलाज नहीं देता है। मौजूदा उपचार सीमित और अक्सर अप्रभावी होते हैं, जिससे मरीज धीरे-धीरे अपनी याददाश्त और स्वतंत्रता खो देते हैं। अध्ययन के सह-प्रमुख लेखक, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के डॉ. क्रिस्टियन ब्रेडल इस बात पर जोर देते हैं कि मनोभ्रंश की रोकथाम केवल स्वास्थ्य सेवा की जिम्मेदारी नहीं है। शहरी नियोजन, परिवहन नीतियां और पर्यावरणीय नियम, सभी इस संकट से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वायु प्रदूषण न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि सामूहिक सोच, जीवनशैली विकल्पों और पर्यावरणीय निर्णयों को भी विकृत करता है। बड़े पैमाने पर, यह शैक्षिक उपलब्धि में कमी, उत्पादकता में कमी, स्वास्थ्य सेवा के बढ़ते बोझ और गहरी होती आर्थिक असमानताओं में योगदान देता है। वाशिंगटन में 12 लाख लोगों पर किए गए एक अलग अध्ययन से पता चला है कि जंगल की आग के धुएँ के संपर्क में आने से, जो पीएम 2.5 के स्तर को बढ़ाता है, मनोभ्रंश का खतरा 18-21 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय द्वारा की गई एक और व्यापक समीक्षा (51 अध्ययनों में 2.9 करोड़ लोगों पर) ने पुष्टि की कि पीएम 2.5 के संपर्क में आने से मनोभ्रंश का खतरा 13-17 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। विज्ञान स्पष्ट है कि ये सूक्ष्म कण श्वसन तंत्र और मस्तिष्क में गहराई तक प्रवेश करते हैं, मस्तिष्क के कार्य को बाधित करते हैं और मानसिक गिरावट को तेज करते हैं।

हाल ही में चीन में हुए एक शोध में भी पीएम और नाइट्रोजन ऑक्साइड के संपर्क को मध्यम आयु वर्ग और वृद्ध लोगों में संज्ञानात्मक क्षमता में कमी, विशेष रूप से कार्यशील स्मृति में कमी से जोड़ा गया है। यह एक बढ़ता हुआ संकट है जिसके प्रभाव न केवल व्यक्तियों पर बल्कि पूरे समाज पर पड़ रहे हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि वायु प्रदूषण अब केवल खांसी या सांस की बीमारी तक सीमित नहीं है, यह चुपचाप हमारी स्मृति, संज्ञानात्मक कार्यों और मानसिक स्वास्थ्य पर हमला कर रहा है। लोग मानसिक थकान, अवसाद या चिड़चिड़ापन महसूस कर सकते हैं। सामूहिक स्तर पर, शिक्षा और उत्पादकता में गिरावट, स्वास्थ्य पर बढ़ता बोझ और आर्थिक असमानता बढ़ती है। अगर तत्काल और निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और बिगड़ेगी। वायु प्रदूषण शरीर में हानिकारक रासायनिक प्रतिक्रियाओं को जन्म देता है जो कोशिकाओं, प्रोटीन और डीएनए को नुकसान पहुँचाती हैं, जिससे मनोभ्रंश जैसी तंत्रिका संबंधी बीमारियों का मार्ग प्रशस्त होता है। उत्साहजनक रूप से, शोध बताता है कि वायु प्रदूषण को कम करने से स्वास्थ्य, आर्थिक, सामाजिक और जलवायु क्षेत्रों में दीर्घकालिक लाभ मिल सकते हैं। इससे मरीजों, परिवारों और देखभाल करने वालों पर बोझ भी कम होगा। अब हमें खुद से यह सवाल पूछना होगा कि हम न केवल अपने फेफड़ों, बल्कि अपने दिमाग की भी रक्षा के लिए कितनी दूर तक जाने को तैयार हैं?

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

सीजफायर में मध्यस्थता नहीं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को लोक सभा में स्पष्ट किया कि दुनिया के किसी भी नेता ने भारत से 'ऑपरेशन सिंदूर' रोकने के लिए नहीं कहा। लोक सभा में ह्यऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष बहस में हस्तक्षेप करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत ने 'पाकिस्तान की नाभि' पर वार किया है। प्रधानमंत्री ने मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि इस सैन्य अभियान को दुनिया के तमाम देशों का समर्थन मिला लेकिन मुख्य विपक्षी दल का नहीं। प्रधानमंत्री मोदी का बयान महत्त्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप उनतीस बार दावा कर चुके हैं कि भारत और पाकिस्तान ने उनके कहने पर सीजफायर किया था। चर्चा में शिरकत करते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दोहराया कि हिम्मत है तो मोदी ट्रंप को झूठा कहें जो बार-बार दावे करते रहे हैं कि उनके भारत और पाकिस्तान से व्यापार न करने की बात कहने पर दोनों पड़ोसी देशों ने युद्धविराम किया। नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि सरकार में इच्छाशक्ति की कमी के कारण 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत को कुछ विमानों का नुकसान हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सेना को खुली छूट दे दी थी और हम पर परमाणु शक्ति होने के नाम पर पाकिस्तान की 'ब्लैकमेलिंग' का कोई दबाव नहीं है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए भारत ने इस बात को साबित भी किया है। गौरतलब है कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में क्रूर आतंकी घटना घटित हुई जब आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों से धर्म पूछ कर गोलियां चलाई। इस आतंकी घटना में 26 भारतीय नागरिकों की मौत हो गई थी और अनेक घायल हुए। यह आतंकी घटना क्रूरता की पराकाष्ठा थी, जिसने समूचे देश को झकझोर कर रख दिया। यह भारत को हिंसा की आग में झोंकने का एक सुविचारित प्रयासथा। इसके जरिए भारत में दंगे कराने की साजिश थी। लेकिन भारतवासी गजब की एकता दिखाते हुए मुहंतोड़.जवाब दिए जाने के लिए मांग पर अड़िग हो गए। सरकार पर दबाव पड़ा जिसके चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया गया। पाकिस्तान में सक्रिय आतंकी ठिकाने तबाह कर दिए गए। लेकिन एकाएक युद्ध विराम से कयासबाजी होने लगीं। किसी को भी एकाएक युद्ध विराम की घोषणा पची नहीं और इस बीच राष्ट्रपति ट्रंप के बयान से भारत की संप्रभुता और विदेश नीति को लेकर सवाल उठने लगे। लेकिन पीएम मोदी ने स्थिति स्पष्ट कर दी है, और अब शक की गुंजाइश नहीं रहनी चाहिए।

चिंतन-मनन

संत की सीख

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारेंगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, वह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। सबसे पहले पात्रता विकसित करो तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे रहेंगे तो एकाग्रता कहां से आएगी। एकाग्रता भी तभी आती है जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह बेमतलब की बातों को मन-मस्तिष्क से निकाल बाहर करेगा।

वर्ल्ड वाइड वेबः सीमाओं के पार सूचना की स्वतंत्र उड़ान

योगेश कुमार गोयल

इंटरनेट ज्ञान और मनोरंजन का ऐसा खजाना है, जिसके माध्यम से किसी एक कोने में बैठे हुए ही आप दुनिया भर की सैर कर सकते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि इंटरनेट के माध्यम से विश्वभर की हर प्रकार की महत्वपूर्ण जानकारियों को एक छोटे से बंद कमरे में रखे कम्प्यूटर या मोबाइल की स्क्रीन पर समेटकर ला देने वाला मूल मंत्र W W W (वर्ल्ड वाइड वेब) आज हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। यही शब्द प्रतिदिन दुनियाभर में करोड़ों कम्प्यूटरों पर असंख्य बार टाइप किया जाता है लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू' नामक इंटरनेट की मायावी दुनिया में प्रवेश कराने वाली यह खिड़की कब और कैसे अस्तित्व में आई?

वर्ष 1989 में 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू' नामक इस मायावी शब्द को जन्म दिया था ऑक्सफोर्ड के क्वींस कॉलेज से ग्रेजुएशन कर चुके टिम बर्नर्स ली ने। वर्तमान में वेबपेज से जुड़ने या उसका निर्माण करने के लिए जो भी तरीके अपनाए जाते हैं, उनके पीछे बर्नर्स का ही दिमाग है। 8 जून 1955 को लंदन में जन्मे बर्नर्स ली ने 1976 में ऑक्सफोर्ड के क्वींस कालेज से ग्रेजुएशन किया था और उसी दौरान मात्र 21 वर्ष की उम्र में ही उन्होंने अपने लिए एक छोटा सा कम्प्यूटर सैट बना लिया था। बर्नर्स ली के दिमाग में 1980 में अचानक ही 'W W W' से संबंधित शुरूआती विचार आया। उस दौरान वह एक कम्पनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कार्य कर रहे थे। तब उन्होंने कम्प्यूटर में मौजूद विभिन्न फाइलों को आपस में जोड़ने के लिए 'इनक्वायर' नामक एक प्रोग्राम तैयार किया था। वह कम्प्यूटर पर मौजूद अपने दस्तावेजों और फाइलों को खोलने के लिए कुछ खास कोड नंबरों का प्रयोग किया करते थे और उनका यह तरीका कम्प्यूटर पर सफलतापूर्वक काम भी करता था किन्तु उन्होंने इससे भी आगे कुछ करने की ठानी थी।

दरअसल बर्नर्स ली एक ऐसा ग्लोबल प्रोजेक्ट बनाना चाहते थे, जिसकी मदद से दुनिया के सभी कम्प्यूटरों को एक व्यापक सूचना तंत्र द्वारा जोड़ा जा सके और उन्हें अपने उद्देश्य में सफलता भी मिली। वह इंटरनेट के जरिये दुनियाभर के लोगों को सूचनाओं के एक विस्तुत नेटवर्क से जोड़ पाने में सफल हो गए। इस तरह इंटरनेट पर 'W W W' की शुरूआत 1991 में हुई। टिम बर्नर्स-ली को एक इंटरनेट-आधारित संचार प्रणाली विकसित करने में उनकी रचनात्मकता के लिए सम्मानित करने के लिए प्रतिवर्ष 1 अगस्त को 'वर्ल्ड वाइड वेब दिवस' मनाया जाता है। 1993 में इंटरनेट पर 'टेक्सट' के साथ-साथ पिक्चर्स व ग्राफिक्स का प्रसारण भी शुरू हो गया, जिससे धीरे-धीरे इसकी लोकप्रियता बढ़नी शुरू हो गई और आज इंटरनेट की लोकप्रियता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि इंटरनेट का उपयोग करने वालों की संख्या आज दुनिया भर में करोड़ों में हैं।

वैसे तो आज दुनियाभर में हर कोई इस बात से परिचित है कि इंटरनेट ज्ञान और मनोरंजन का खजाना है पर आपको यह खजाना खोजना भी तो आना चाहिए। दरअसल वर्ल्ड वाइड वेब पर एक ही विषय पर महत्वपूर्ण जानकारियों के असंख्य पृष्ठ भरे पड़े हैं, यदि आपको उनमें से अपने मतलब की जानकारी खोजने का तरीका ही मालूम नहीं हो तो आपके लिए यह सब किस काम के? मान लिया जाए कि जिस विषय पर आपको किसी जानकारी की आवश्यकता है, उससे संबंधित कुछ वेबसाइटों की आपको जानकारी भी है लेकिन यदि उन वेबसाइटों पर आपके मतलब की जानकारी न मिले, तब आप क्या करेंगे? आपकी इसी मुश्किल को आसान करता है इंटरनेट सर्च इंजन। इंटरनेट पर कुछ भी खोजते समय इंटरनेट सर्च इंजन ही आपकी मदद करता है। जिस भी विषय के बारे में आप जानकारी चाहते हैं, इंटरनेट सर्च इंजन के टूल बार में उसका नाम टाइप करने के बाद एक क्लिक करते ही यह उस विषय से संबंधित ढ़ेरों पेज आपके सामने खुल जाते हैं और इस तरह आप अपनी जरूरत आसानी से पूरी कर सकते हैं।

दरअसल सर्च इंजन एक ऐसा प्रोग्राम है, जो विभिन्न प्रोग्राम्स के तहत कार्य करता है और इंटरनेट पर उपलब्ध सभी वेबसाइटों के लाखों-करोड़ों पृष्ठों को अपने अंदर समेटे रहता है। यही नहीं, इन पृष्ठों की संख्या में आए दिन वृद्धि होती जाती है। यह वेब आधारित एक ऐसी विशेष साइट है, जिसकी सहायता से आप किसी भी विषय पर एकत्रित की गई सूचनाओं तक आसानी से पहुंच सकते हैं। जब भी आप सर्च इंजन में कोई शब्द या वाक्य टाइप कर उससे संबंधित जानकारी चाहते हैं तो सर्च इंजन उस शब्द या वाक्य से संबंधित पृष्ठों की एक विस्तृत सूची बनाकर आपके सामने लाकर रख देता है, जिसमें से आप अपनी जरूरत की जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं। 'गूगल', 'याहू', 'खोज' इत्यादि कुछ ऐसे सर्च इंजन हैं, जो आज दुनियाभर में प्रसिद्ध हैं और प्रतिदिन लाखों-करोड़ों बार हिट किए जाते हैं। यदि आप किसी खास विषय से संबंधित जानकारी पाना चाहते हैं तो अपनी खोज को विशेष बनाने के लिए टाइप किए जाने वाले शब्दों के साथ + , - इत्यादि चिन्हों का प्रयोग कर सकते हैं। उदाहरण के तौर पर यदि आप चाहते हैं कि आप द्वारा खोजे जा रहे वेबपज पर इंदिरा और राजीव दोनों का ही नाम हो तो आप सर्च इंजन के टूल बार में इंदिरा+राजीव टाइप करके एंटर कर दें, आप द्वारा चाही गई जानकारी कुछ ही पलों में आपके सामने होगी।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

सीवर में मौत : संवेदनहीनता की पराकाष्ठा

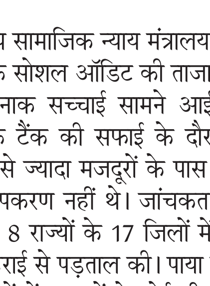
पंकज चतुर्वेदी

केंद्रीय सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा कराए गए एक सोशल ऑडिट की ताजा रिपोर्ट से बेहद दर्दनाक सच्चाई सामने आई है कि सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान जान गंवाने वाले 90प्र. से ज्यादा मजदूरों के पास किसी भी तरह के सुरक्षा उपकरण नहीं थे। जांचकताओं ने 2022-23 के बीच 8 राज्यों के 17 जिलों में हुई में हुई 54 मौतों की गहराई से पड़ताल की। पाया कि 54 मौतों में से 49 मामलों में मजदूरों ने कोई भी सुरक्षा उपकरण नहीं पहना था। पांच मामलों में उनके पास दस्ताने थे और सिर्फ एक मामले में दस्ताने और गमबूट, दोनों थे।

इससे भी ज्यादा गंभीर बात यह है कि 47 मामलों में मजदूरों को सफाई के लिए कोई भी मशीनी उपकरण नहीं दिया गया था। यही नहीं, 27 मामलों में तो मजदूरों से काम के लिए सहमति तक नहीं ली गई थी और जिन 18 मामलों में लिखित सहमति ली भी गई, वहां उन्हें काम में शामिल जान के खतरों के बारे में कुछ नहीं बताया गया। सरकार ने संसद में स्वीकार किया कि 'नमस्ते' योजना के तहत 'खतरनाक तरीके से सीवर की सफाई' की समस्या के निराकरण पर काम करना बचा है। नमस्ते योजना के तहत अब तक देश भर में 84,902 सीवर और सेप्टिक टैंक कर्मचारियों की पहचान की गई है, जिनमें से आधे से कुछ ज्यादा को ही पीपीई किट और सुरक्षा उपकरण दिए गए हैं।

विदित हो कोई पांच साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि यदि सीवर की सफाई के दौरान श्रमिक मारे जाते हैं, तो उनके परिवार को सरकारी अधिकारियों को 30 लाख रुपये मुआवजा देना होगा। जस्टिस एस रवींद्र भट और जस्टिस अरविंद कुमार की बेंच ने साथ ही कहा था कि सीवर की सफाई के दौरान स्थायी विकलांगता का शिकार होने वालों को न्यूनतम मुआवजे के रूप में 20 लाख रुपये और अन्य किसी विकलांगता से ग्रस्त होने पर 10 लाख रुोपये का मुआवजा देना होगा। यह आदेश भी क्रियान्वयन के धरातल पर उतर नहीं पाया क्योंकि सीवर की सफाई करने वालों में से अधिकांश को कार्य सौंपने का कोई दस्तावेज ही नहीं होता।

सीवर के मौतघर बनने का कारण सीवर की जहरीली गैस बताया जाता है। हर बार कहा जाता है कि यह लापरवाही का मामला है। पुलिस ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज कर कर्त्तव्य की इतिश्री कर लेती है। शायद यह पुलिस को भी नहीं मालूम है कि इस तरह सीवर सफाई का ठेका देना हाई कोर्ट के आदेश के विपरीत है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और मुंबई हाई कोर्ट ने 12 साल पहले सीवर की सफाई के लिए दिशा-निर्देश जारी किए थे। सरकार ने भी 2008 में अध्यादेश ला कर गहरे सीवर में सफाई का काम करने वाले मजदूरों को सुरक्षा उपकरण प्रदान करने की अनिवार्यता की बात कही थी। लेकिन समस्या यह है कि अधिकांश मामलों में मजदूरों को काम पर लगाने का कोई रिकार्ड ही नहीं होता। सिद्ध करना मुश्किल होता है कि अमुक को अमुक ने इस काम के लिए बुलाया था या काम सौंपा था। अनुमान है कि हर साल देश भर के सीवरों में औसतन एक हजार लोग दम घुटने से मरते हैं। जो दम घुटने से बच जाते हैं, उनका जीवन सीवर की विषैली गंदगी के कारण नरक से भी बदतर हो जाता है। देश में दो लाख से अधिक लोग जाम सीवरों को खोलने, मेनहोल में घुस कर जमा गादङ्क पत्थर हटाने के काम में लगे हैं। महीनों से बंद पड़े इन नरक कुंडों में कार्बन मोनो आक्साइड, हाईड्रोजन सल्फाइड, मीथेन जैसी दमघोटू गैसें होती हैं।

यह शर्मनाक पहलू यह है कि जानते हुए भी कि भीतर जानलेवा गैस और रसायन हैं, एक इंसान दूसरे इंसान को बगैर सुरक्षा-साधनों के भीतर ढकेल देता है। सीवरों में घरेलू निस्तार ही नहीं होता, उनमें कारखानों की गंदगी भी होती है। आज घर भी विभिन्न रसायनों के प्रयोग स्थल बन चुके हैं। इनसे निकसित पानी में ग्रीसझ्रचिकनाई, क्लोराइड और सल्फेट, पारा, सीसा के यौगिक, अमोनिया गैस और न जाने क्या-क्या होता है। सीवरेज के पानी के संपर्क में आने पर सफाईकर्मी के शरीर पर छाले या घाव पड़ना आम है। नाइट्रेट और नाइट्राइड के कारण दमा और फेफड़े.के संक्रमण होने की प्रबल आशंका होती है। सीवर के भीतर का अधिक तापमान इन घातक प्रभावों को कई गुना बढ़ा देता है। बदबू , गंदगी और रोजगार की अनिश्चितता में

जीने वाले इन लोगों का शराब व अन्य नशों की गिरफ्त में आना लाजिमी है, जो गंभीर बीमारियों को खुला न्योता है।

वैसे कानून है कि सीवर सफाई करने वालों को गैस -टेस्टर (जहरीली गैस की जांच का उपकरण), गंदी हवा बाहर फेंकने के लिए ब्लोअर, टॉर्च, दस्ताने, चश्मा, कान ढंकने का कैप, हैलमेट मुहैया करवाना आवश्यक है। मुंबई हाई कोर्ट का निर्देश था कि सीवर की सफाई का काम ठेकेदारों के माध्यम से कतई नहीं करवाना चाहिए। काश! कानून इतनी कड़ाई से लागू हों कि मुआवजा देने की नौबत आए ही नहीं व सफाई कार्य से पहले ही जिम्मेदार एजेंसियां सुरक्षा उपकरण और कानून के प्रति संवेदनशील हों।

ट्रंप के टैरिफ लगाने और युद्धविराम के मुद्दों पर सरकार दे जवाबः प्रियंका गांधी

–ये अमेरिका की ब्लैकमेलिंग ऑपरेशन सिंदूर भी रुकवाया, समझौता भी नहीं किया

बीकानेर (एजेंसी)। नई दिल्ली, (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा और भारत-पाकिस्तान युद्ध संबंधी विवादास्पद बयान पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने दोनों मुद्दों पर केंद्र की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार को देश की जनता को जवाब देना चाहिए।

प्रियंका ने कहा कि सबने देखा कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने क्या कहा है। उन्होंने टैरिफ के बारे में बात की, जंग के बारे में फिर से कहा कि उनके कहने पर भारत और पाकिस्तान ने जंग रोकी। दोनों बातों पर सरकार को जवाब देना होगा।

वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा टैरिफ की घोषणा पीएम मोदी और भारत के लिए एक बड़ा झटका है। हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रंप का कोई फ़ायदा नहीं हुआ। राष्ट्रपति ट्रंप 30 बार कह चुके हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर रुकवाया और इसलिए रुकवाया ताकि अच्छी ट्रेड डील हो सके। अब 25 फीसदी टैरिफ की घोषणा कर दी है और जुर्माना भी लगाने की बात कही है। ऐसे में सवाल है कि इस दोस्ती से हमें क्या मिला? सवाल ये भी कि अमेरिका कौन होता है हमें ये बताने के लिए हम कहां से क्या खरीदेंगे?

रमेश ने कहा कि यह हमारे देश, हमारी अर्थव्यवस्था और प्रधानमंत्री के लिए बहुत बड़ा झटका है, लेकिन पीएम को डरना नहीं चाहिए, उन्हें डटकर देशहित ऊपर रखना चाहिए। ये अमेरिका की ब्लैकमेलिंग है। ऑपरेशन सिंदूर भी रुक गया, ट्रेड समझौता भी नहीं हुआ और उसके ऊपर पेनल्टी भी लग गई। राज्यसभा चल रही थी, लेकिन पीएम मोदी सदन में आए नहीं। पीएम मोदी को पता चल गया था कि सवाल ट्रंप पर किया जाएगा, क्योंकि 25 फीसदी टैरिफ वाली बात सामने आ चुकी है। हम ये सोच रहे थे कि हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौतियां पाकिस्तान और चीन है, लेकिन अब अमेरिका भी हमारे लिए मुसीबत बन गया है।

वहीं समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने ट्रम्प द्वारा भारतीय उत्पादों पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा पर कहा कि कुछ दिनों पहले एक प्रेस वार्ता के दौरान जब किसी पत्रकार ने ट्रम्प से पीएम मोदी के बारे में पूछा तो ट्रम्प ने कहा कि मोदी मेरे दोस्त हैं, लेकिन मुझे पाकिस्तान से प्यार है...ट्रम्प का व्यवहार पूरी दुनिया में दूसरे देशों के प्रति ऐसा है कि जैसे वे राजा हों और दूसरे लोग प्रजा हों। ऐसा कभी किसी बड़े और ताकतवर देश ने दूसरे देशों के साथ नहीं किया है। हिंदुस्तान को नए सिरे से सोचना होगा।

पीएम मोदी से कोई भी काम धमकी देकर नहीं कराया जा सकता

-कवि कुमार विश्वास ने भारत पर टैरिफ लगाने पर ट्रंप को दी नसीहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से होने वाले आयात पर 25 फीसदी टैरिफ और अतिरिक्त जुर्माने का ऐलान कर दिया है। यह फैसला 1 अगस्त से लागू होगा। ट्रंप ने कहा है कि यह फैसला भारत की ओर से रूस से सैन्य उपकरण और ऊर्जा खरीदने को लेकर किया है। ट्रंप के टैरिफ लगाने के ऐलान के बाद अब सियासी घमासान शुरु हो गया है। कवि कुमार विश्वास ने कहा कि जो लोग पीएम मोदी को थोड़ा सा भी जानते हैं उन्हें मालूम है कि उनसे कोई भी काम धमकी देकर कोई नहीं करा जा सकता। ऐसे उन्होंने यूएस राष्ट्रपति को खास नसीहत दी है। कुमार विश्वास ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- राष्ट्रपति ट्रंप के जो भी सलाहकार हैं वे उन्हें भारत के बारे में दो सलाह गलत दे गए। पहली तो यह कि ये संघर्ष और चुनौती को अपने अंतिम आदमी तक ले जाने वाला नया भारत है और अब इसे लड़कर जीतने की धीरे-धीरे आदत सी हो गई है। उन्होंने आगे कहा कि दूसरे यह कि जो लोग पीएम मोदी को थोड़ा सा भी जानते हैं उन्हें मालूम है कि उनसे कोई भी काम धमकी देकर कोई नहीं कराया जा सकता। उल्टे आपत्ति और चुनौती के समय तो पीएम मोदी की कार्यक्षमता और दक्षता सर्वोत्तम होती है। कुल मिलाकर ट्रंप समेत दुनिया के सभी दादाओं से निवेदन है कि अपनी तेल-चटाई चाहे पाकिस्तान ले जाएं या चीन, भारत के विकास और शक्ति की बीन तो यूं ही बजेगी। विश्वास का ये ट्वीट ऐसे समय में आया जब एक दिन पहले ही ट्रंप ने टैरिफ की घोषणा की है। ट्रंप ने कहा है कि याद रखिए, भले ही भारत हमारा मित्र है, लेकिन सालों से हमने भारत के साथ अपेक्षाकृत बहुत कम व्यापार किया है, क्योंकि उनके टैरिफ बहुत ज्यादा हैं। अमेरिका को भारत के साथ व्यापार घाटे का सामना करना पड़ रहा है।

डीजीसीए ने एअर इंडिया में कई बड़ी खामियां पकड़ी... इसमें से 7 गड़बड़ियां लेवल-1 की

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के अंदर विमानों की सुरक्षा देखने वाली संस्था नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने टाटा समूह की एयरलाइन एअर इंडिया में कई बड़ी खामियां पकड़ी हैं। सूत्रों के मुताबिक इसमें पायलटों और केबिन क्रू की ट्रेनिंग, उनके आराम और ड्यूटी के नियम और उड़ान भरने-उतरने से जुड़े मानकों में करीब 100 तरह की गड़बड़ियां सामने आई हैं। हालांकि, रिपोर्ट के मुताबिक, ये संख्या 51 है। इसमें से 7 गड़बड़ियां लेवल-1 की हैं। ये सबसे गंभीर सुरक्षा जोखिम हैं और एयरलाइन को इन्हें 30 जुलाई तक ठीक करना होगा। बाकी 44 खामियों को 23 अगस्त तक सुधारने का आदेश दिया गया है। हालांकि, अभी इन खामियों की लिस्ट सार्वजनिक नहीं हुई है। एअर इंडिया ने इन ऑडिट नतीजों को स्वीकार कर कहा है कि वे तय समय के अंदर डीसीजीए को अपना जवाब देगी। डीजीसीए एअर इंडिया के गुरुग्राम में बने मुख्य सेंटर पर 1 से 4 जुलाई तक एक बड़ा ऑडिट हुआ था। इसमें फ्लाइट ऑपरेशन, शेड्यूल बनाने, रोस्टरिंग और कई दूसरे पहलुओं की जांच की गई थी। डीजीसीए ने 23 जुलाई को एअर इंडिया को चार कारण बताओ नोटिस भेज दिए थे। ये केबिन क्रू के आराम और ड्यूटी नियमों, ट्रेनिंग रूल्स, और ऑपरेशनल प्रोसीजर के उल्लंघन को लेकर थे। इससे पहले 21 जून को डीजीसीए ने चालक दल की शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग की जिम्मेदारी से जुड़े तीन अधिकारियों को हटाने के निर्देश दिए थे। डीजीसीए ने उनकी कार्यशैली में गंभीर लापरवाही पाई थी।

निमिषा प्रिया की फांसी के संवेदनशील मामले में किसी तरह की कयासबाजी अनुचित

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल की रहने वाली भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को यमन में दी गई सजा-ए-मौत यानी फांसी की सजा जैसे संवेदनशील मामले में किसी भी प्रकार का अनुमान लगाना या कयासबाजी करना पूरी तरह से गलत है। जिससे हर हाल में बचा जाना चाहिए। सरकारी सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। इससे पहले विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को भारत के ग्रैंड मुफ्ती कंथापुरम एपी मुसलियार के निमिषा की फांसी की सजा के यमन में रद्द किए जाने के दावे को सिरे से खारिज कर दिया था। वहीं, यह ताजा स्पष्टीकरण भी ग्रैंड मुफ्ती से ही जुड़ा हुआ है। जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय और विदेश मंत्रालय के मामले में उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों से अवगत होने की बात कही है। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने भारतीय नर्स के मामले से जुड़ी हुई खबरें और उनमें किए गए दावों को देखा है। जो कि पूरी तरह से गलत हैं। यहां बता दें कि निमिषा प्रिया को 2017 में यमन के एक नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या के मामले में वहां की शीर्ष अदालत द्वारा फांसी की सजा सुनाई गई है। पहले 16 जुलाई को फांसी होनी थी। लेकिन फिर भारतीय अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद इसे अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया है। इन सबके बीच मंत्रालय ने इसी महीने 17 जुलाई को कहा था कि निमिषा प्रिया के मामले में वह यमन के अधिकारियों-प्राधिकारियों के साथ संपर्क बना हुआ है। साथ ही भारत ने कुछ मित्र देशों से संपर्क साधा गया है। भारत की यमन में कूटनीतिक रूप से कोई मौजूदगी नहीं है। जिसके चलते सऊदी अरब में मौजूद भारतीय राजदूतों द्वारा मामले की देखरेख की जा रही है। यमन की राजधानी सना की जेल में निमिषा बंद हैं और इस पर वर्तमान में हूती विद्रोहियों का कब्जा है।

मणिपुर में अवैध वसूली के आरोप में चार उग्रवादियों समेत पांच गिरफ्तार

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के कई जिलों से सुरक्षा बलों ने अवैध वसूली करने के आरोप में तीन प्रतिबंधित संगठनों के चार उग्रवादियों समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि ये सभी गिरफ्तारियां बुधवार को की गईं। पुलिस ने बताया कि बिष्णुपुर जिले में नगाईखोंग खुनोऊ जांच चौकी पर तलाशी और जांच के दौरान प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के एक सक्रिय कैडर और उसके सहयोगी को वसूली की गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में पकड़ा। इंफाल और बिष्णुपुर जिलों में ठेकेदारों, व्यापारियों और आम जनता से पैसे मांगने का आरोप है। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के एक सदस्य को वसूली, लोगों को धमकाने और संगठन के लिए कार्यकर्ताओं की भर्ती करने के लिए थौबल जिले के हीरोल पार्ट-2 से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलीपाक (प्रो) के एक सक्रिय सदस्य को वसूली की गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में इंफाल पश्चिम जिले के ताओथोंग खुनोऊ से गिरफ्तार किया है। प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वार ग्रुप) के एक अन्य सदस्य को इंफाल पूर्व जिले के कैरांग चिंग्या से गिरफ्तार किया है। इस बीच, एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने बुधवार को चुराचंदपुर और थौबल जिलों में अलग-अलग अभियानों के दौरान 26 आग्नेयास्त्र, विस्फोटक और गोला-बारूद बरामद किया है।

धोखाधड़ी के आरोप में तमिल अभिनेता एस. श्रीनिवासन गिरफ्तार

चेन्नई (एजेंसी)। तमिल अभिनेता एस. श्रीनिवासन को दिल्ली की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने 5 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया है। उन पर एक कंपनी को 1000 करोड़ रुपये का लोन दिलाने के बहाने ठगी करने का आरोप है और उन्हें मामले का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। शिकायतकर्ता कंपनी ने कथित तौर पर लोन एग्रीमेंट के तहत 5 करोड़ रुपये की प्रोसेसिंग फीस का भुगतान किया था। इसके बाद न उन्हें कोई लोन मिला और न ही 5 करोड़ रुपये वापस किए गए। गारंटी के तौर पर दिया गया चेक भी अपर्याप्त शेष राशि के कारण स्वीकार नहीं हुआ। पुलिस की जांच में सामने आया कि 27 दिसंबर 2010 को शिकायतकर्ता कंपनी से 5 करोड़ रुपये मेसर्स बाबा ट्रेडिंग कंपनी को ट्रांसफर किए गए थे। इसके बाद ये पैसे श्रीनिवासन और उनकी पत्नी के खातों में स्थानांतरित हुए।

विपक्ष के आरोप पर केंद्रीय मंत्री रिजिजू... जबाव कौन देगा ये सरकार तय करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में विपक्ष और केंद्र सरकार के बीच ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा के जवाब को लेकर तीखी बहस हुई, इसकारण सदन की कार्यवाही शाम 4:30 बजे तक स्थगित करनी पड़ी। विपक्षी सांसद इस बात से नाराज़ थे कि प्रधानमंत्री मोदी ने चर्चा का जवाब नहीं दिया, बल्कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिया। विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उनकी आपत्ति इस बात पर नहीं थी कि प्रधानमंत्री ने जवाब नहीं दिया, बल्कि इस बात पर थी जब गृह मंत्री ने कहा कि मैं अकेले आपको निपट लूंगा, इससे सभी सांसदों का अनादर हुआ।

इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने स्पष्ट किया कि चर्चा का जवाब कौन देगा, यह विपक्ष नहीं, बल्कि सरकार तय करती है। उन्होंने 2008 के मुंबई आतंकी हमले का हवाला दिया जब तत्कालीन गृह मंत्री ने सदन में जवाब दिया था, न कि प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने। रिजिजू ने बताया कि प्रधानमंत्री ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर 1 घंटा 42 मिनट तक विस्तार से जवाब दिया था।

इसके पहले गुरुवार सुबह से ही राज्यसभा में कई अन्य मुद्दों को लेकर हंगामा चल रहा था, जिसमें बिहार में मतदाता सूची की जांच, अमेरिका के टैरिफ, महिलाओं के खिलाफ अपराध और सभापति के इस्तीफे जैसे मुद्दे शामिल थे। विपक्षी सांसदों ने नियम 267 के तहत इन मुद्दों पर चर्चा की मांग की, लेकिन अनुमति न मिलने पर उन्होंने ज़ोरदार नारेबाजी की, जिसके कारण सदन की कार्यवाही कई बार स्थगित करनी पड़ी।

सांसद कार्ति चिदंबरम ने पीएम को लिख पत्र कहा- आवारा कुत्ते बड़ी समस्या, टास्क फोर्स बनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद कार्ति चिदंबरम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर देशभर में तेजी से बढ़ रही आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर चिंता जताई है और इस मुद्दे से प्रभावी तरीके से निपटने के लिए एक राष्ट्रीय टास्क फोर्स के गठन की मांग की है।

कार्ति चिदंबरम ने अपने पत्र में लिखा कि देश के विभिन्न हिस्सों से लगातार कुत्तों के काटने की घटनाएं, बच्चों और बुजुर्गों पर हमलों की खबरें सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों द्वारा उठाए गए कदम अपर्याप्त और बिखरे हुए हैं। ऐसे में केंद्र सरकार को एक सुनियोजित और समन्वित नीति बनानी चाहिए।

यह केवल जानवरों का नहीं, जन सुरक्षा का गंभीर मुद्दा है। देश के हर नागरिक को सुरक्षित वातावरण देना सरकार की जिम्मेदारी है। इसके लिए एक उच्चस्तरीय टास्क फोर्स बनाई जाए जो सभी राज्यों, नगरपालिकाओं, स्वास्थ्य एवं पशु कल्याण विभागों के साथ मिलकर ठोस कार्ययोजना बनाए।

उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में नसबंदी, टीकाकरण, और कुत्तों के पुनर्वास को लेकर कोई स्पष्ट और एकसमान दिशा-निर्देश नहीं हैं। इससे नीति निर्माण और अमल में भारी असमंजस की स्थिति बनी रहती है।

कार्ति ने सुझाव दिया कि प्रस्तावित टास्क फोर्स में स्वास्थ्य मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय, पशु कल्याण बोर्ड, विशेषज्ञ एनजीओ, और राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए ताकि हर पहलू से समस्या का समाधान संभव हो। उन्होंने यह भी चेताया कि अगर जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह रैबीज और अन्य संक्रमणों के रूप में जनस्वास्थ्य संकट बन सकता है। उन्होंने ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों की ओर भी ध्यान दिलाया, जहां ऐसी घटनाएं अधिक होती हैं लेकिन दर्ज नहीं होतीं। गौरतलब है कि हाल के महीनों में सोशल मीडिया पर कुत्तों के हमलों के वीडियो, नवजातों की मौत, और स्कूल जाते बच्चों पर हमले जैसी खबरों ने इस मुद्दे को लेकर जनचिंता को और गहरा कर दिया है।

फिलहाल प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से इस पत्र पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन सूत्रों के अनुसार यह मुद्दा अंतर-मंत्रालयी स्तर पर चर्चा के लिए जल्द उठाया जा सकता है।

विदित हो कि आवारा कुत्तों के संदर्भ में पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल ने भी अपनी स्वयंसेवी संस्था के मार्फत समूची दिल्ली में एक अभियान चलाया हुआ है। उन्होंने भी सरकार से आग्रह किया है कि इस दिशा में जल्द ठोस उपाय किये जाएं।

ऑनलाइन धोखाधड़ी, चाहे कितनी भी छोटी क्यों न हो जांच के दायरे में होगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश पुलिस मुखिया ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए पांच लाख की सीमा को हटाने सहित साइबर अपराध से निपटने के लिए कई सुधारों की घोषणा की। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 के लिए एक कॉल सेंटर के उद्घाटन के दौरान इन बदलावों के बारे में बताया। इस कॉल सेंटर के जरिये वित्तीय साइबर अपराधों के पीड़ितों को चौबीसों घंटे सहायता प्रदान की जाएगी। यूपी पुलिस डीजीपी कृष्ण ने बताया कि कांस्टेबलों से लेकर निरीक्षकों तक कुल 94 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं, जिसमें 50 कॉलर पाली के हिसाब से काम करने वाले है। डीजीपी कृष्ण ने बताया कि कॉल सेंटर पर प्राप्त शिकायतें भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र, साइबर अपराध मुख्यालय और जिला पुलिस इकाइयों के मंचों पर वास्तविक समय में दिखाई देंगी। उन्होंने बताया कि केवल पांच लाख रुपये से अधिक की साइबर धोखाधड़ी में ही प्राथमिकी दर्ज करने के नियम को रद्द किया गया है। अधिकारी ने बताया कि 2023 में 57 नए साइबर थानों की स्थापना के साथ, सभी प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी, चाहे वह कितनी भी छोटी क्यों न हो जांच के दायरे में होगी।

मालेगांव मामले में औवेसी ने पूछा... क्या फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी केंद्र और महाराष्ट्र सरकार

हमले में जान गंवाने वाले लोगों की जवाबदेही कौन लेगा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2008 के मालेगांव बम ब्लास्ट मामले में एनआईए की विशेष अदालत के फैसले पर एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने केंद्र और महाराष्ट्र सरकार से सवाल किया है कि क्या वे अदालत के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

एआईएमआईएम सांसद ओवैसी ने कहा, 2008 के मालेगांव बम विस्फोट में छह नमाजियों की मौत हुई थी और करीब 100 लोग घायल हुए थे। मुंबई एटीएस ने शुरुआत में शहीद हेमंत करकरे के नेतृत्व में जांच की थी, इसके बाद एनआईए को केस ट्रांसफर हुआ। इस जांच में भारी खामियां थीं। अब, 17 साल के बाद अदालत ने सभी आरोपियों को बरी किया है। मेरा सवाल केंद्र और महाराष्ट्र सरकार से है कि जिस तरह उन्होंने 2006 के मुंबई ट्रेन ब्लास्ट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, अगर वे अब सुप्रीम कोर्ट नहीं जाते, तब क्या यह आतंकवाद के प्रति पाखंड नहीं होगा?

उन्होंने सवाल उठाया कि ब्लास्ट में इस्तेमाल हुआ मिलिट्री-ग्रेड आरडीएक्स कहां से आया। ओवैसी ने कहा, समझौता ब्लास्ट, मक्का मस्जिद ब्लास्ट, मुंबई ट्रेन ब्लास्ट, 2006 मालेगांव ब्लास्ट और 2008 ब्लास्ट किसने किया, किसी को भी नहीं मालूम है। असली गुनहगार कौन हैं, जो अभी भी आजाद घूम रहे हैं? जिन्होंने वास्तव में घटना को अंजाम दिया, वे खुलेआम घूम रहे हैं। मेरा सवाल यह है कि क्या मोदी सरकार और महाराष्ट्र सरकार इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी?

एआईएमआईएम नेता वारिस पठान ने मालेगांव ब्लास्ट केस में प्रतिक्रिया देकर कहा, स्पेशल कोर्ट ने सात आरोपियों को मालेगांव ब्लास्ट केस में बरी किया है। इस मामले में सबसे अहम बात यह है कि 6 नमाजियों की मौत हुई और 100 से अधिक लोग घायल हो गए। मैं पूछना चाहता हूं कि ये बम आया कहां से? उस दौरान एनआईए और एटीएस ने कहा था कि बाइक साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर के नाम पर थी, लेकिन अब उन्हें छोड़ दिया गया है। इस हमले में जान गंवाने वाले लोगों की जवाबदेही कौन लेगा?

सीएम साय ने सांसदों के साथ दिल्ली में की बैठक, औद्योगिक नीति, निवेश प्रोत्साहन पर चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली स्थित 17, छत्तीसगढ़ सदन में राज्य से संबंधित सांसदों से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर आयोजित रात्रि भोज के दौरान मुख्यमंत्री ने सांसदों के साथ राज्य एवं राष्ट्र से जुड़े समसामयिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने इस दौरान छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति, निवेश प्रोत्साहन के प्रयास, युवाओं के लिए उभरते अवसर, किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण, तथा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हो रहे परिवर्तनकारी विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने सभी सांसदों को छत्तीसगढ़ के समग्र विकास में उनके योगदान के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी से राज्य की प्राथमिकताएं और ज़मीनी आवश्यकताएं राष्ट्रीय मंच पर प्रभावी ढंग से रखी जा सकती हैं। इस सौहार्दपूर्ण मुलाक़ात में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में हो रहे व्यापक और सकारात्मक परिवर्तनों की चर्चा भी हुई। सांसदों ने छत्तीसगढ़ में केंद्र सरकार की योजनाओं की प्रगति को लेकर अनुभव साझा किए और राज्य में उनकी ज़मीनी पहुंच पर भी प्रकाश डाला। लंबे समय के बाद सांसदों के साथ सीएम की चर्चा हो रही है। ऐसे समय में जब संसद का सत्र चल रहा हो राज्य के लिए सवालों का गणित संसद में क्या हो सकता है, कौन क्या सवाल उठाये, कौन कौन चर्चा में भाग लेकर प्रदेश के विभिन्न विषयों को प्रभावी ढंग से सदन के पटल पर रखे, कुछ ऐसे विषयों के साथ पूर्व के भाजपा शासनकाल में सीएम रहे डॉ रमन सिंह दिल्ली में बैठकें किया करते थे। तब उन्होंने सांसदों में से ही एक को वरिष्ठता के आधार पर कोर्डिनेटर भी बनाया था ताकि सांसदों के साथ सीएम का विषयवार समन्वय बना रहे। उसी तर्ज पर अब सीएम विष्णु देव साय ने बैठकों का सिलसिला शुरू किया है।

कौन होगा बीजेपी का नया बॉस... इन चार राज्यों में बॉस की नियुक्ति के बाद होगा तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष कब मिलेगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। बीजेपी के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव तभी हो सकता है जब करीब 50 प्रतिशत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में संगठनात्मक चुनाव पूरे हो जाएं। खबरों के अनुसार, बीजेपी जल्दी ही उत्तर प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक और त्रिपुरा में नए प्रदेश अध्यक्षों का ऐलान करेगी, जिसके बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी। इन राज्यों में संगठनात्मक चुनाव अभी पूरे नहीं हुए हैं या प्रदेश अध्यक्षों के कार्यकाल समाप्त हो गए हैं, जिससे राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में देरी हो रही है।

फिलहाल भूपेंद्र सिंह चौधरी यूपी प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी देख रहे हैं, लेकिन उनका कार्यकाल समाप्त हो चुका है। यह बीजेपी के लिए सबसे बड़ा और अहम राज्य है, इसलिए यहां की नियुक्ति पूरे संगठन पर असर डाल सकती है। इसके अलावा गुजरात में भी प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति प्रक्रिया अंतिम चरण में है और जल्द ही नए अध्यक्ष के नाम का ऐलान हो सकता है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का गृह राज्य होने के कारण यह चयन बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वहीं दक्षिण के राज्य कर्नाटक में संगठनात्मक चुनावों में देरी के कारण अभी तक नया प्रदेश अध्यक्ष नहीं चुना गया है। कर्नाटक दक्षिण भारत में बीजेपी का मजबूत गढ़ माना जाता है। पूर्वोत्तर भारत के त्रिपुरा राज्य में राजीव भट्टाचार्य 2022 से प्रदेश अध्यक्ष हैं। अब पार्टी यहां भी नए नेतृत्व की ओर बढ़ रही है।

दरअसल बीजेपी के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव तभी संभव है जब देश के आधे से ज्यादा राज्यों में संगठनात्मक चुनाव हो चुके हों। लेकिन अभी तक कई राज्यों, खासकर उत्तर प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक और त्रिपुरा में यह प्रक्रिया अधूरी है। इतना ही नहीं 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ के अप्रत्याशित इस्तीफे ने भी इस चुनाव प्रक्रिया को अधर में डाल दिया है। अब पार्टी का पूरा ध्यान नए उपराष्ट्रपति के चुनाव पर केंद्रित हो गया है।

अध्यक्ष बनने की प्रक्रिया

बीजेपी के संविधान की धारा-19 और 20 के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव एक तय प्रक्रिया से होता है। इसके लिए एक इलेक्टोरल कॉलेज तैयार किया जाता है जिसमें राष्ट्रीय परिषद और प्रदेश परिषद के सदस्य होते हैं। उम्मीदवार का कम से कम 15 साल का प्राथमिक सदस्य होना जरूरी होता है और उसे 20 प्रस्तावक मिलने चाहिए, जो 5 अलग-अलग राज्यों से हों जहां संगठनात्मक चुनाव पूरे हो चुके हों। इसके बाद वोटिंग होती है और मतगणना के बाद परिणाम घोषित किया जाता है। संक्षेप में, बीजेपी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चयन तब तक संभव नहीं है जब तक यूपी, गुजरात, कर्नाटक और त्रिपुरा जैसे राज्यों में संगठनात्मक नियुक्तियां पूरी नहीं होतीं और आधे से ज्यादा राज्यों में संगठनात्मक चुनाव संपन्न नहीं हो जाते।

शादी या किसी भी पारंपरिक त्योहारों की बात हो या जाना हो किसी पार्टी में, मेहँदी के बिना मेकअप पूरा नहीं होता। सोलह श्रृंगार में प्रतिष्ठित मेहँदी की रंगत भी समय के साथ काफी बदली है। अब तो मेहँदी लगाने से लेकर उसे तैयार करने के तरीके में खासा बदलाव आ गया है। बदलाव की इस दौड़ में ग्लिटर और टैटू भी मेहँदी की लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

मेहँदी है रचने वाली

हाथों में गहरी लाली

मेहँदी परंपरा से अधिक अब फैशन बन गई है और जरूरत, रचाने के लिए मेहँदी उपलब्ध समय, समारोह के प्रकार के हिसाब से अलग- अलग रूपों में लगाई जाने लगी है। मेहँदी के क्षेत्र में हुए सारे परिवर्तन आज की महिलाओं ने न सिर्फ अपना लिए हैं बल्कि अब ये सब फैशन के अंग हो गए हैं।

ग्लिटर मेहँदी का ग्लो

फैशनेबल मेहँदी के रूप में ग्लिटर मशहूर है। यूँ ग्लिटर मेहँदी में मेहँदी का कोई उपयोग नहीं होता। यह शुद्धरूप से केमिकल से बनी होती है, पर तुरन्त लग जाने और ग्लो करने के साथ ही यह हर कलर में उपलब्ध होती है। इसलिए मैचिंग के दीवाने इसका खूब उपयोग करते हैं। जिस कलर की ड्रेस पहनी हो उसी कलर की मेहँदी भी लगानी हो तो ग्लिटर मेहँदी सबसे अधिक उपयुक्त होती है। अब इसके साथ स्टोन का भी चलन है। ग्लिटर के साथ ही मैचिंग स्टोन या कंट्रास्ट स्टोन लगाकर मेहँदी को आकर्षक बनाया जाता है।

टैटू मेहँदी, झटपट मेहँदी

यूँ टैटू मेहँदी से काफी अलग है पर इसने मेहँदी का स्थान ले लिया है। इसे झटपट मेहँदी भी कहते हैं। मेहँदी के रूप में प्रयुक्त टैटू मेहँदी वाली डिजाइन में मिलने लगे हैं। बस पाँच मिनट में तैयार इस मेहँदी का प्रयोग हाथों से अधिक पेट, कमर, गले और बाजू में किया जाता है। टैटू पारंपरिक और अरेबियन दोनों प्रकार के डिजाइनों में उपलब्ध होते हैं। पेड़ से पत्ते तोड़कर सिल पर पीसने और हाथों में रचाने का सिलसिला तो पुराना हो ही चुका है अब तो पैक मेहँदी पाउडर की जगह तैयार कोन भी मिलने लगी हैं। बस कोन खरीदें और लगाना शुरू करें।

पारंपरिक का जलवा

वैसे तो फैशन के हिसाब से मेहँदी की डिजाइनों में काफी बदलाव आया है। जब बात त्योहारों और शादियों की हो तो पारंपरिक डिजाइन ही पसंद किए जाते हैं। शादियों में दुल्हन अभी भी पारंपरिक मेहँदी ही प्रयोग में लाती हैं। पारंपरिक मेहँदी भरावट वाली होती है और इससे हाथ या पैर पूरे भरे-भरे दिखते हैं।

रचने के बाद भरावट वाला हिस्सा अधिक सुन्दर दिखता है। इस डिजाइन में आजकल सजावट के लिए ऊपर से ग्लिटर या स्टोन का भी उपयोग होता है, पर बेस-मेहँदी डिजाइन में पारंपरिक डिजाइनें होती हैं।

राजस्थानी का राज

राजस्थानी शैली की मेहँदी एक प्रकार से पारंपरिक मेहँदी डिजाइनों का ही एक भाग है। इसके कुछ प्रतीक काफी लोकप्रिय हैं जो कि अन्य डिजाइनों के साथ भी मर्ज करके रचाए जाते हैं। इन प्रतीकों में मोर सबसे अधिक प्रचलित है। इसके अलावा नगाड़े, ढोल, दुल्हन, दूल्हा, तुरही, कलश आदि प्रतीकों के कारण राजस्थानी मेहँदी लोगों की पसंद में शामिल है।

अरेबियन का आकर्षण

कॉलेज गोइंग गर्ल्स और टीनएजर्स के बीच लोकप्रिय इस डिजाइन ने फैशन को बदलने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है। एक ओर जहाँ पारंपरिक और राजस्थानी डिजाइनें शादी और पारंपरिक समारोहों के लिए आरक्षित सी हैं वहीं अरेबियन डिजाइन युवाओं की पहली पसंद में शामिल है।
इस डिजाइन की खासियत यह है कि इसे भरे-भरे रूप में और पूरे हाथ में एक सा नहीं लगाया जाता। बल्कि डिजाइन को आकर्षक मोड़ देकर एक पतली लकीर के रूप में डिजाइन बनाई जाती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-6-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

काकुरो पहेली - 2991

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2990 का हल

हंसी के फूव्वारें

बबलू अपने मित्र को पिछले रविवार का हाल बता रहा था. 'छुट्टी के दिन सुबह ही से मैं अपने बगीचे में काम कर रहा था. अचानक वहां मुझे एक सिक्का मिल गया. मैंने उसे उठाकर अपनी जेब में रख लिया और दोबारा काम करने लगा. फिर मुझे एक सिक्का मिला, उसे भी मैंने जेब में डाल लिया और काम शुरू कर दिया. तकरीबन दस बार ऐसा ही हुआ.'

मित्र ने दिलचस्पी से पूछा, 'क्यों, क्या कोई खजाना छिपा हुआ था वहां?'

बबलू ने बताया, 'नहीं यार, मेरी जेब फटी हुई थी.'

□ □ □

'अरे यार, आज सड़क पर इतने सारे पेपर क्यों पड़े हैं?'

'भई, ये नगर निगम के इश्तहार हैं. इनमें आम जनता से अपील की गयी है कि सड़कों पर गंदगी न फैलायें.'

□ □ □

एक स्त्री अपने पति को झिड़ककर बोली, 'हाय-हाय ! मेरी तो किस्मत ही फूट गयी, जो तुमसे विवाह हुआ. मुझे तुमसे अच्छे और ज्यादा अक्लमंद वर मिल रहे थे.'

पति बोला, 'बेशक वे मुझसे ज्यादा अच्छे और अक्लमंद थे. तभी तो तुम्हारे चंगुल में नहीं फंसे.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2991

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, जॉन, हेमा, रानी की फिल्म-३
३. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
५. जैकी, अनिल, शत्रुघ्न, हेमा, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
७. कंवलजीत, वहीदा की फिल्म-३
९. 'झूठी मूठी मितवा सांवन' गीत वाली फिल्म-३
११. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हर इक लब पर है' गीत वाली श्रेयस तलुदे, आयशा टकिया की फिल्म-२
१५. शाहरूख, मनीषा, प्रीति, शिल्पा की फिल्म-२,१
१७. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
१९. 'मुझे तुम याद' गीत वाली फिल्म-३
२०. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी की फिल्म-२
२२.'दिल में जिगर' गीतवाली फिल्म-२
२३. हिंदी फिल्मोंका पहला 'ही-मैन' किसे कहा गया है-४
२४. जीतेंन्द्र, जयप्रदा की एक पारिवारीक फिल्म-१
२५. 'सौ सवालों का' गीत वाली धर्मेन्द्र, अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. अमिताभ, जैकी, जावेद, कैटरीना, मधु, सीमा, जीनत की फिल्म-२
२८. 'जुड़वाँ' में सलमान के साथ करिशमा के अलावा दूसरी नायिका कौन थी-२
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
३१. फिरोज, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'मेरा दिल जिस दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, करीना की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो' गीत वाली दीपक कुमार, रेहाना की फिल्म-३
४. शशिकपूर, राखी की 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली मिथुन, कबीर बेदी, संगीता की फिल्म-४
८. बॉबी, काजोल, मनीषा कोइराला की 'मेरे ख्वाबों में तू' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अब चाहे सर फूटे या' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१२. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और तू' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१४. सुनीलदत्त, माला की 'आजा आजा रे तुझको मेरा प्यार' गीत वाली फिल्म-४
१५. 'जान तन से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१६. प्रशांत, संध्या की 'तुम तो प्यार हो सजना' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'खुशी से खुदकुशी' गीत वाली फिल्म-५
२१. सनी, जीतेंन्द्र, फरहा, जयाप्रदा की फिल्म-४
२६. 'आँखों आँखों में हो गए' गीत वाली फिल्म-३
२९. नसीर, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-२
३०. 'रंग दीन्हीं रंग दीन्हीं' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2990

पि	या	का	घ	र	■	ह	थ	क	ड़ी
ता	रा	■	रैं	■	दो	स्ती	■	न्या	■
■	ना	खु	दा	■	बा	■	अं	दा	ज
ह	■	श	■	कुं	द	न	■	न	■
म	ज	बु	र	■	न	ज	र	■	म
सा	या	■	त	ब्बू	■	रा	■	डॉ	न
या	■	आ	न	■	कि	ना	रा	■	च
■	गै	र	■	मै	ला	■	म	वा	ली
प्या	■	पा	पी	■	■	रा	जा	■	■
सा	ग	र	■	रा	खी	■	ने	पा	ल

सुडोकू

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 2991

बाएँ से दाएँ

1.उड़ीसा का शहर जहां इस्पात फैक्ट्रियां हैं-5
4.कराह,टीस,लालसा-3
6.हानि,आपत्ति-2
7.दुश्मनी,बैर-3
8.इंसाफ-2
10.साठवीं जयंती-3
11.जलाऊ लकड़ी-4
14.छोटा भाई-3
16.निरंकुश,आवारा-4
17.ठाठ-बाट-2
18.आफत,मुसीबत-2
19.शैतानी,बदमाशी-4
21.सहायता-3
22.इच्छा,लालसा-4
24.कवि,गजलकार-3
25.जरा,थोड़ा-2
27.मुलायम,नाजुक-3
28.गुफा,खोह-2
29.प्रियतम,सनम-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.सार्वजनिक मार्ग, आम रास्ता-5
2.उत्साह.शक्ति-2
3.बिना बाल वारा,गंजा-4
4.पंक्ति,लाइन-3
5.लड़की,पुत्री,बेटी-2
7.वहम,संदेह-2
9.जुड़वा-3
12.प्रतिज्ञा,कसम-3
13.गंगा का पानी-4
15.तीखा,तीक्ष्ण-3
16.आतुर,धैर्यहीन-4
17.संभवतः-3
18.मर्कट,कपि-3
20.गोविंदा,खुशबू की फिल्म-5
21.पानी रखने का चमड़े का पात्र-3
22.मनोकामना -4
23.साजन,प्रेमी-3
24.संध्या,सांझ-2
26.आनंद-2
28.महीना,मास-2

शब्द पहेली -2990 का हल

■	प	रा	या	प	न	■	म	च	ल	ना
सां	ग	■	च	■	का	ली	न	■	त	ट
व	■	त	क	रा	र	■	का	ल	■	की
ला	चा	र	■	■	दे	श	■	त	न	य
प	■	ती	■	पा	ना	■	गा	■	क	■
न	क	ब	ज	न	■	चा	ल	च	ल	न
■	हा	■	मा	■	च	र	■	ह	■	म
म	र	ना	■	द	म	■	■	क	स	क
र	■	श	क	■	क	रा	ह	ना	■	या
दू	ब	■	ल	बा	दा	■	रा	■	या	त्रा
द	या	क	र	■	र	च	ना	का	र	■

कोलकाता में फर्जी पासपोर्ट और दस्तावेजों के साथ महिला गिरफ्तार

एजेंसी

कोलकाता। फर्जी दस्तावेजों के सहारे पहचान बदलकर रह रही एक महिला को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शांता पॉल (28) को पार्क स्ट्रीट थाने में दर्ज मामले के सिलसिले में पकड़ा गया है। उस पर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 336(3), 338, 341 और 61(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस को मिली सूचना के आधार पर उसे गोल्फ ग्रीन थाना क्षेत्र के विक्रमगढ़ में स्थित एक मकान के दूसरे माले पर बने किराये के फ्लैट से गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान फ्लैट से कई अहम दस्तावेज बरामद हुए, जिनमें बांग्लादेश द्वारा जारी कई पासपोर्ट (एक ही नाम से), रीजेंट एयरवेज (बांग्लादेश) का स्टाफ आईडी कार्ड, ढाका शिक्षा बोर्ड का एडमिट कार्ड और भारत में जारी विभिन्न पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड शामिल हैं। गौर करने वाली बात यह है कि सभी भारतीय दस्तावेजों में पते अलग-अलग ठिकानों के दर्ज हैं। पुलिस को शक है कि यह महिला एक संगठित अंतरराष्ट्रीय फर्जीवाड़े और अवैध अप्रवासन रैकेट का हिस्सा है, जिसके जरिए बांग्लादेशी नागरिकों की भारतीय पहचान बनाई जा रही है। प्रारंभिक जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं और अधिकारियों ने इस मामले को गंभीर मानते हुए विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

संघ के वरिष्ठ प्रचारक माणकचंद (भाईजी) पंचतत्व में विलीन

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं पाथेय कण पत्रिका के संरक्षक माणकचंद (भाईजी) का एसएमएस अस्पताल में निधन हो गया। वे 83 वर्ष के थे एवं विगत एक माह से किडनी की बीमारी का इलाज ले रहे थे। बुधवार शाम को झालाना मोक्षधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार में माणकचंद के छोटे भाई कमल चरखा समेत अनेक गणमान्य बंधु शामिल हुए। इससे पूर्व पाथेय भवन में उनकी देह अंतिम दर्शन के लिए रखी गई, जहां राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर और उद्योग मंत्री राज्यवर्धनसिंह राठौड़ समेत अनेक गणमान्य लोगों ने अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उनके निधन से संघ परिवार, पाथेय परिवार एवं राष्ट्रवादी पत्रकारिता जगत को अपूरणीय क्षति हुई है। उनका तपस्वी जीवन और कार्यों की प्रेरणा सदैव स्मरणीय रहेगी। स्थित प्रज्ञ थे, जीया तपस्वी जीवनः माणकचंद ने अपना सम्पूर्ण जीवन संघ कार्य को समर्पित करते हुए प्रचारक जीवन की कठिन साधना की। माणकचंद का जन्म 2 नवम्बर 1942 को नागौर जिले के कसारी-बड़ा गांव में हुआ था। 1966 में वे पूर्णकालिक प्रचारक बने और छह दशक तक राजस्थान सहित विभिन्न स्थानों पर संगठनात्मक, बौद्धिक एवं वैचारिक कार्य में संलग्न रहे।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से की भेंट

गांधीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार भेंट की। उमर अब्दुल्ला गुजरात की दो दिवसीय यात्रा पर आये हैं। उमर अब्दुल्ला अपनी गुजरात यात्रा के दौरान गुरुवार दोपहर एकतानगर स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर भी जाएंगे।

धर्मस्थल गांव में शवों को दफनाने का मामला : दूसरे दिन की खुदाई में भी कुछ नहीं मिला

मंगलुरु। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के धर्मस्थल गांव में कथित रूप से कई शवों को दफनाने के सनसनीखेज दावे के बाद विशेष जांच दल (एसआईटी) की खुदाई दूसरे दिन भी जारी रही, लेकिन अब तक कोई महत्वपूर्ण सुराग नहीं मिला है। इसके बाद खुदाई का कार्य अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया है, लेकिन जांच जारी रहेगी। शिकायतकर्ता ने प्राथमिक रूप से चिन्हित स्थलों पर मंगलवार से खुदाई शुरू की गई थी, लेकिन अभी तक वहां से कोई मानव अवशेष नहीं मिले। टीम ने नेत्रावती स्नानघाट सहित चार अन्य स्थानों पर भी खुदाई की, किंतु वहां भी कोई मानव अवशेष नहीं मिला। एसआईटी प्रमुख प्रणव मोहंती ने आज स्थल का दौरा किया और जांच की प्रगति का जायजा लिया। खुदाई का कार्य अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया है, लेकिन जांच जारी रहेगी। इस अवसर पर अनुछेत, जितेन्द्र कुमार दयाम, एसपी सायमन, पुत्तूर की एसी स्टेला वर्गीज, बेल्थंगडी तहसीलदार पृथ्वी सानिकम, केएमसी अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टर, एफएसएल और आईएसडी टीमों के अधिकारी उपस्थित थे।

चिकित्सा सेवा को जनकल्याण का माध्यम बनाएं : राष्ट्रपति

एजेंसी

कोलकाता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के कल्याणी स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के पहले दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने युवा डॉक्टरों को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया। उन्होंने पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से अपील की कि वे चिकित्सा सेवा को केवल पेशा न मानें, बल्कि इसे जनकल्याण का माध्यम बनाएं और डॉक्टर बिधान चंद्र रॉय के आदर्शों को अपने जीवन में उतारें। बिधान चंद्र रॉय स्वतंत्रता सेनानी और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री थे। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि आजादी के समय भारत में औसत आयु केवल 32 वर्ष थी, जो अब बढ़कर लगभग 70 वर्ष हो गई है। उन्होंने इसे चिकित्सा जगत के योगदान का परिणाम बताया। राष्ट्रपति ने हाल के वर्षों में टीकाकरण के क्षेत्र में हुई प्रगति को रेखांकित करते हुए कहा कि कई बीमारियों का उन्मूलन

हो चुका है, जैसे भारत को पिछले वर्ष ट्रेकोमा-मुक्त घोषित किया गया था। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली और संतुलित आहार के जरिये अधिकांश बीमारियों से बचा जा सकता है। डॉक्टर जब खुद अनुशासित जीवन जिएंगे, तो समाज पर उसका गहरा प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने युवा डॉक्टरों से आग्रह किया कि वे सिर्फ दवाएं ही नहीं, बल्कि जीवनशैली से जुड़ी सलाह भी मरीजों को दें। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि एम्स कल्याणी के पहले बैच के रूप में वे इस संस्थान की पहचान के निर्माता हैं और उनके प्रयासों से यह संस्थान राष्ट्रीय गौरव बन सकता है। राष्ट्रपति ने चिकित्सा विज्ञान में हो रहे तेज बदलावों की ओर ध्यान दिलाते हुए डॉक्टरों से जीवनभर सीखते रहने की सलाह दी। उन्होंने कल्याणी शहर की स्थापना की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का जिक्र करते हुए बताया कि इसकी आधारशिला डॉक्टर बीसी (बिधान चंद्र) रॉय ने रखी थी, जो मुख्यमंत्री रहते हुए भी निःशुल्क सेवा करते थे।

राष्ट्रपति ने एम्स के शिक्षकों, विद्यार्थियों और प्रशासन से आग्रह किया कि वे इस संस्थान को राष्ट्रीय सम्मान का केंद्र बनाने का संकल्प लें। समारोह में राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस, केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव, पश्चिम बंगाल की स्वास्थ्य राज्यमंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य और केंद्रीय पोर्ट्स, शिपिंग एवं जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर भी शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में कुल 48 एमबीबीएस छात्रों और नौ पोस्ट-डॉक्टोरल सर्टिफिकेट कोर्स (पीडीसीसी) के छात्रों को डिग्री प्रदान की गई।

चुनाव आयोग ने जानवरों के नाम पर बने वोटर कार्ड के अभिषेक बनर्जी के दावे को खारिज किया

एजेंसी

कोलकाता। बिहार में कथित तौर पर डॉगबाबू नामक व्यक्ति, जिनके पिता का नाम कुत्ताबाबू और माता का नाम कुत्तियादेवी बताए गए थे। इस तरह की वोटर आईडी के अस्तित्व को लेकर चल रही सियासी बहस में चुनाव आयोग ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। आयोग ने साफ किया है कि ऐसे किसी भी नाम का कोई वोटर पंजीकृत नहीं है और न ही इस प्रकार की कोई जानकारी दस्तावेजों में मौजूद है। यह मामला तब तूल पकड़ गया जब तृणमूल कांग्रेस ने बिहार सरकार पर फर्जी नामों से वोटर कार्ड जारी करने का आरोप लगाया। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने इस मुद्दे को लेकर चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाया। उन्होंने कहा था कि एसआईआर के नाम पर वोटरों को डराया जा रहा है, उनके अधिकार छीने जा रहे हैं, और अब कुत्ते के नाम पर वोटर कार्ड बनाया जा रहा है।

हालांकि चुनाव आयोग ने दस्तावेज़ प्रस्तुत कर यह स्पष्ट किया कि इस प्रकार के किसी नाम या पहचान की कोई आधिकारिक पंजीकृत नहीं है। आयोग ने कहा कि यह दावा पूरी तरह से निराधार और भ्रामक है। इस बीच, भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने तृणमूल पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि वोटर लिस्ट की समीक्षा होते ही तृणमूल को अपनी स्थिति गिरती दिख रही है, इसलिए वह झूठ फैला रही है। अब ये लोग पागलपन की हद तक पहुंच गए हैं।

मध्य प्रदेश में भारी बारिश से कई जिलों में बाढ़ के हालात, मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्रालय से मांगी मदद

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में भारी बारिश के चलते कई जिलों में बाढ़ के हालात हैं। गुना और शिवपुरी में समेत कुछ जिलों में रेस्क्यू के लिए सेना बुलानी पड़ी। शिवपुरी के कोलारस में पचावली गांव में बाढ़ में फंसे 27 स्कूली बच्चों को सेना ने बोट से 30 घंटे बाद सुरक्षित निकाला। इधर, भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में बाढ़ और बारिश से बिगड़े हालातों का जायजा लिया और कलेक्टरों को राहत-बचाव के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ये कलेक्टरों की जिम्मेदारी है। लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बाढ़ में फंसे लोगों के रेस्क्यू के लिए रक्षा मंत्रालय से हेलीकॉप्टर सेवा की मदद भी मांगी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि आज पुलिस मुख्यालय के स्टेट कमांड सेंटर से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में अतिवर्षा से उत्पन्न बाढ़ एवं जन सुरक्षा प्रबंधन की समीक्षा की। प्रदेश में अब तक जलमग्न क्षेत्रों से 2,900 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। सभी को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। दो जिलों के लिए केंद्र सरकार से सहायता मांगी है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में जारी भारी बारिश और बाढ़

की स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार पूरी गंभीरता और तत्परता से कार्य कर रही है। संकट की इस घड़ी में सरकार पूरी तरह से प्रदेशवासियों के साथ खड़ी है। बाढ़ प्रभावित जिलों में राहत और बचाव के कार्य युद्ध स्तर पर चलाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि राहत कार्यों को गति देने के लिए राज्य सरकार ने रक्षा मंत्रालय से सेना के हेलीकॉप्टरों की मांग की है। अशोकनगर जिले में लखनऊ से भेजा गया एक हेलीकॉप्टर राहत एवं बचाव कार्य में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने भोपाल स्थित राज्य आपदा नियंत्रण कक्ष (स्टेट कमांड सेंटर) से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन का लाइव निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि अब तक मुरैना, गुना, शिवपुरी, रीवा, रायसेन, दमोह और अशोकनगर जैसे जिलों से करीब 2,900 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू कर राहत शिविरों तक पहुंचाया गया है। इन शिविरों में पीड़ितों को भोजन, कपड़े, दवाएं और अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेस्क्यू टीमों को पूरी क्षमता और संसाधनों के साथ मैदान में लगाया गया है। उन्होंने बताया कि अगले दो से तीन दिनों तक प्रदेश में बारिश की स्थिति बनी रहने की संभावना है, जिसे देखते हुए सभी जिलों में प्रशासन को हाई अलर्ट पर मुस्तैद और आल टाईम रेडी रहने के निर्देश दिए गए हैं।

भारत और यूएई ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करने पर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच पहली बार सचिव स्तरीय बैठक नई दिल्ली में हुई। दोनों देशों ने 13वीं भारत-यूएई संयुक्त रक्षा सहयोग समिति (जेडीसीसी) बैठक के दौरान द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों पक्ष व्यापार, निवेश और सामाजिक संबंधों जैसे क्षेत्रों में बढ़ती गति के अनुरूप रक्षा संबंधों को बढ़ाने पर सहमत हुए। यूएई के अवर रक्षा सचिव लेफ्टिनेंट जनरल इब्राहिम नासिर एम. अल अलावी के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय रक्षा प्रतिनिधिमंडल दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर भारत आया है। जेडीसीसी बैठक की सह अध्यक्षता भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने की। बैठक में दोनों पक्षों ने सैन्य प्रशिक्षण सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई और अपनी-अपनी प्रशिक्षण आवश्यकताओं पर चर्चा की। भारत ने संयुक्त अरब अमीरात की जरूरतों के अनुरूप अनुकूलित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रदान करने की पेशकश की। उन्होंने वास्तविक समय में सूचना साझा करके समुद्री सुरक्षा पर

सहयोग करने पर भी सहमति जताई। रक्षा सहयोग के नए रास्ते तलाशने के लिए दोनों देशों ने प्रशिक्षण सहयोग, रक्षा औद्योगिक साझेदारी और सेवा-से-सेवा संबंधों पर चर्चा की। वे संयुक्त विनिर्माण पहलों को आगे बढ़ाने पर सहमत हुए, जिनमें छोटे हथियारों के उत्पादन के लिए भारत और यूएई के बीच सहयोग जैसे मॉडल शामिल हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे उभरते क्षेत्रों में अगली पीढ़ी की रक्षा तकनीकों के सह-विकास की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। साथ ही जहाज निर्माण, मरम्मत, उन्नयन और साझा प्लेटफार्मों के रखरखाव के अवसरों पर भी चर्चा हुई। बैठक में खोज और बचाव कार्यों, प्रदूषण नियंत्रण, समुद्री डकैती विरोधी प्रयासों और संबंधित समुद्री सुरक्षा क्षेत्रों में बेहतर सहयोग के लिए भारतीय तटरक्षक बल और यूएई राष्ट्रीय रक्षक बल के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इन विचार-विमर्शों में सैन्य अभ्यास, प्रशिक्षण और विषय वस्तु विशेषज्ञ आदान-प्रदान को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

प्रधानमंत्री से मिले केन्द्रीय मंत्री तोखन साहू, छत्तीसगढ़ से जुड़े मुद्दों पर की चर्चा

एजेंसी

रायपुर/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री को आतंकवाद विरोधी अभियान 'ऑपरेशन सिंदूर' के सफल संचालन के लिए बधाई दी तथा प्रधानमंत्री को आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के अंतर्गत चल रही प्रमुख आवासीय और शहरी विकास योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। साथ ही छत्तीसगढ़ की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत चर्चा की। केन्द्रीय मंत्री साहू ने प्रधानमंत्री को बताया कि देश भर में अराजक शहरी विस्तार (अर्बन स्प्रॉल) एक गंभीर चुनौती बन चुका है। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि निजी कारों पर निर्भरता को कम करने और मिश्रित-प्रयोजन विकास (जहां आवासीय, वाणिज्यिक और सार्वजनिक उपयोग के स्थान एक

साथ हों) को बढ़ावा देकर इस विस्तार पर अंकुश लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा, हमारा ध्यान जन-परिवहन उन्मुख विकास (ट्रांजिट-ओरिएंटेड डेवलपमेंट) पर है, जिसमें आवासीय, वाणिज्यिक और सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों का समावेश होता है। इससे निजी वाहनों की निर्भरता कम होती है। विभिन्न शोधों से स्पष्ट है कि इस प्रकार की योजना से कार उपयोग में 20 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक की कमी लाई जा सकती है, जिससे शहरी भीड़ घटेगी और सतत शहरी विकास को बढ़ावा मिलेगा। बैठक में प्रधानमंत्री 'सूर्य गृह मुफ्त बिजली योजना' को प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएम-आवास) से जोड़ने के विषय पर भी चर्चा हुई। साहू ने प्रस्ताव रखा कि इस योजना के अंतर्गत दी जाने वाली निःशुल्क बिजली को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित सभी घरों में लागू किया जाए। इससे बिजली के वितरण की लागत घटेगी, टिकाऊ शहरी विकास को बढ़ावा मिलेगा और लाभार्थी ऊर्जा दक्ष घरों में निवास कर सकेंगे। साथ ही, सरकारी सब्सिडी युक्त लघु ऋणों तक उनकी पहुंच सुगम हो सकेगी जिससे कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी।

छत्तीसगढ़ सदन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की राज्य के सांसदों से सौजन्य भेंट, रात्रि भोज में हुई सार्थक चर्चा

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली स्थित 17, छत्तीसगढ़ सदन में राज्य से संबंधित सांसदों से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर आयोजित रात्रि भोज के दौरान मुख्यमंत्री ने सांसदों के साथ राज्य एवं राष्ट्र से जुड़े समसामयिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की।मुख्यमंत्री ने सभी सांसदों को छत्तीसगढ़ के समग्र विकास में उनके योगदान के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी से राज्य की प्राथमिकताएं और ज़मीनी आवश्यकताएं राष्ट्रीय मंच पर प्रभावी ढंग से रखी जा सकती हैं। इस सौहार्दपूर्ण मुलाक़ात में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में हो रहे व्यापक और सकारात्मक परिवर्तनों की चर्चा भी हुई। सांसदों ने छत्तीसगढ़ में केंद्र सरकार की योजनाओं की प्रगति को लेकर अनुभव साझा किए और राज्य

में उनकी ज़मीनी पहुंच पर भी प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने इस दौरान छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति, निवेश प्रोत्साहन के प्रयास, युवाओं के लिए उभरते अवसर, किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण, तथा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हो रहे परिवर्तनकारी विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

हिमाचल में पांच अगस्त तक भारी बारिश का अलर्ट, 289 सड़कें बंद,अब तक 170 की मौत

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मॉनसून की सक्रियता के कारण भारी बारिश का दौर जारी है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। मौसम विभाग ने 31 जुलाई से 5 अगस्त 2025 तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। राज्य में कई जगहों पर पहले से ही ऑरेंज अलर्ट जारी है और बीते 24 घंटों में भी कई जिलों में जोरदार बारिश हुई है, जिससे जनजीवन पर असर पड़ा है। राजधानी शिमला में भी बुधवार दिनभर रुक-रुक कर बारिश होती रही। मौसम विभाग के मुताबिक, 31 जुलाई को कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट है। 1 अगस्त को शिमला, सोलन और सिरमौर में, 2 अगस्त को उना, बिलासपुर, शिमला, सोलन और सिरमौर में, 3 अगस्त को उना, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा,

कांगड़ा, मंडी और सिरमौर में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। 4 और 5 अगस्त को भी कई जिलों में अलर्ट रहेगा। बीते 24 घंटों में चंबा जिले के चुआड़ी में सबसे ज्यादा 180 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड हुई। कांगड़ा के पालमपुर में 160, कांगड़ा में 120, नादौन में 80, पंडोह में 60, संगड़ाह में 60, देहरा गोपीपुर में 50 और गोहर, पच्छाद व जोगेंद्रनगर में 40-40 मिलीमीटर बारिश हुई। बारिश और भूस्खलन से प्रदेश में अब भी 289 सड़कों पर यातायात बाधित है। 346 बिजली ट्रांसफार्मर और 254 पेयजल योजनाएं बंद पड़ी हैं। अकेले मंडी जिले में सबसे ज्यादा 193 सड़कें, 45 ट्रांसफार्मर और 58 पेयजल योजनाएं ठप हैं। कुल्लू में 47 सड़कें और 108 ट्रांसफार्मर खराब हैं, जबकि चंबा में भारी बारिश से 188 ट्रांसफार्मर और 62 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं। कांगड़ा जिले में 134 पेयजल योजनाएं ठप हैं। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार हिमाचल के 22 संवेदनशील स्थानों पर भूस्खलन की निगरानी की जा रही है। मंडी जिले के पराशर और कोटरोपी, कांगड़ा के बलडुन नूरपुर, धर्मशाला और कॉलोनी कांगड़ा, सोलन के डक्षी और मंडी के कई अन्य स्थानों में भूस्खलन का खतरा कम पाया गया है। वहीं शिमला के जतोग, सोलन के डगशाई, मंडी के सनारली-2 और तत्तापानी में मध्यम खतरा दर्ज हुआ है। मंडी के संधोल में कोई खतरा नहीं पाया गया है।

अंतरिक्ष में भारत ने रचा इतिहास, इसरो का 'निसार मिशन' लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली।भारत ने एक बार फिर अंतरिक्ष में इतिहास रच दिया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिका की नासा ने एक साथ मिलकर निसार मिशन लॉन्च किया। यह सैटेलाइट बुधवार की शाम को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च की गई। निसार मिशन पृथ्वी की बेहतर निगरानी करेगा।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स'पर पोस्ट कर कहा कि बधाई हो भारत। दुनिया के पहले दोहरे बैंड वाले रडार उपग्रह निसार को ले जाने वाले जीएसएलवी-एफ16 का सफल प्रक्षेपण हुआ। चक्रवात और बाढ़ आदि जैसी आपदाओं के सटीक प्रबंधन में एक क्रांतिकारी बदलाव होगा। इसके अलावा कोहरे, घने बादलों, बर्फ की परतों आदि को भेदने की इसकी क्षमता इसे विमानन

और नौवहन क्षेत्रों के लिए एक अग्रणी उपकरण बनाती है।

उन्होंने कहा कि निसार से प्राप्त इनपुट पूरे विश्व समुदाय को लाभान्वित करेंगे, 'विश्वबंधु' की सच्ची भावना के अनुरूप। ऐसे समय में अंतरिक्ष विभाग से जुड़ने पर गर्व है जब टीम इसरो, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहयोगात्मक संरक्षण में, एक के बाद एक वैश्विक उपलब्धियां दर्ज कर रही है।

1.5 बिलियन डॉलर के इस मिशन का उद्देश्य पृथ्वी की सतह की निगरानी के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाना है। इसका खास मकसद प्राकृतिक आपदाओं और पर्यावरण में हो रहे बदलावों पर बारीकी से नजर रखना है। निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार) एक ऐतिहासिक प्रोजेक्ट है। यह पहला ऐसा प्रोजेक्ट है, जिसमें धरती को देखने के लिए दो अलग-अलग फ्रीक्वेंसी वाले रडार, नासा का एल-बैंड और इसरो का एस-बैंड, का इस्तेमाल किया गया है।

इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने सभी टीमों को निसार मिशन की सफल लॉन्चिंग के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस मिशन से सभी को फायदा होगा और धरती की बेहतर निगरानी होगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दक्षिणेश्वर काली मंदिर में की पूजा-अर्चना

एजेंसी

कोलकाता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने हावड़ा स्थित प्रसिद्ध दक्षिणेश्वर काली मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना की। इसी मंदिर में संत रामकृष्ण परमहंस ने पुजारी के रूप में सेवा दी थी। दर्शन के दौरान राष्ट्रपति ने मां काली के चरणों में प्रसाद अर्पित किया और आरती में भी हिस्सा लिया। उन्होंने अगरबत्ती और पंच प्रदीप जलाकर देवी का आह्वान

किया। मंदिर के पुरोहितों की सहायता से सम्पन्न हुई पूजा में राष्ट्रपति ने गहरी आस्था प्रकट की। पूजा के बाद राष्ट्रपति मुर्मु ने मंदिर की ऐतिहासिक विरासत के बारे में जानकारी ली। उन्होंने रानी रासमनी द्वारा स्थापित इस लगभग दो सौ वर्ष पुराने मंदिर परिसर के इतिहास और इसकी सांस्कृतिक महत्ता को समझा। यह मंदिर हुगली नदी के पूर्वी तट पर स्थित है और बंगाल के आध्यात्मिक जीवन में इसका विशेष स्थान है। इससे पहले दिन में राष्ट्रपति ने नदिया जिले के कल्याणी स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

सरकार जनप्रतिनिधियों के सुझावों को देती है समुचित महत्वः मुख्यमंत्री

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में उनके सरकारी आवास पर लखनऊ मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद बैठक आयोजित हुई। बैठक में मंडल के जनपदों- लखनऊ, हरदोई, रायबरेली, उन्नाव, सीतापुर और लखीमपुर खीरी के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे 42 विधायकों एवं 5 विधान परिषद सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित प्रमुख नव प्रस्तावित परियोजनाओं, अधोसंरचनात्मक आवश्यकताओं एवं जन अपेक्षाओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों का क्षेत्रीय अनुभव एवं

स्थानीय धरातल की गहन समझ शासन को योजनाओं के निर्धारण और प्रभावी क्रियान्वयन में नई दृष्टि प्रदान करती है। यह संवाद व्यवस्था शासन और समाज के बीच विश्वास की एक जीवंत कड़ी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त 3,397 विकास प्रस्तावों, जिनकी अनुमानित लागत ?42,891 करोड़ है, पर जनप्रतिनिधियों के सुझावों को गंभीरता से लिया जाए और इन परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर चरणबद्ध ढंग से पूर्ण कराया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में उनके सरकारी आवास पर लखनऊ मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद बैठक आयोजित हुई। बैठक में मंडल के जनपदों- लखनऊ, हरदोई, रायबरेली, उन्नाव, सीतापुर और लखीमपुर खीरी के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे 42 विधायकों एवं 5 विधान परिषद सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित प्रमुख नव प्रस्तावित परियोजनाओं, अधोसंरचनात्मक आवश्यकताओं एवं जन अपेक्षाओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने मंडल के सभी जनपदों एवं विधानसभा क्षेत्रों की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक विशिष्टताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रत्येक जनपद की अपनी एक अलग पहचान है, जिसे सशक्त करते हुए विकास की योजनाओं का समायोजन किया जाना आवश्यक है।

शुभमन गिल ने रचा नया इतिहास, टूटा सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड

लंदन (एजेंसी)। इंडिया और इंग्लैंड के बीच द ओवल में आखिरी टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इस मैच में भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने सुनील गावस्कर का 46 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। ये रिकॉर्ड था बतौर कप्तान एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का। इंग्लैंड के खिलाफ 11 रन बनाते ही गिल ने इस रिकॉर्ड को अपने नाम कर लिया और वह भारत के नंबर-1 कप्तान बन गए हैं। बता दें कि, टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 38 रन के स्कोर पर भारत को दो झटके लग गए।

जहां यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल का विकेट गिरने के बाद बल्लेबाजी करने आए शुभमन गिल पर काफी दबाव था। हालांकि, महज 11 रन बनाते ही उन्होंने बतौर कप्तान एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। सुनील गावस्कर ने 1978/79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 6 मैचों की 9 पारियों में 91.50 की औसत के साथ 732 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 4 शतक जड़े थे।

वहीं तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी में रेड हॉट फॉर्म में चल रहे शुभमन गिल ने अब तक इस रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। वहीं खबर लिखे जाने तक गिल 23 गेंदों पर 15 रन बना चुके हैं। उनके नाम अब इस सीरीज में 737 रन हो गए हैं।

फिलहाल, अब उनकी नजरें बतौर सर डॉन ब्रैडमैन के रिकॉर्ड पर हैं। जो कप्तान एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड सर डॉन ब्रैडमैन के नाम है। गिल अब ब्रैडमैन के रिकॉर्ड को तोड़ने से महज 73 रन ही पीछे हैं।

महिला टी20 विश्वकप क्वालीफायर मुकाबले नेपाल में होंगे : आईसीसी

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महिला टी20 विश्व कप 2026 के क्वालीफायर मैच नेपाल में रखे हैं। आईसीसी ने क्वालिफायर का पूरा कार्यक्रम भी जारी कर दिया है। क्वालीफायर मैचों की शुरुआत 12 जनवरी 2026 से होगी और ये 2 फरवरी 2026 तक खेले जाएंगे। 21 दिन के इस इवेंट में कुल 10 टीमें दो अलग-अलग जगह खेलेंगी। बांग्लादेश और आयरलैंड की टीमों ने टी20 महिला कप 2024 में खेलकर पहले ही क्वालीफायर के लिए सीधे प्रवेश हासिल कर लिया है। वहीं थाईलैंड और नेपाल के अलावा यूएसए को भी प्रवेश मिल गया है। अब बची हुई 5 टीमों में से दो-दो टीमें अफ्रीका और यूरोप, जबकि एक टीम ईस्ट एशिया पैसेफिक से शामिल की जाएंगी।

आईसीसी महिला विश्व कप 2026 का क्वालीफायर इसलिए भी अहम होगा क्योंकि इसमें 10 टीमों को दो अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया है। हर एक ग्रुप में 5 टीमें होगी। इसके बाद सुपर सिक्स स्टेज और फाइनल मैच खेला जाएगा। आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का कार्यक्रम पहले ही घोषित कर दिया गया है, जिसमें इंग्लैंड और वेल्स को मेजबानी मिली हैं। इस इवेंट की शुरुआत 12 जून से होनी है, जिसका फाइनल 5 जुलाई 2026 को खेला जाएगा।

यशस्वी जायसवाल की फॉर्म पर सवाल, शुरुआती चमक के बाद बल्ला पड़ा शांत

लंदन (एजेंसी)। भारतीय टीम इस समय इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में संघर्ष करती नज़र आ रही है, और टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की फॉर्म भी चिंता का विषय बन गई है। सीरीज की शुरुआत में शानदार शतक लगाने वाले जायसवाल के बल्ले से अब रन निकलना बंद हो गया है। फ्लैट पिचों के बावजूद वे लगातार असफल हो रहे हैं, जिससे भारत की बल्लेबाज़ी लाइनअप पर दबाव बढ़ गया है।

पहला टेस्ट बना था उम्मीद की किरण

सीरीज के पहले टेस्ट की पहली पारी में जायसवाल ने शानदार 101 रन की पारी खेली थी, जिससे लगा कि वह पूरी सीरीज में भारतीय बल्लेबाजी की रीढ़ साबित होंगे। हालांकि, उसी मैच की दूसरी पारी में वह केवल 4 रन बनाकर आउट हो गए।

दूसरे टेस्ट में चमक, फिर निराशा

दूसरे टेस्ट में उन्होंने एक बार फिर 87 रन की उपयोगी पारी खेली, लेकिन दूसरी पारी में सिर्फ 28 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद उनकी फॉर्म में गिरावट आनी शुरू हो गई।

तीसरे और चौथे टेस्ट में बल्ला पूरी तरह शांत

तीसरे टेस्ट में लॉर्ड्स के मैदान पर जायसवाल की पहली पारी में 13 रन और दूसरी पारी में शून्य पर आउट होना उनके खराब फॉर्म का संकेत था। चौथे टेस्ट में उन्होंने एक पारी में 58 रन बनाए, लेकिन दूसरी पारी में फिर शून्य पर आउट हो गए।

ओवल टेस्ट में फिर फ्लॉप

सीरीज के आखिरी यानी पांचवें टेस्ट की पहली पारी में जायसवाल महज 2 रन बनाकर आउट हो गए, जिससे उनके प्रदर्शन पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

लंबी पारियों की कमी बनी चिंता

जायसवाल को एक ऐसा बल्लेबाज़ माना जाता है जो अगर क्रीज़ पर टिक जाएं तो बड़ी पारी खेल सकते हैं, लेकिन इस सीरीज में वह बार-बार शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहे हैं। उनकी बल्लेबाजी में न तो निरंतरता दिख रही है और न ही पहले जैसी गहराई।

भारत / इंग्लैंड पांचवें टेस्ट मैच: ओवल टेस्ट में बारिश की एंट्री, शुभमन- सुदर्शन की सधी शुरुआत

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे पांचवें टेस्ट मैच का पहला दिन रोमांचक तरीके से शुरू हुआ, लेकिन बारिश ने इस मुकाबले में खलल डाल दिया। ओवल के मैदान पर भारत की पारी 23 ओवर ही खेली जा सकी थी कि बारिश ने दस्तक दे दी। इसके चलते खिलाड़ियों को मैदान छोड़ना पड़ा और अंपायरों ने जल्दी लंच की घोषणा कर दी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत थोड़ी मिलीजुली रही। पहले दो विकेट जल्दी गिरने के बावजूद युवा बल्लेबाज़ों ने मोर्चा संभाल लिया। भारत ने लंच तक 2 विकेट के नुकसान पर 72 रन बना लिए हैं। साई सुदर्शन 25 रन और शुभमन गिल 15 रन बनाकर नाबाद लौटे हैं। दोनों बल्लेबाज़ों ने संयम से खेलते हुए टीम को स्थिरता दी।

तेज़ गेंदबाज़ों का असरदार प्रदर्शन

इंग्लैंड की ओर से तेज़ गेंदबाज़ों ने शुरुआत में दबाव बनाया और भारत के दोनों सलामी बल्लेबाज़ों को जल्दी पवेलियन भेजा। लेकिन इसके बाद गिल और सुदर्शन ने मोर्चा संभाला और भारत की पारी को आगे बढ़ाया। हालांकि बारिश के कारण खेल रुक गया और लंच का समय घोषित कर दिया गया।

अब यह देखना दिलचस्प होगा कि बारिश के बाद खेल कब दोबारा शुरू होता है और भारतीय बल्लेबाज़ किस तरह पारी को आगे बढ़ाते हैं। ओवल की पिच बल्लेबाज़ों के लिए मददगार मानी जाती है और अगर मौसम साफ रहा तो भारत बड़ा स्कोर खड़ा कर सकता है।

सीएएफए नेशंस कप के लिए भारतीय फुटबॉल टीम को मिला न्यौता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम 31 अगस्त से 8 सितंबर तक होने वाले सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन (सीएएफए) नेशंस कप 2025 में भाग लेगी। यह टूर्नामेंट एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर्स के फाइनल राउंड की तैयारी के लिए अहम माना जा रहा है। सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन ने भारत को इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया है। यह टूर्नामेंट फीफा के आधिकारिक कैलेंडर का हिस्सा नहीं है। मलेशिया के मना करने के बाद भारत को इसमें खेलने के लिए बुलाया गया है। भारत को उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित द्विवार्षिक सेंट्रल एशियन टूर्नामेंट में शामिल किया गया। उसे ग्रुप-बी में रखा गया है। इसमें भारत भारत 29 अगस्त को मेजबान ताजिकिस्तान, 1 सितंबर को ईरान और 4 सितंबर को अफगानिस्तान से खेलेगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें प्ले-ऑफ चरण में पहुंचेंगी, जहां 8 सितंबर को दो मैच खेले जाएंगे। तीसरे स्थान का मैच दो ग्रुप उपविजेताओं के बीच दुशांबे में खेला जाएगा, जबकि दो ग्रुप विजेता टीमें ताशकंद में फाइनल खेलेंगी। उज्बेकिस्तान ग्रुप-ए की मेजबानी करेगा, जिसे ताशकंद में किर्गिज गणराज्य, तुर्कमेनिस्तान और ओमान के साथ रखा गया है। सीएएफए के छह सदस्य हैं जिसमें अफगानिस्तान, इस्लामी गणराज्य ईरान, किर्गिज गणराज्य, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान जैसी टीमें हैं। इसमें ओमान और भारत सीएएफए नेशंस कप के दूसरे संस्करण के लिए आमंत्रित दो टीमें हैं। ईरान गत विजेता है, जिसने 2023 के फाइनल में उज्बेकिस्तान को 1-0 से हराया था। भारत को एएफसी एशियन कप क्वालीफायर्स के फाइनल राउंड के अपने शुरुआती मैच में हांगकांग के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा।

एशिया कप से पहले अगस्त में श्रीलंका से सीरीज खेल सकती है भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम इस समय इंग्लैंड के दौरे पर हैं। वहीं 9 सितंबर से एशिया कप का आयोजन शुरू होगा। ऐसे में एशिया कप की तैयारी के लिए भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की एक सीरीज खेल सकती है।

भारत का एशिया कप का पहला मैच 10 सितंबर को है जबकि दूसरा मैच पाकिस्तान के खिलाफ 14 सितंबर को है। भारत को अगस्त में पहले बांग्लादेश टीम के साथ 3 एकदिवसीय और 3 टी20 मैचों की सीरीज खेलनी थी जो अब नहीं खेली जाएगी पर इसकी जगह भारतीय टीम श्रीलंका से एक सीरीज खेल सकती है हालांकि अभी इसके बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।। है। एक रिपोर्ट के अनुसार (बीसीसीआई) अगस्त में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का आयोजन इसलिए भी करना चाहता है ताकि एशिया कप से पहले टीम को लय में आने का अवसर मिल सके। ऐसे में श्रीलंका के साथ तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैचों की सीरीज होने की उम्मीद बढ़ गयी हैं। इससे रोहित शर्मा और विराट कोहली के प्रशंसकों को अपने इन पसंदीदा खिलाड़ियों को खेलते हुए देखने का अवसर मिल सकेगा।

एशिया कप में बुमराह के खेलने की संभावना नहीं : आकाश चोपड़ा

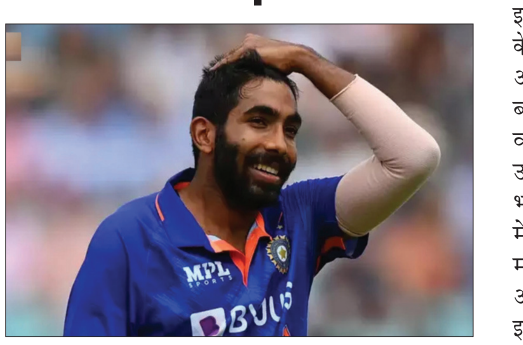

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एशिया कप नहीं खेल पाये। एशिया कप 9 से 28 सितंबर तक यूएई में टी20 प्रारुप में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट की मेजबानी भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) के पास है पर इसका आयोजन तटस्थ स्थल के रुप में यूएई रखा गया है। इस टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम की घोषणा अगस्त के मध्य में होने की संभावना है। चोपड़ा के अनुसार बुमराह की उपलब्धता एशिया कप के लिए पक्की नहीं है। उन्होंने कहा, बुमराह अगर उपलब्ध हैं तो मेरा मानना है कि उन्हें एशिया कप खेलना चाहिए। यह देखना होगा कि किस तरह की टीम चुनी जाती है पर यह पिछली बार चुनी गई टी20 टीम से बहुत अलग नहीं होगी। चोपड़ा ने यह भी कहा कि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को उनकी फिटनेस समस्याओं के कारण टूर्नामेंट के लिए शायद ही शामिल किया जाएगा। उन्होंने साथ ही कहा, मेरा मानना है कि शमी इसमें शामिल नहीं होंगे, क्योंकि शमी को केवल उनकी फिटनेस परखने और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए तैयार करने के लिए ही आखिरी बार टी20 टीम में शामिल किया गया था। अब जबकि टीम तय हो गयी है और ऐसे में अगर वह टेस्ट मैचों में नहीं खेलते हैं, तो मेरा मानना है कि टी20 क्रिकेट भी नहीं खेलेंगे।

पाक और न्यूजीलैंड की टीमों को शायद ही ओलंपिक में प्रवेश मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की टीमें शायद ही आगामी 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में शामिल हो पायें। इस दोनो की टीमों को इसलिए जगह नहीं मिल सकती क्योंकि केवल 6-6 टीमों को ही भाग लेने की अनुमति मिली है। ऐसे में 128 साल के बाद ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी होने के बाद भी ये दोनो ही टीमें उसमें नहीं खेल पायेंगी। इसका कारण ये भी है कि लॉस एंजलिस ओलंपिक खेलों में केवल 6-6 ही टीमें ही पुरुष और महिला वर्ग से भाग लेंगी। अभी तक आईसीसी और आईओसी की ओर से इसके लिए कोई प्रवेश प्रक्रिया घोषित नहीं की गयी है।

एक रिपोर्ट के अनुसार जुलाई में सिंगापुर में हुई वार्षिक आम बैठक के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद आईसीसी ने क्वालीफिकेशन प्रक्रिया को अंतिम रूप दे दिया था। इसमें न्यूजीलैंड और पाकिस्तान की टीम को पुरुष वर्ग में शामिल नहीं किया था। रीजनल क्वालीफिकेशन के कारण न्यूजीलैंड और पाकिस्तान को भी इसमें जगह नहीं मिली है।

आईसीसी ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमिटी के मानकों के अनुरूप ही एक क्षेत्रीय योग्यता प्रणाली अपनाई है। इसमें पांच महाद्वीपों - एशिया, ओशिनिया, यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका शामिल हैं। इस प्रस्तावित प्रक्रिया के तहत, भारत (एशिया), ऑस्ट्रेलिया (ओशिनिया), ग्रेट ब्रिटेन (यूरोप) और दक्षिण अफ्रीका (अफ्रीका) अपनी वर्तमान में टी20 रैंकिंग के आधार पर महाद्वीपीय प्रतिनिधि के रूप में क्वालीफाई करेंगे। वहीं संयुक्त राज्य अमेरिका (अमेरिका) को मेजबान के रूप में रखा गया है। छठी टीम वेस्टइंडीज की हो सकती है पर उसके लिए प्रक्रिया अलग होगी।

वहीं आईसीसी मेंस टी20 रैंकिंग में चौथे स्थान पर कायम न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया से पीछे है, जो दूसरे स्थान पर है। ऐसे में अगर प्रवेश मौजूदा रैंकिंग के आधार पर मिलता है तो पाकिस्तान (आठवें स्थान) को एशिया से भारत पीछे छोड़ देगा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड दोनों ने इस प्रस्तावित क्वालिफिकेशन प्रक्रिया पर नाराजगी जतायी है।

ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2025 : क्वार्टर फाइनल में भारत के निहाल सरीन का मुकाबला नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन से

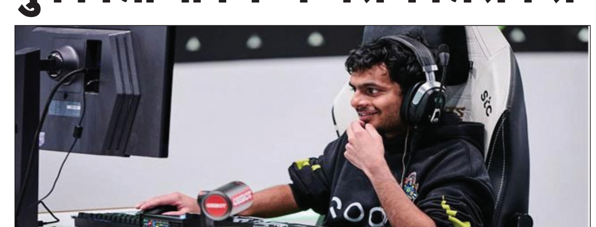

रियाद, सऊदी अरब। शतरंज को पहली बार ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2025 का हिस्सा बनाया गया है और पहले ही संस्करण में भारत के दो युवा खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। भारत के ग्रांडमास्टर निहाल सरीन (टीम एस8यूएल) ने लगातार बेहतरीन दो मुकाबले जीतकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है, जहाँ अब उनका सामना विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के ग्रांडमास्टर मैग्नस कार्लसन (टीम लिक्विड) से होगा। निहाल सरीन ने पहले नीदरलैंड्स के ग्रांडमास्टर अनीश गिरी (टीम सीक्रेट) को 2-0 से हराया और फिर फ्रांस के ग्रांडमास्टर मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव (टीम विटालिटी) को 1.5-0.5 से पराजित किया। निहाल ने इन दोनों मुकाबलों में एक भी बाजी नहीं गंवाई। भारत के ही एक और शीर्ष खिलाड़ी, ग्रांडमास्टर अर्जुन एरिगैसी (टीम जेन.जी) अब क्वार्टर फाइनल में रूस के ग्रांडमास्टर इयान नेपोमिनियाची (टीम ऑरोरा गेमिंग) से टकराएंगे।

अन्य क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में – उज़्बेकिस्तान के ग्रांडमास्टर नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव (टीम नावी) ईरान के ग्रांडमास्टर अलीरेज़ा फिरौज़जा (टीम फाल्कन्स) से, अमेरिका के ग्रांडमास्टर हिकारू नाकामुरा (टीम फाल्कन्स) अर्मेनिया के ग्रांडमास्टर लेवोन अरोनियन (टीम रिजेक्ट) से खेलेंगे।

प्रत्येक बाजी का समय नियंत्रण 10 मिनट है और इसमें कोई वृद्धि नहीं दी गई है।

इस प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि 15 लाख अमेरिकी डॉलर है और खिलाड़ी अपनी-अपनी ई-स्पोर्ट्स टीमों के ज़रिए 2.7 करोड़ डॉलर की साझा पुरस्कार राशि के हिस्सेदार भी हैं। एक विशेष नियम के तहत हर मुकाबले के बाद विजेता खिलाड़ी, पराजित खिलाड़ी की फ्रचाबीफ्र मंच पर तोड़ता है।

भारत के सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी बीडब्लयूएफ रैंकिंग में दसवें स्थान पर पहुंची

लखनऊ (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष पुरुष युगल बैडमिंटन जोड़ी विश्व बैडमिंटन संघ (बीडब्लयूएफ) की रैंकिंग में तीन स्थान के लाभ के साथ ही 10वें नंबर पर आ गई है। सात्विक-चिराग को चाइना ओपन 2025 में सेमीफाइनल तक पहुंचने का लाभ मिला है और इसी कारण उन्हें शीर्ष दस में जगह मिली है। चाइना ओपन में इस जोड़ी को मलेशिया के आरोन चिया और सो वूई यिक की जोड़ी ने 13-21, 17-21 से हराया था। इस सत्र ये उनका तीसरा सेमीफाइनल था। इससे पहले वे सिंगापुर ओपन और इंडिया ओपन में भी अंतिम चार में पहुंचे थे। पिछला साल थाईलैंड ओपन जीतने के बाद इस भारतीय जोड़ी ने दुनिया की नंबर-1 रैंकिंग भी हासिल की थी।

वहीं भारत के टॉप रैंक वाले सिंगल्स खिलाडी लक्ष्य सेन को भी ताजा रैंकिंग में दो स्थान का लाभ हुआ है और वह 17वें स्थान पर पहुंच गये हैं। उनके अब 54442 अंक हैं, जो चीन के झेनजियांग वांग से थोड़ा ही आगे हैं। वहीं वांग ने इस हफ्ते 5 स्थान की छलांग लगायी है। वहीं भार के एचएस प्रणॉय को भी दो स्थान का लाभ हुआ है और वह नंबर 33 पर पहुंच गये हैं। उनके अब 40336 अंक हो गए हैं। वहीं महिला एकल में भातर की उन्नति हूडा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चार स्थान की छलांग लगाई है। उन्होंने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 31वीं रैंकिंग हासिल की है। उन्नति ने पिछले सप्ताह पीवी सिंधु को 21-16, 19-21, 21-13 से हराकर सबको हैरान किया था।

ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 सीरीज के लिए घोषित की टीम

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगले महीने खेली जाने वाली टी20 और एकदिवसीय सीरीज के लिए कप्तान मिचेल मार्श की टीम में बल्लेबाज ट्रैविस हेड और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को भी शामिल किया है पर तेज गेंदबाज पैट कमिंस को इस सीरीज के लिए शामिल नहीं किया गया है। इस बार एकदिवसीय टीम में एक नए खिलाड़ी मिच ओवेन को भी जगह मिली है। ओवेन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने 14-14 सदस्यीय टीम टी20 और एकदिवसीय सीरीज के लिए चुनी है। मिचेल मार्श दोनो ही प्रारुपों की कप्तानी संभालेंगे. 10 अगस्त से टी20 सीरीज खेली जाएगी जबकि 24 अगस्त को अंतिम एकदिवसीय के साथ ही ये सीमित ओवरों की सीरीज समाप्त होगी। इस टीम में ऑलराउंडर मैट शॉर्ट को भी जगह मिली है। ओवेन इस सीरीज से एकदिवसीय में पदार्पण कर सकते हैं। इसके अलावा सीन एबॉट, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, तनवीर संघा, कूपर कोनोली और आरोन हार्डी का भी टीम से बाहर कर दिया गया है। टीम के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा है कि टीम अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी जारी रखेगी।

टी20 टीम: मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, टिम डेविड, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरोन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैट कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट और एडम जैम्पा

एकदिवसीय : मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरोन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, लांस मॉरिस, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट और एडम जैम्पा

अश्विन की रोमांचक भविष्यवाणी, कहा- ओवल टेस्ट में क्रिकेट की दुनिया को मिलेगा नया सुपरस्टार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही पांचवीं और अंतिम टेस्ट सीरीज से पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर और स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर जैकब बेथेल की जमकर तारीफ की है। अश्विन ने कहा है कि बेथेल में वो सारी खूबियां हैं जो उसे भविष्य का सुपरस्टार बना सकती हैं। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स इस फाइनल टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे और जैकब बेथेल उनकी जगह टीम में शामिल होकर खेलेंगे। अश्विन ने इस युवा खिलाड़ी को लेकर बड़ी उम्मीदें जताई हैं।

जैकब बेथेल को लेकर अश्विन की खास बात

अश्विन ने एक पॉडकास्ट के दौरान कहा कि ÷पांचवें टेस्ट में क्रिकेट की दुनिया को एक नया सुपरस्टार देखने को मिलेगा।÷ उन्होंने आगे कहा, ÷मुझे कोई शक नहीं कि जैकब बेथेल सुपरस्टार बनेगा। वह सचमुच एक अलग तरह की प्रतिभा है।÷ अश्विन ने 21 वर्षीय इस खिलाड़ी की बल्लेबाजी और बाएं हाथ की गेंदबाजी दोनों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि बेथेल बल्ले से शानदार खेलता है और गेंदबाजी में भी कमाल दिखाने वाला खिलाड़ी है।

इंग्लैंड की टीम और बेथेल का रोल

इंग्लैंड की टीम इस सीरीज में फिलहाल 2-1 की बढ़त पर है। हालांकि अंतिम टेस्ट में मेजबान टीम की कोशिश होगी कि वे भारत के खिलाफ जीत दर्ज कर सीरीज पर कब्जा जमाएं। लेकिन बेन स्टोक्स के ना खेलने से इंग्लैंड की टीम को बड़ा झटका लगा है। ऐसे में जैकब बेथेल की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। यह युवा खिलाड़ी कप्तान के रूप में अपनी योग्यता दिखाने का मौका पाने वाला है।

सीरीज की स्थिति और भारत की तैयारी

इस टेस्ट सीरीज की शुरुआत इंग्लैंड ने हेडिंग्ले में 5 विकेट से जीत के साथ की थी। इसके बाद एजबेस्टन में भारत को 336 रनों से भारी हार का सामना करना पड़ा। लॉर्ड्स में इंग्लैंड ने फिर से बढ़त बनाई और चौथा टेस्ट ड्रॉ रहा। अब आखिरी टेस्ट ओवल में खेला जा रहा है, जहां भारत सीरीज को ड्रॉ कराने के लिए जी-तोड़ कोशिश करेगा।

भारतीय टीम के लिए शुभमन गिल इस सीरीज में शानदार फॉर्म में हैं। केएल राहुल, ऋषभ पंत और रविंद्र जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी टीम के साथ हैं। हालांकि मैनचेस्टर टेस्ट में पंत के पैर में फ्रैक्चर हो गया था, इसलिए वे पांचवें टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे। उनकी जगह एन. जगदीशन को टीम में शामिल किया गया है।

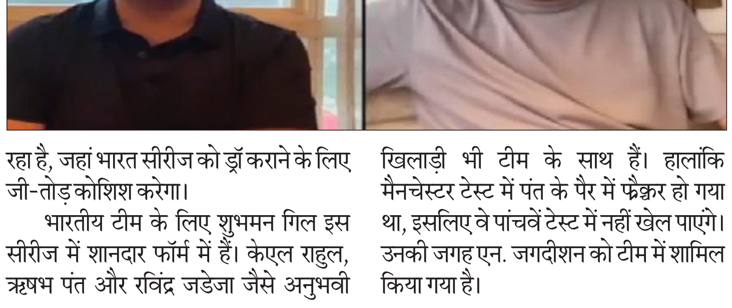

सैयारा की अनीत पड्डा को अब न्याय की तलाश? फातिमा सना शेख भी होंगी

अनीत पड्डा इन दिनों छाई हुई हैं। अपनी फिल्म सैयारा के साथ वो नेशनल क्रश बन चुकी हैं। अब उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर जोरशोर से चर्चा हो रही है। वो अब ओटीटी पर नजर आ सकती हैं। उनकी वेब सीरीज का नाम न्याय है, जिसकी शूटिंग वो पिछले साल कर चुकी थीं। मोहित सूरी की हालिया रिलीज सैयारा से अनीत पड्डा रातोंरात फेमस हो चुकी हैं। अब उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर नई खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि वो एक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कोर्टरूम ड्रामा वेब सीरीज में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग वो सैयारा से पहले ही कर चुकी थीं। रिपोर्ट के अनुसार, अनीत पड्डा का यशराज फिल्म्स के साथ तीन फिल्मों को लेकर स्पेशल कॉन्ट्रैक्ट है। इसके बावजूद वो YRF से अलग एक प्रोजेक्ट न्याय में दिखेंगी, जिसकी शूटिंग वो पहले ही कर चुकी हैं।

फातिमा सना शेख के साथ अनीत पड्डा

सच्ची घटनाओं पर आधारित न्याय में अनीत पड्डा के साथ फातिमा सना शेख और अर्जुन माथुर भी हैं। पिछले साल इसकी शूटिंग हो गई थी। अब ये जल्द ही जाने-माने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाला है।

न्याय में ये होगा अनीत पड्डा का किरदार

अहान पांडे की सैयारा में अनीत ने वाणी बत्रा का किरदार निभाया, जो बहुत सौम्य लड़की है। दूसरी तरफ वो न्याय में 17 साल की लड़की का रोल निभा रही हैं, जो आध्यात्मिक गुरु द्वारा यौन उत्पीड़न का शिकार होने के बाद न्याय की तलाश में है।

अनीत पड्डा की वेब सीरीज

समीर नायर के अप्लॉज एंटरटेनमेंट और मंगता फिल्म्स द्वारा निर्मित न्याय का निर्देशन बार-बार देखो और मेड इन हेवन से फेमस हुईं नित्या मेहरा और उनके पति करण कपाड़िया ने किया है, जोकि फिल्ममेकर हैं। पिछले साल अमेजन प्राइम वीडियो पर आई सीरीज बिग गर्ल्स डोंट क्राई के बाद अनीत के साथ ये उनका दूसरा सहयोग है। इस शो में अर्जुन माथुर, मोहम्मद जीशान अय्यूब, रघुबीर यादव और राजेश शर्मा भी हैं।

ओटीटी पर मेकर्स रिस्क लेने को तैयार, कंटेंट पर भी हुआ काफी काम

डायना पेंटी की फिल्म डिटेक्टिव शेरदिल ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हुई है। इस फिल्म में उनके साथ दिलजीत दोसांझ, बोमन ईरानी, चंकी पांडे, रत्ना पाठक शाह, सुमित व्यास और बनिता संधु भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। हाल ही में डायना ने फिल्म की शूटिंग से जुड़े अनुभवों को लेकर खास बातचीत की।

यह फिल्म साइन करने के पीछे सबसे बड़ी वजह क्या थी?

इस फिल्म को साइन करने के पीछे कई कारण थे जैसे इसकी स्क्रिप्ट, मेरा करैक्टर डिटेक्टिव नताशा का काफी दमदार होने, जो एक स्पष्ट बोलने वाली और स्मार्ट इंसान है। इसके अलावा एक और बड़ी वजह है कि इस फिल्म के प्रोड्यूसर्स अली और हिमांशु हैं जिन्हें मैं पहले से जानती हूं और डायरेक्टर रवि जिन्हें हमेशा से पता होता है कि उन्हें क्या चाहिए। वहीं इस फिल्म की बाकी पूरी कास्ट जैसे बोमन ईरानी सर, बनिता संधु, रत्ना पाठक शाह मैम और बाकी सब भी काफी अनुभवी और एक-दूसरे के लिए सहयोगी है। इस फिल्म में काम करने में सच में काफी मजा आया। इसके साथ सभी से कुछ न कुछ सीखने को भी मिला है।

आपके अपकमिंग प्रोजेक्ट्स क्या हैं?

मेरी पहली ओटीटी वेब सीरीज पर काम चल रहा है, जो इस साल के अंत तक दर्शकों तक पहुंच जाएगी। वहीं अमिताभ बच्चन सर के साथ भी मेरी एक फिल्म सेक्शन 84 आने वाली है, जिसकी रिलीज डेट का खुलासा जल्द ही किया जाएगा।

शूटिंग के दौरान सेट पर बिताया गया वक्त कैसा था?

मुझे फिल्म की शूटिंग के दौरान बहुत मजा आया। इसके अलावा शूटिंग की लोकेशंस (बुडापेस्ट) में भी मौसम काफी खुशनुमा था। जिसकी वजह से शूटिंग करने का आनंद दोगुना हो गया। हम सभी काफी बार शूट पूरा होने के बाद बुडापेस्ट के कई सारे नए होटलों में साथ खाना खाने जाते थे।

क्या आजकल फीमेल सेंट्रिक फिल्में और ओटीटी कंटेंट तेजी से बढ़ रहे हैं?

बिलकुल, यह ट्रेंड आगे भी जरूर बरकरार रहेगा और रहना चाहिए। इससे देश की कई टैलेंटेड फीमेल एक्टर्स को लीड रोल निभाने का मौका मिलेगा। हॉलीवुड में भी यही ट्रेंड है, तो हमारे यहां भी ऐसा होना जरूरी है। वहीं दूसरी ओर ओटीटी ने नए एक्टर्स, राइटर्स और डायरेक्टर्स के लिए बेहतरीन अवसर खोले हैं। यहां डायरेक्टर्स ज्यादा रिस्क लेने को तैयार होते हैं, जो थिएटर की फिल्मों में हमेशा संभव नहीं होता। ओटीटी पर फिल्ममेकर नए प्रयोग कर सकते हैं जो प्लेटफॉर्म को और भी रचनात्मक बनाता है। इसके अलावा ओटीटी के आने के बाद कंटेंट पर भी काफी काम शुरू हो गया है।

उर्मिला के किरदार में आएंगी नजर सुरभि दास

हाल ही में फिल्म 'रामायण' का फर्स्ट लुक जारी किया गया। इसमें रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आए और साउथ एक्टर यश रावण के किरदार में दिखे। फिल्म में सीता माता की भूमिका में साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी है। वहीं एक असमिया और टीवी एक्ट्रेस भी इस फिल्म का हिस्सा बनने वाली हैं।

असमिया एक्ट्रेस सुरभि दास फिल्म 'रामायण' में उर्मिला की भूमिका में दिखेंगी। उर्मिला माता सीता की बहन हैं। उर्मिला, प्रभु राम के भाई लक्ष्मण की पत्नी भी हैं। फिल्म में उर्मिला का त्याग भी दिखाया जाएगा। लक्ष्मण का रोल फिल्म 'रामायण' में टीवी एक्टर रवि दुबे कर रहे हैं। इस तरह से सुरभि दास और रवि दुबे साथ अभिनय करते हुए नजर आएंगे। सुरभि एक असमिया एक्ट्रेस हैं। साथ ही वह एक हिंदी टीवी सीरियल 'नीमा डेन्जोंगपा' में नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा वह दादा तुमी दुस्तो बोर नाम की बंगाली फिल्म भी कर चुकी हैं। अब नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म 'रामायण' में नजर आएंगी।

आयुष्मान खुराना की 'थामा' का हिस्सा बने वरुण

फिल्म 'थामा' में आयुष्मान खुराना एक वैंपायर के रोल में नजर आएंगे। फिल्म में हीरोइन के रोल में रश्मिका मंदाना हैं। अब वरुण धवन भी इस फिल्म का हिस्सा बन रहे हैं। यह फिल्म मैडॉक प्रोडक्शन की है। इससे पहले वह 'स्त्री 2' और 'भेड़िया' जैसी हॉरर-कॉमेडी फिल्में बना चुके हैं। 'स्त्री 2' में भेड़िए के किरदार में वरुण धवन ने कैमियो किया। इसी तरह वह फिल्म 'थामा' में नजर आएंगे। रिपोर्ट के अनुसार फिल्म 'थामा' में वरुण धवन नजर आएंगे। वह आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की इस फिल्म की शूटिंग लगभग 6 दिन कर चुके हैं। इस फिल्म में वह अपने भेड़िए वाले रोल में नजर आएंगे। जबकि फिल्म 'थामा' में आयुष्मान खुराना वैंपायर के रोल में दिखेंगे।

वीएफएक्स के जरिए वैंपायर-भेड़िए की टक्कर

फिल्म 'थामा' में वरुण धवन की एंट्री से दर्शकों को वैंपायर और भेड़िए की टक्कर देखने को मिलेगी। इस फिल्म में दर्शकों के सिनेमैटिक एक्सपीरियंस को बढ़ाने के लिए प्रोड्यूसर दिनेश विजन और डायरेक्टर आदित्य सरपोतदार बड़े स्तर पर तैयारी कर चुके हैं। फिल्म में एक्शन सीक्वेंस वीएफएक्स के जरिए बड़े स्केल पर दिखाए जाएंगे। फिल्म के एक्शन सींस की शूटिंग मार्च या अप्रैल में हो चुकी है। फिल्म 'थामा' के अलावा मैडॉक हॉरर कॉमेडी सिनेमैटिक यूनिवर्स की और फिल्में भी रिलीज होंगी।

सात समंदर पार से आईं एली अवराम, जिन्होंने हिम्मत के बूते सपने किए साकार

एली अवराम हिंदी सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिनकी खूबसूरती, नृत्य कौशल, और दिलकश अदायगी ने दर्शकों का दिल जीता। फिल्म 'किस किस को प्यार करूं' और टीवी शो 'बिग बॉस' ने अभिनेत्री को फेम दिलाया। कुछ फिल्मों में काम भी किया जो भले ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल नहीं मचा पाईं लेकिन दर्शकों के दिल में घर कर गईं। 29 जुलाई 1990 को स्वीडन के स्टॉकहोम में जन्मीं एली अवराम को बचपन से ही डांस और एक्टिंग में रुचि थी। उन्हें स्वीडिश-ग्रीक अभिनेत्री भी कहा जाता है। एली ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब वह 14 साल की थीं तो शाहरुख खान की देवदास देखी। इस फिल्म ने उन्हें बॉलीवुड में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उन्होंने टूरिस्ट वीजा के लिए अप्लाई किया, मुंबई आईं, और हिंदी न जानते हुए भी अपने सपने को हकीकत में बदला। हिंदी सीखने के लिए कड़ी मेहनत भी की। 10 साल से ज्यादा का सफर हिंदी सिनेमा में तय करने के बाद, आज अभिनेत्री बहुत अच्छी हिंदी बोलती है।

एली जब बॉलीवुड में आईं तो उनकी तुलना मशहूर अभिनेत्री कैटरीना कैफ से भी की गई झ्र अभिनेत्री ने एक्टर मनीष पॉल के साथ फिल्म मिकी वायरस से बॉलीवुड में डेब्यू किया। उनकी मासूमियत और अभिनय ने दर्शकों का ध्यान खींचा, हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत रही। साल 2013 में बिग बॉस 7 में हिस्सा लेकर खूब सुर्खियां बटोरीं। उनकी सादगी और सलमान खान के साथ दोस्ताना बॉन्ड ने उन्हें चर्चा में ला दिया। कुछ समय तक उनके और सलमान के बीच लिंकअप की अफवाहें भी उड़ीं, जिन्हें एली ने हंसकर टाल दिया। शो के दौरान कई बार सलमान उनके साथ मजाकिए अंदाज में भी दिखे, जो दर्शकों के साथ ही साथ शो की टीआरपी के लिए भी काफी सफल माना गया। एली अभिनेत्री होने के अलावा एक प्रशिक्षित बेली डांसर हैं, और ये सिलसिला वर्षों से जारी है। 17 साल की उम्र में वे स्टॉकहोम में परदेसी डांस ग्रुप की सदस्य बनीं, जहां वे बॉलीवुड गानों पर परफॉर्म करती थीं। उन्होंने किस किसको प्यार करूं और पोस्टर बॉयज जैसे गानों में अपने डांस का जादू दिखाया। अभिनेत्री और यूट्यूबर आशीष चंचलानी की तस्वीरों ने हाल ही में डेटिंग की अफवाहें उड़ाईं। लेकिन, बाद में खुलासा हुआ कि यह उनके म्यूजिक वीडियो के लिए बस प्रमोशन का हिस्सा था।एली अवराम की मेहनत, प्रतिभा, और बॉलीवुड के प्रति उनका जुनून उन्हें एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व बनाता है।

दमदार, खूबसूरत और बोल्ड, नॉन फिल्मी बैकग्राउंड से आई हुमा

महारानी की रानी भारती का जिक्र करते ही फिल्म इंडस्ट्री की दमदार, शानदार, खूबसूरत और बोल्ड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी का चेहरा सामने आ जाता है। 28 जुलाई को जन्मीं नॉन-फिल्मी बैकग्राउंड से आने वाली एक्ट्रेस ने अपने टैलेंट और मेहनत के दम पर न केवल बॉलीवुड, बल्कि हॉलीवुड में भी अपनी खास छाप छोड़ी। अनुराग कश्यप की गैंग्स ऑफ वासेपुर से डेब्यू करने वाली हुमा ने अपनी पहली फिल्म से ही दर्शकों और समीक्षकों का दिल जीत लिया। एक्टिंग शैली और बेबाक अंदाज ने उन्हें इंडस्ट्री की महारानी बना दिया।

नई दिल्ली में 28 जुलाई 1986 को एक मुस्लिम परिवार में जन्मीं हुमा के पिता सलीम कुरैशी दिल्ली में मशहूर रेस्तरां के मालिक हैं, जबकि उनकी मां अमीना कुरैशी हाउस वाइफ हैं। हुमा ने दिल्ली विश्वविद्यालय से इतिहास में ग्रेजुएशन किया। कॉलेज के दौरान वह एक्ट 1 थिएटर ग्रुप से जुड़ीं और एनके शर्मा जैसे थिएटर निर्देशकों के साथ काम किया। साल 2008 में वह मुंबई आईं और विज्ञापन में काम करने लगीं। करियर के शुरुआती दिनों में हुमा, शाहरुख खान और आमिर खान के साथ भी विज्ञापन में काम कर चुकी हैं। उनकी अदाकारी ने अनुराग कश्यप का ध्यान खींचा, जिन्होंने उन्हें साल 2012 में आई गैंग्स ऑफ वासेपुर में मोहसिना खान के किरदार के लिए चुना। इस फिल्म ने उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू और बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस के लिए फिल्मफेयर नॉमिनेशन दिलाया।

गैंग्स ऑफ वासेपुर की सफलता के बाद हुमा के फिल्मी करियर ने उड़ान भरी और उन्होंने कुणाल कपूर के साथ लव शव ते चिकन खुराना में पंजाबी लड़की हरमन के रूप में दर्शकों को लुभाया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपना कमाल दिखाने में असफल रही। हालांकि, उनकी एक्टिंग को पसंद किया गया। इसके बाद हुमा एक थी डायन, डेढ़ इश्किया, बदलापुर और जॉली एलएलबी 2 में दमदार अंदाज में नजर आईं, उन्होंने अपने किरदारों से मल्टी टैलेंट को साबित किया। हुमा बॉलीवुड तक सीमित नहीं हैं। वह मराठी फिल्म हाइवे, तमिल फिल्म काला और हॉलीवुड फिल्म में भी काम कर चुकी हैं। महारानी और लीला जैसी वेब सीरीज में उनके अभिनय को खूब सराहना मिली। साल 2023 में तरला में मशहूर शेफ तरला दलाल की भूमिका निभाकर उन्होंने दर्शकों का दिल जीता। उनकी अपकमिंग फिल्मों में जॉली एलएलबी 3, बयान और पूजा मेरी जान शामिल हैं।

हुमा की निजी जिंदगी अक्सर चर्चा में रही है। उनका नाम कई सितारों के साथ जुड़ा। एक इंटरव्यू में हुमा ने कहा कि उन्होंने मुस्लिम होने के बावजूद भारत में कभी अलग-थलग महसूस नहीं किया। वह अपनी सांस्कृतिक पहचान पर गर्व करती हैं। हुमा लेखनी में भी रूचि रखती हैं। उन्होंने साल 2023 में अपनी पहली किताब जेबा- एन एक्सीडेंटल सुपरहीरो लॉन्च की, जिसे कई लिटरेचर फेस्टिवल में सराहना मिली। हुमा को तीन फिल्मफेयर नॉमिनेशन और एक फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड मिल चुका है। उनकी फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर का प्रीमियर कान्स फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। हुमा सोशल वर्क में भी सक्रिय हैं और कई एनजीओ के साथ काम करती हैं।

भगवान भोलेनाथ
शिव के रहस्य

भगवान शिव अर्थात पार्वती के पति शंकर जिन्हें महादेव, भोलेनाथ, आदिनाथ आदि कहा जाता है, उनके रहस्य यहां प्रस्तुत हैं।

• आदिनाथ शिव
सर्वप्रथम शिव ने ही धरती पर जीवन के प्रचार-प्रसार का प्रयास किया इसलिए उन्हें 'आदिदेव' भी कहा जाता है। 'आदि' का अर्थ प्रारंभ। आदिनाथ होने के कारण उनका एक नाम 'आदिश' भी है।

• शिव के अस्त्र-शस्त्र
शिव का धनुष पिनाक, चक्र भवरेंदु और सुदर्शन, अस्त्र पाशुपतास्त्र और शस्त्र त्रिशूल है। उक्त सभी का उन्होंने ही निर्माण किया था।

• शिव का नाग
शिव के गले में जो नाग लिपटा रहता है उसका नाम वासुकि है। वासुकि के बड़े भाई का नाम शेषनाग है।

• शिव की अर्द्धांगिनी
शिव की पहली पत्नी सती ने ही अगले जन्म में पार्वती के रूप में जन्म लिया और वही उमा, उर्मि, काली कही गई हैं।

• शिव के पुत्र
शिव के प्रमुख 6 पुत्र हैं- गणेश, कार्तिकेय, सुकेश, जलंधर, अयप्पा और भूमा। सभी के जन्म की कथा रोचक है।

• शिव के शिष्य
शिव के 7 शिष्य हैं जिन्हें प्रारंभिक सप्तऋषि माना गया है। इन ऋषियों ने ही शिव के ज्ञान को संपूर्ण धरती पर प्रचारित किया जिसके चलते भिन्न-भिन्न धर्म और संस्कृतियों की उत्पत्ति हुई। शिव ने ही गुरु और शिष्य परंपरा की शुरुआत की थी। शिव के शिष्य हैं- बृहस्पति, विशालाक्ष, शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज इसके अलावा 8वें गौरशिरस मुनि भी थे।

• शिव के गण
शिव के गणों में भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय प्रमुख हैं। इसके अलावा, पिशाच, दैत्य और नाग-नागिन, पशुओं को भी शिव का गण माना जाता है। शिवगण नंदी ने ही 'कामशास्त्र' की रचना की थी। 'कामशास्त्र' के आधार पर ही 'कामसूत्र' लिखा गया।

• शिव पंचायत
भगवान सूर्य, गणपति, देवी, रुद्र और विष्णु ये शिव पंचायत कहलाते हैं।

• शिव के द्वारपाल
नंदी, स्कंद, रिटी, वृषभ, भृंगी, गणेश, उमा-महेश्वर और महाकाल।

• शिव पार्षद
जिस तरह जय और विजय विष्णु के पार्षद हैं उसी तरह बाण, रावण, चंड, नंदी, भृंगी आदि शिव के पार्षद हैं।

• सभी धर्मों का केंद्र शिव
शिव की वेशभूषा ऐसी है कि प्रत्येक धर्म के लोग उनमें अपने प्रतीक ढूंढ सकते हैं। मुशरिक, यजीदी, साबिईन, सुबी, इब्राहीमी धर्मों में शिव के होने की छाप स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। शिव के शिष्यों से एक ऐसी परंपरा की शुरुआत हुई, जो आगे चलकर शैव, सिद्ध, नाथ, दिगंबर और सूफी संप्रदाय में विभक्त हो गई।

• देवता और असुर दोनों के प्रिय शिव
भगवान शिव को देवों के साथ असुर, दानव, राक्षस, पिशाच, गंधर्व, यक्ष आदि सभी पूजते हैं। वे रावण को भी वरदान देते हैं और राम को भी। उन्होंने भस्मासुर, शुक्राचार्य आदि कई असुरों को वरदान दिया था। शिव, सभी आदिवासी, वनवासी जाति, वर्ण, धर्म और समाज के सर्वोच्च देवता हैं।

• शिव चिह्न
वनवासी से लेकर सभी साधारण व्यक्ति जिस चिह्न की पूजा कर सकें, उस पत्थर के ढेले, बटिया को शिव का चिह्न माना जाता है। इसके अलावा रुद्राक्ष और त्रिशूल को भी शिव का चिह्न माना गया है। कुछ लोग डमरू और अर्द्ध चन्द्र को भी शिव का चिह्न मानते हैं, हालांकि ज्यादातर लोग शिवलिंग अर्थात शिव की ज्योति का पूजन करते हैं।

• शिव की गुफा
शिव ने भस्मासुर से बचने के लिए एक पहाड़ी में अपने त्रिशूल से एक गुफा बनाई और वे फिर उसी गुफा में छिप गए। वह गुफा जम्मू से 150 किलोमीटर दूर त्रिकूटा की पहाड़ियों पर है। दूसरी ओर भगवान शिव ने जहां पार्वती को अमृत ज्ञान दिया था वह गुफा 'अमरनाथ गुफा' के नाम से प्रसिद्ध है।

• शिव के अवतार
वीरभद्र, पिप्पलाद, नंदी, भैरव, महेश, अश्वत्थामा, शरभावतार, गृहपति, दुर्वासा, हनुमान, वृषभ, यतिनाथ, कृष्णदर्शन, अवधूत, भिक्षुवर्य, सुरेश्वर, किरात, सुनटनर्तक, ब्रह्मचारी, यक्ष, वैश्यानाथ, द्विजेश्वर, हंसरूप, द्विज, नतेश्वर आदि हुए हैं। वेदों में रुद्रों का जिक्र है। रुद्र 11 बताए जाते हैं- कपाली, पिंगल, भीम, विरुपाक्ष, विलोहित, शास्ता, अजपाद, आपिर्बुध्य, शंभू, चण्ड तथा भव।

• शिव का विरोधाभासिक परिवार
शिवपुत्र कार्तिकेय का वाहन मयूर है, जबकि शिव के गले में वासुकि नाग है। स्वभाव से मयूर और नाग आपस में दुश्मन हैं। इधर गणपति का वाहन चूहा है, जबकि सांप मूषकभक्षी जीव है। पार्वती का वाहन शेर है, लेकिन शिवजी का वाहन तो नंदी बैल है। इस विरोधाभास या वैचारिक भिन्नता के बावजूद परिवार में एकता है।

• शिव के पैरों के निशान
श्रीपद- श्रीलंका में रतन द्वीप पहाड़ की चोटी पर स्थित श्रीपद नामक मंदिर में शिव के पैरों के निशान हैं। ये पदचिह्न 5 फुट 7 इंच लंबे और 2 फुट 6 इंच चौड़े हैं। इस स्थान को सिवानोलीपदम कहते हैं। कुछ लोग इसे आदम पीक कहते हैं।

रुद्र पद- तमिलनाडु के नागपट्टीनम जिले के थिरुवेंगडू क्षेत्र में श्रीस्वेदारण्येश्वर का मंदिर में शिव के पदचिह्न हैं जिसे 'रुद्र पदम' कहा जाता है। इसके अलावा थिरुवन्नामलाई में भी एक स्थान पर शिव के पदचिह्न हैं।

तेजपुर- असम के तेजपुर में ब्रह्मपुत्र नदी के पास स्थित रुद्रपद मंदिर में शिव के दाएं पैर का निशान है।

जागेश्वर- उत्तराखंड के अल्मोड़ा से 36 किलोमीटर दूर जागेश्वर मंदिर की पहाड़ी से लगभग साढ़े 4 किलोमीटर दूर जंगल में भीम के मंदिर के पास शिव के पदचिह्न हैं। पांडवों को दर्शन देने से बचने के लिए उन्होंने अपना एक पैर यहां और दूसरा कैलाश में रखा था।

रांची- झारखंड के रांची रेलवे स्टेशन से 7 किलोमीटर की दूरी पर 'रांची हिल' पर शिवजी के पैरों के निशान हैं। इस स्थान को 'पहाड़ी बाबा मंदिर' कहा जाता है।

- **शिव भक्त** : ब्रह्मा, विष्णु और सभी देवी-देवताओं सहित भगवान राम और कृष्ण भी शिव भक्त है। हरिवंश पुराण के अनुसार, कैलास पर्वत पर कृष्ण ने शिव को प्रसन्न करने के लिए तपस्या की थी। भगवान राम ने रामेश्वरम में शिवलिंग स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना की थी।
- .**शिव ध्यान** : शिव की भक्ति हेतु शिव का ध्यान-पूजन किया जाता है। शिवलिंग को बिल्वपत्र चढ़ाकर शिवलिंग के समीप मंत्र जाप या ध्यान करने से मोक्ष का मार्ग पुष्ट होता है।
- **शिव मंत्र** : दो ही शिव के मंत्र हैं पहला- ऊं नमः शिवाय। दूसरा महामृत्युंजय मंत्र- ऊं ह्रौं जू सः। ऊं भूः भुवः स्वः। ऊं त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात। स्वः भुवः भूः ऊं। सः जू ह्रौं ऊं, है।
- **शिव व्रत और त्योहार** : सोमवार, प्रदोष और श्रावण मास में शिव व्रत रखे जाते हैं। शिवरात्रि और महाशिवरात्रि शिव का प्रमुख पर्व त्योहार है।
- **शिव प्रचारक** : भगवान शंकर की परंपरा को उनके शिष्यों बृहस्पति, विशालाक्ष (शिव), शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज, अगस्त्य मुनि, गौरशिरस मुनि, नंदी, कार्तिकेय, भैरवनाथ आदि ने आगे बढ़ाया। इसके अलावा वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, बाण, रावण, जय और विजय ने भी शैवपंथ का प्रचार किया। इस परंपरा में सबसे बड़ा नाम आदिगुरु भगवान दत्तात्रेय का आता है। दत्तात्रेय के बाद आदि शंकराचार्य, मत्स्येन्द्रनाथ और गुरु गुरुगोरखनाथ का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।

- बौद्ध साहित्य के मर्मज्ञ अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वान प्रोफेसर उपासक का मानना है कि शंकर ने ही बुद्ध के रूप में जन्म लिया था। उन्होंने पालि ग्रंथों में वर्णित 27 बुद्धों का उल्लेख करते हुए बताया कि इनमें बुद्ध के 3 नाम अतिप्राचीन हैं- तणंकर, शणंकर और मेघंकर।
- तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत पर उनका निवास है। जहां पर शिव विराजमान हैं उस पर्वत के ठीक नीचे पाताल लोक है जो भगवान विष्णु का स्थान है। शिव के आसन के ऊपर वायुमंडल के पार क्रमशः स्वर्ग लोक और फिर ब्रह्माजी का स्थान है।

• शिव महिमा
शिव ने कालकूट नामक विष पिया था जो अमृत मंथन के दौरान निकला था। शिव ने भस्मासुर जैसे कई असुरों को वरदान दिया था। शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया था। शिव ने गणेश और राजा दक्ष के सिर को जोड़ दिया था। ब्रह्मा द्वारा छल किए जाने पर शिव ने ब्रह्मा का पांचवां सिर काट दिया था।

• शैव परम्परा
दसनामी, शाक्त, सिद्ध, दिगंबर, नाथ, लिंगायत, तमिल शैव, कालमुख शैव, कश्मीरी शैव, वीरशैव, नाग, लकुलीश, पाशुपत, कापालिक, कालदमन और महेश्वर सभी शैव परंपरा से हैं। चंद्रवंशी, सूर्यवंशी, अग्निवंशी और नागवंशी भी शिव की परंपरा से ही माने जाते हैं। भारत की असुर, रक्ष और आदिवासी जाति के आराध्य देव शिव ही हैं। शैव धर्म भारत के आदिवासियों का धर्म है।

• शिव के प्रमुख नाम
शिव के वैसे तो अनेक नाम हैं जिनमें 108 नामों का उल्लेख पुराणों में मिलता है लेकिन यहां प्रचलित नाम जानें- महेश, नीलकंठ, महादेव, महाकाल, शंकर, पशुपतिनाथ, गंगाधर, नटराज, त्रिनेत्र, भोलेनाथ, आदिदेव, आदिनाथ, त्रियंबक, त्रिलोकेश, जटाशंकर, जगदीश, प्रलयंकर, विश्वनाथ, विश्वेश्वर, हर, शिवशंभु, भूतनाथ और रुद्र।

• अमरनाथ के अमृत वचन
शिव ने अपनी अर्धांगिनी पार्वती को मोक्ष हेतु अमरनाथ की गुफा में जो ज्ञान दिया उस ज्ञान की आज अनेकानेक शाखाएं हो चली हैं। वह ज्ञानयोग और तंत्र के मूल सूत्रों में शामिल है। 'विज्ञान भैरव तंत्र' एक ऐसा ग्रंथ है, जिसमें भगवान शिव द्वारा पार्वती को बताए गए 112 ध्यान सूत्रों का संकलन है।

• शिव ग्रंथ
वेद और उपनिषद सहित विज्ञान भैरव तंत्र, शिव पुराण और शिव संहिता में शिव की संपूर्ण शिक्षा और दीक्षा समाई हुई है। तंत्र के अनेक ग्रंथों में उनकी शिक्षा का विस्तार हुआ है।

• शिवलिंग
वायु पुराण के अनुसार प्रलयकाल में समस्त सृष्टि जिसमें लीन हो जाती है और पुनः सृष्टिकाल में जिससे प्रकट होती है, उसे लिंग कहते हैं। इस प्रकार विश्व की संपूर्ण ऊर्जा ही लिंग की प्रतीक है। वस्तुतः यह संपूर्ण सृष्टि बिंदु-नाद स्वरूप है। बिंदु शक्ति है और नाद शिव। बिंदु अर्थात ऊर्जा और नाद अर्थात ध्वनि। यही दो संपूर्ण ब्रह्मांड का आधार है। इसी कारण प्रतीक स्वरूप शिवलिंग की पूजा-अर्चना है।

• बारह ज्योतिर्लिंग
सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, वैद्यनाथ, भीमशंकर, रामेश्वर, नागेश्वर, विश्वनाथजी, त्र्यम्बकेश्वर, केदारनाथ, घृष्णेश्वर। ज्योतिर्लिंग उत्पत्ति के संबंध में अनेकों मान्यताएं प्रचलित है। ज्योतिर्लिंग यानी 'व्यापक ब्रह्मात्मलिंग' जिसका अर्थ है 'व्यापक प्रकाश'। जो शिवलिंग के बारह खंड हैं। शिवपुराण के अनुसार ब्रह्म, माया, जीव, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को ज्योतिर्लिंग या ज्योति पिंड कहा गया है। दूसरी मान्यता अनुसार शिव पुराण के अनुसार प्राचीनकाल में आकाश से ज्योति पिंड पृथ्वी पर गिरे और उनसे थोड़ी देर के लिए प्रकाश फैल गया। इस तरह के अनेकों उल्का पिंड आकाश से धरती पर गिरे थे। भारत में गिरे अनेकों पिंडों में से प्रमुख बारह पिंड को ही ज्योतिर्लिंग में शामिल किया गया।

• शिव का दर्शन
शिव के जीवन और दर्शन को जो लोग यथार्थ दृष्टि से देखते हैं वे सही बुद्धि वाले और यथार्थ को पकड़ने वाले शिवभक्त हैं, क्योंकि शिव का दर्शन कहता है कि यथार्थ में जियो, वर्तमान में जियो, अपनी चित्तवृत्तियों से लड़ो मत, उन्हें अजनबी बनकर देखो और कल्पना का भी यथार्थ के लिए उपयोग करो। आइंस्टीन से पूर्व शिव ने ही कहा था कि कल्पना ज्ञान से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

• शिव और शंकर
शिव का नाम शंकर के साथ जोड़ा जाता है। लोग कहते हैं- शिव, शंकर, भोलेनाथ। इस तरह अनजाने ही कई लोग शिव और शंकर को एक ही सत्ता के दो नाम बताते हैं। असल में, दोनों की प्रतिमाएं अलग-अलग आकृति की हैं। शंकर को हमेशा तपस्वी रूप में दिखाया जाता है। कई जगह तो शंकर को शिवलिंग का ध्यान करते हुए दिखाया गया है। अतः शिव और शंकर दो अलग अलग सत्ताएं है। हालांकि शंकर को भी शिवरूप माना गया है। माना जाता है कि महेष (नंदी) और महाकाल भगवान शंकर के द्वारपाल हैं। रुद्र देवता शंकर की पंचायत के सदस्य हैं।

• देवों के देव महादेव
देवताओं की दैत्यों से प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी। ऐसे में जब भी देवताओं पर घोर संकट आता था तो वे सभी देवाधिदेव महादेव के पास जाते थे। दैत्यों, राक्षसों सहित देवताओं ने भी शिव को कई बार चुनौती दी, लेकिन वे सभी परास्त होकर शिव के समक्ष झुक गए इसीलिए शिव हैं देवों के देव महादेव। वे दैत्यों, दानवों और भूतों के भी प्रिय भगवान हैं। वे राम को भी वरदान देते हैं और रावण को भी।

• शिव हर काल में
भगवान शिव ने हर काल में लोगों को दर्शन दिए हैं। राम के समय भी शिव थे। महाभारत काल में भी शिव थे और विक्रमादित्य के काल में भी शिव के दर्शन होने का उल्लेख मिलता है। भविष्य पुराण अनुसार राजा हर्षवर्धन को भी भगवान शिव ने दर्शन दिए थे।